हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● शुक्रवार ● 10.01.2025 ● वर्ष : 15 ● अंक : 169 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3~~ 2 रुपये

प्रवासी भारतीय देश के राजदूत, दुनिया में भारत का सिर ऊंचा किया : पीएम मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में 18वें प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों में अन्य देश भारत की ओर देखने लगे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की बात को आज दुनिया ध्यान से सुनती है। विदेश मंत्रालय और ओडिशा सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित तीन दिवसीय प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की थीम 'विकसित भारत की संकल्पना में प्रवासी भारतीयों का योगदान' है। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह प्रवासी भारतीयों के लिए एक विशेष पर्यटक ट्रेन है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने केंद्र और राज्य के मंत्रालयों और विभागों की चार प्रदर्शनियों और प्रचार स्टॉलों का उद्घाटन किया।

समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत भगवान जगन्नाथ और भगवान लिंगराज की पावन धरती पर पूरे विश्व से आए अपने भारतवंशी परिवार का स्वागत करके की। उन्होंने कहा कि यह भारत में जीवंत उत्सवों और समारोहों का समय है। कुछ ही दिनों में प्रयागराज में महाकुंभ शुरू हो जाएगा, मकर संक्रांति, लोहड़ी, पोंगल और माघ बिहू के त्योहार भी आने वाले हैं। हर जगह खुशी का माहौल है। इसके अलावा, 1915 में इसी दिन महात्मा गांधी लंबे समय तक विदेश में रहने के बाद भारत वापस आए थे। ऐसे अद्भुत समय में भारत में आपकी उपस्थिति उत्सव की भावना को और बढ़ा रही है।

भारत में आर्थिक विकास के लिए

केंद्र सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मात्र 10 वर्षों में भारत में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ चुके हैं। मात्र 10 वर्षों में भारत दुनिया की 10वीं से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। वह दिन दूर नहीं जब भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत की सफलता को आज दुनिया देख रही है। जब चंद्रयान शिव शक्ति बिंदु पर पहुंचता है तो हमें गर्व होता है। आज दुनिया भारत की डिजिटल इंडिया की शक्ति से चकित है तो हमें गर्व होता है। आज भारत का हर सेक्टर आसमान की ऊंचाई छूने को आगे बढ़ रहा है। 21वीं सदी का भारत, आज जिस गति से आगे बढ़ रहा है। जिस स्केल पर आज भारत में विकास के काम हो रहे हैं, वो अभूतपूर्व है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत कौशल संपन्न युवाओं से भरा हुआ देश है। उन्होंने कहा, भारत के तेज कौशल और आर्थिक विकास को दुनिया भर में देखा जा रहा है। आज का भारत, अपना पक्ष तो मजबूती से रखता ही है, ग्लोबल साउथ की आवाज को भी पूरी ताकत से उठाता है।

उन्होंने कहा कि दुनिया में जब तलवार के जोर पर साम्राज्य बढ़ाने का दौर था, तब हमारे सम्राट अशोक ने यहां शांति का रास्ता चुना था। हमारी विरासत का ये वही बल है, जिसकी प्रेरणा से आज भारत, दुनिया को ये कह पाता है कि भविष्य युद्ध में नहीं, बुद्ध में है। प्रधानमंत्री ने भारतीय डायस्पोरा को भारत का राष्ट्रदूत बताते हुए कहा कि पिछले 10 सालों में वह दुनिया के कई नेताओं से मिले। उन्होंने कहा कि दुनिया का हर नेता अपने देश में रहने वाले भारतीय प्रवासियों की तारीफ करता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि आप उनके समाज में सामाजिक मूल्य जोड़ते हैं।

भारत को लोकतंत्र की जननी बताते हुए कहा कि लोकतंत्र हमारे जीवन का हिस्सा है। हमें विविधता सिखानी नहीं पड़ती, हमारा जीवन ही विविधता से चलता है। भारतीय जहां भी जाते हैं, वहां के समाज के साथ जुड़ जाते हैं।

एक नजर

शंभू बॉर्डर पर सल्फास निगलने वाले किसान की मौत

चंडीगढ़ : पंजाब के शंभू बॉर्डर पर गुरुवार की सुबह सल्फास निगलने वाले किसान की इलाज के दौरान मौत हो गई। किसान संगठनों तथा प्रशासन ने मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया है। सल्फास निगलने वाले किसान की पहचान पंजाब के तरनतारन जिला के गांव पोहविंड निवासी रेशम सिंह (55) के रूप में हुई है। किसान नेता तेजवीर सिंह पंजोखरा के अनुसार रेशम सिंह शंभू और खनौरी बॉर्डर पर 11 महीने से आंदोलन के बावजूद सरकार की तरफ से इसका समाधान न निकालने से नाराज था। गुरुवार की सुबह लंगर स्थल के पास ही किसान रेशम सिंह ने सल्फास निगल ली। जैसे ही इस बारे में किसानों को पता चला तो उसे पहले राजपुरा के अस्पताल में ले जाया गया। जहां हालत गंभीर देख पटियाला रेफर कर दिया गया। पटियाला में रेशम सिंह की मौत हो गई। किसानी मांगों को लेकर शंभू बॉर्डर पर दिए जा रहे धरने में शामिल होने के लिए मृतक किसान रेशम सिंह 6 जनवरी को अपने गांव से रवाना हुआ था। रेशम के साथ पांच अन्य किसान भी थे और वह इससे पूर्व भी दिल्ली आंदोलन में शामिल होता रहा है।

राज्य कर्मियों का 5 लाख का होगा स्वास्थ्य बीमा, सीएम ने प्रस्ताव पर दी सहमति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना लागू किए जाने के प्रस्ताव पर सहमति दी है। उक्त प्रस्ताव पर शीघ्र मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की स्वीकृति के उपरांत राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना लागू कर दिया जाएगा। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड, रांची के संकल्प सं०-185 (13) 31.07.2023 द्वारा राज्य के कार्यरत, सेवानिवृत्त कर्मियों, पदाधिकारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ दिए जाने का प्रस्ताव है, पूर्व में कुछ त्रुटियां रहने के कारण उक्त योजना का लाभ राज्य कर्मियों को नहीं मिल पा रहा था, अब स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा इन सभी त्रुटियों का पूर्ण निराकरण कर लिया गया है। शीघ्र यह योजना झारखंड में लागू कर दी जाएगी।

इन्हें मिलेगा लाभ..

उक्त योजना अंतर्गत राज्य विधान सभा के वर्तमान सदस्य, राज्य की सभी सेवाओं के कर्मियों, सेवानिवृत कर्मियों तथा उनके परिवार के उनपर आश्रित सदस्यों, जिनमें उनके पति, पत्नी, पुत्र, वैध दत्तक पुत्र (25 वर्ष की आयु तक बशर्ते बेरोजगार हो), पुत्री (अविवाहित, विधवा, परित्यक्ता पुत्री) नाबालिग भाई एवं अविवाहित बहन एवं आश्रित माता-पिता (प्रतिमाह 9000/- और उस पर तत्समय अनुमान्य महंगाई राहत से कम पेंशन प्राप्त करने वाले) सम्मिलित होंगे, को सम्मिलित रूप से 05 लाख रुपये प्रतिवर्ष की अधिसीमा के अंतर्गत स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाएगा। राज्य कर्मियों, सेवानिवृत कर्मियों के दिव्यांग आश्रितों को आजीवन स्वास्थ्य बीमा का लाभ प्रदान किया जाएगा।

गंभीर बीमारियों के मामलों में 10 लाख रुपये तक हेल्थ कवरेज मिलेगा

राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना अंतर्गत लाभूकों एवं उनके आश्रितों को एक परिवारिक ईकाई मानते हुए प्रति परिवार प्रति वर्ष पाँच लाख तक का स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जायेगा। चिन्हित गंभीर बीमारी, जो Annexure "A" के रूप में संलग्न है, के मामलें में चिकित्सा प्रदान करने वाले सम्बंधित अस्पताल की अनुशंसा पर 50 करोड़ रुपये के संधारित कॉरपोरेट बफर में से ऐसी गंभीर बीमारियों की चिकित्सा पर 05 लाख रुपये तक की अतिरिक्त अधिसीमा अर्थात कुल 10 लाख रुपये की अधिसीमा तक की चिकित्सा पर हुये व्यय का वहन किया जाएगा। झारखण्ड स्टेट आरोग्य सोसाईटी के स्तर पर किसी बीमित कर्मी के बीमा राशि से अधिक राशि का चिकित्सा व्यय होने की स्थिति में अतिरिक्त चिकित्सा व्यय वहन हेतु एक कॉरपस फण्ड संधारित किया जायेगा, जिससे ऐसे मामलों में भुगतान किया जा सकेगा।

सीएम से बोकारो डीसी और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष ने की मुलाकात

रांची : गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में बोकारो जिले की उपायुक्त विजया जाधव और झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष शशिकर सामंता ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान, उन्होंने मुख्यमंत्री को नव वर्ष 2025 की बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भी दोनों अधिकारियों को नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके आगामी कार्यों के लिए सफलता की कामना की।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मेडिका अस्पताल पहुंच कर लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष कड़िया मुंडा के स्वास्थ्य तथा इलाज से संबंधित जानकारी ली तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

कोयला मंत्री ने सुरक्षा प्रशिक्षण केंद्र और 5जी टेस्ट लैब का किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने गुरुवार को सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के सुरक्षा प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने सीसीएल के कार्यों की समीक्षा भी की। उद्घाटन कार्यक्रम में सांसद महुआ मांझी, विधायक और सीसीएल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सुरक्षा प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण सुरक्षा कर्मियों को ओरिएंटेशन और रिफ्रेशर प्रशिक्षण देने के लिए किया गया है, ताकि उनके पेशेवर कौशल को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। अत्याधुनिक इनडोर और आउटडोर प्रशिक्षण सुविधाओं की विशेषता वाला यह केंद्र कर्मचारियों को उनकी क्षमताओं को बढ़ाने, सुरक्षित और अधिक कुशल संचालन सुनिश्चित करने के लिए सशक्त बनायेगा।

इससे पहले, जी किशन रेड्डी ने सीएमपीडीआई (सेंट्रल कोल प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट) में 5जी यूज केस टेस्ट लैब और कचरे से बनाये गये शोपीस का उद्घाटन किया। उन्होंने सीएमपीडीआई के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान सीएमपीडीआई के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक मनोज कुमार, निदेशक तकनीकी / सीआरडी शंकर नागाचारी, निदेशक तकनीकी/पीएनडी अजय कुमार और निदेशक तकनीकी आरडीएनटी अच्युत घटक समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी गुरुवार को दो दिवसीय झारखंड दौरे पर हैं। पहले दिन उन्होंने रांची में सीएमपीडीआई और सीसीएल के कार्यक्रम में शामिल हुए। वहीं दौरे के दूसरे दिन 10 जनवरी को वे कांके के सुकरहुट्टू स्थित रिनपास की जमीन पर 200 बेड के अस्पताल निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा, कोयला मंत्री मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ भी बैठक कर सकते हैं। इस दौरान वे मुख्यमंत्री से कोयला कर्मियों की समस्याओं, बकाया राशि समेत कई अन्य मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं।

हर साल बढ़ायेंगे मनरेगा मजदूरों का मानदेय अफसर तैयार करें योजना का प्रारूप : दीपिका पांडेय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मनरेगा के तहत वर्षवार मजदूरी दर में वृद्धि करने हेतु आवश्यक योजना का गठन किया जाएगा। इसको लेकर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की अध्यक्षता में एफएफपी भवन के प्रथम तल स्थित सभागार में सम्पन्न समीक्षात्मक बैठक की। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मनरेगा योजना के तहत विगत वित्तीय वर्ष 2023-24 में किए गए रोजगार सृजन एवं योजनाओं की पूर्णता के समरूप वर्तमान वित्तीय वर्ष में भी लक्ष्य प्राप्त करने का कार्य करें। मनरेगा योजना से मिट्टी- मोरम पथ की स्वीकृति प्रदान किए जाने हेतु सुस्पष्ट दिशा-निर्देश विभाग स्तर से निर्गत किया जाए ताकि सभी गांवों,कस्बों और टोलों को आवागमन हेतु सुविधा प्रदान की जा सके। बिरसा हरित ग्राम योजना अन्तर्गत पौधों के चयन के संबंध में एक मार्गदर्शिका निर्गत हो। मनरेगा के तहत कार्यान्वित योजनाओं में नियमानुसार पेयजल की व्यवस्था और औषधि की व्यवस्था किया जाना है। एतद् संबंधी व्यवस्था सभी योजना स्थल पर हो, इसके लिए नियमित रूप से निगरानी एवं अनुश्रवण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। वर्तमान सरकार के द्वारा मनरेगा श्रमिकों के लिए न्युनतम मजदूरी दर 350 रुपए निर्धारित किया जाना है, जिसके लिए वर्षवार मजदूरी दर में वृद्धि करने हेतु आवश्यक योजना का गठन करने का निर्देश मंत्री ने दिया है। वीर शहीद पोटो हो खेल मैदान के तहत समतलीकरण कार्य मनरेगा योजना से सम्पादित किया गया है परन्तु इन सभी मैदानों में शौचालय एवं चेंजिंग रूम की व्यवस्था अब तक नहीं हो पाई है। अतएव, शौचालय एवं चेंजिंग रूम का निर्माण हेतु एक मैपिंग करा लिया जाए। मनरेगा योजना में सामग्री मद की राशि संबंधित वेंडर्स के बैंक खातों में हस्तांतरित किया जा रहा है परन्तु, क्षेत्रीय स्तर पर वेंडर्स के विरूद्ध कई प्रकार की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। अतएव, सामग्री मद की राशि सीधे लाभुक के खातों में हस्तांतरित करने के लिए एक रडढ तैयार कराया जाए। मंत्री ने कहा दीदी बगिया की संख्या में वृद्धि की जाए एवं राज्य स्तर पर एक बड़ा नर्सरी की स्थापना हेतु योजना गठित की जाए। मंत्री ने मनरेगा योजना में स्वीकृत पदों के विरुद्ध रिक्त पदों पर नियुक्ति की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण कर जनवरी माह में नियुक्ति पत्र वितरित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण वाटिका की सुविधा उपलब्ध कराने का भी आदेश दिया है।

आवास निर्माण के लिए राशि विमुक्त करें

मंत्री ने अबुआ आवास योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि अबुआ आवास योजना के लाभुकों को तृतीय किस्त की राशि विमुक्त करने में सात दिनों से अधिक विलम्ब करने वाले संबंधित पदाधिकारियों और कर्मियों से स्पष्टीकरण पूछा जाएगा। उन्होंने निमार्णाधीन आवासों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का निर्देश दिया है। दीपिका पांडेय सिंह ने जनजातीय एवं अनुसूचित जाति से संबंधित क्षेत्रवार आंकड़ा तैयार कर उपलब्ध कराने, आवास योजनाओं के प्रभावी रूप से कार्यान्वयन हेतु निश्चित अंतराल में समीक्षा करने एवं वरीय पदाधिकारियों के द्वारा क्षेत्र स्तर पर निरीक्षण करने की बात कही।

राज्य एवं जिला स्तर पर स्किल डेवलपमेंट सेंटर के गठन पर जोर

मंत्री ने कहा राज्य में स्वयं सहायता समूहों की संख्या में वृद्धि की आवश्यकता है, जिसके लिए एक विशेष अभियान चलाकर सभी गांवों में योग्य महिलाओं का स्वयं सहायता समूह गठित करने की कार्यवाही इसी वित्तीय वर्ष में सुनिश्चित की जाए। मंईयां योजना से अच्छादित लाभुकों की सूची प्राप्त कर तदनुरूप एसएचजी के गठन को गति देने का आदेश मंत्री ने दिया है। विश्व बैंक सम्पोषित जोहार योजना के लिए ससमय प्रस्ताव समर्पित नहीं किये जाने कारण मंत्री द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई एवं इस संदर्भ में अविलम्ब कार्यवाही करने का आदेश उन्होंने दिया है।

स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हुई महिलाओं को नियुक्ति प्रक्रिया में विशेष प्रोत्साहन देने की बात उन्होंने कही है। उन्होंने नाबार्ड से दीदी बाड़ी का निर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार करने एवं जेएसएलपीएस के लिए स्वीकृत कार्यबल के विरूद्ध रिक्त पदों की समीक्षा करते हुए शीघ्र नियुक्ति के निमित एजेंसी के पैनलीकरण संबंधी कार्यवाही पूर्ण करने को कहा है। राज्य एवं जिला स्तर पर स्किल डेवलेपमेंट सेंटर का गठन करने को लेकर कार्य योजना तैयार करने की बात भी उन्होंने कही।

जलछाजन और सौर ऊर्जा को लेकर निर्देश

दीपिका पांडेय ने राज्य के लिए जलछाजन की आवश्यकता पर बल देते हुए योजना के क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त करने हेतु आगामी माह में योजना का निरीक्षण करने की बात कही। उन्होंने सौर ऊर्जा संचालित सिंचाई संयत्रों की सुविधा अधिकतम किसानों को उपलब्ध कराने के निमित्त आवश्यक कार्यवाही करने और रिक्त पदों पर अविलम्ब नियुक्ति हेतु प्रक्रिया पूर्ण करने की बात उन्होंने कही।

रैयतों और आउटसोर्सिंग समर्थकों के बीच हिंसक झड़प, बाघमारा एसडीपीओ जख्मी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद में एक बार फिर जमकर बमबाजी और गोलियां चली है। इस बार मधुबन थाना क्षेत्र स्थित आउटसोर्सिंग कंपनी हिलटॉप का परिसर इसका गवाह बना। यहां गुरुवार को स्थानीय रैयतों और कंपनी समर्थक के बीच हिंसक झड़प हुई है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि बीते बुधवार को मधुबन थाना क्षेत्र के बीसीसीएल गोविंदपुर एरिया 3 अंतर्गत हिलटॉप नामक आउटसोर्सिंग कंपनी प्रबंधक को गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी के जरिये बिना रैयतों की मांग पूरी किये काम नही शुरू करने का निर्देश दिया था। बावजूद इसके कंपनी प्रबंधन ने रैयतों की मांगों को दरकिनार करते हुए आज यहां काम शुरू कर दिया। इससे स्थिति विस्फोटक हो गई।

इसके बाद सैकड़ो की संख्या में कंपनी परिसर में घुसे रैयतों और ग्रामीणों से कंपनी समर्थक की भिड़ंत हो गई। देखते ही देखते दोनों ओर से दर्जनों राउंड गोलियां और बम चले। खूब हथियार भी चमकाए गए। सूचना है कि इस दौरान एक व्यक्ति को गोली भी लगी है, जिसे इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया है। इस घटना में कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया। कुछ पत्रकार भी चोटिल हुए है। इसके साथ ही इस घटना में बाघमारा के एसडीपीओ पुरुषोत्तम कुमार सिंह भी गंभीर रूप से घायल हो गए है, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि इस खूनी संघर्ष को रोकने पहुंची पुलिस को पीछे हटना पड़ा, इसके बाद घटना में एसडीपीओ के घायल होने के बाद धनबाद पुलिस के आलाधिकारियों के साथ भारी संख्या में मौके पर पहुंची पुलिस बल ने उपद्रवियों को मौके से खदेड़ दिया। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है।

वहीं इस मामले में रैयतों का कहना है कि कंपनी जरिये उन्हें उचित मुआवजा, पुनर्वास और रोजगार का वादा पूरा किये बिना ही यहां काम शुरू कर दिया गया। इससे रैयत भड़क उठे और स्थिति देखते ही देखते खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। प्रशसन ने दोनों पक्षों को शांति बनाए रखने की अपील की है। वहीं दूसरी ओर इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

एक नजर

समाजसेवी बटेश्वर ने बोधीबागी में ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की

हजारीबाग : समाजसेवी बटेश्वर प्रसाद मेहता ने इचाक प्रखंड के बोधीबागी मैदान के समीप स्थित कारगिल शहीद रघुवीर प्रसाद मेहता के आदम कद प्रतिमा के समीप 100 के वी ए का ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है। इस बाबत उन्होंने विद्युत अधीक्षण अभियंता हजारीबाग को आवेदन देते हुए कहा कि आगामी 26 जनवरी को बोधीबागी मैदान में ग्रामीणों के द्वारा शहीद मेला का आयोजन किया जाएगा। उक्त स्थल के पास पास दर्जनों दुकान लगाए जाएंगे आगे उन्होंने कहा कि मेले में आने जाने वाले व स्थानीय लोगों को विद्युत आपूर्ति के कारण किसी प्रकार की असुविधा ना हो जिसके लिए उक्त स्थल पर टांसफार्मर लगाते हुए इचाक फीडर से जोड़ा जाय।

लोकहित अधिकार पार्टी के जिला संयोजक बने रणधीर कुमार साहू

बड़कागांव : प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू के निदेर्शानुसार प्रदेश के प्रधान महासचिव कुंज बिहारी साव ने रणधीर कुमार साहू को लोकहित अधिकार पार्टी हजारीबाग का जिला संयोजक बनाया गया है। प्रधान महासचिव कुंज बिहारी साव ने बताया कि रणधीर कुमार साहू हजारीबाग सदर के ओरिया ग्राम निवासी हैं और प्रारंभ से ही लोकहित अधिकार पार्टी के लिए एक निष्ठावान कार्यकर्ता रुप में कार्य करते रहे हैं, पार्टी के प्रति इनकी सक्रियता और निष्ठा को ध्यान में रखकर इन्हें महत्वपूर्ण दायित्व दिया जा रहा है। जिला संयोजक रणधीर कुमार साहू ने कहा कि बहुत जल्द जिला स्तरीय बैठक का आयोजन कर प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू समक्ष जिला कार्यसमिति का विस्तार करुंगा।

सीओ व थाना प्रभारी की बालू तस्करों के खिलाफ कार्रवाई

चौपारण : झारखंड-बिहार की सीमा से सटे चौपारण प्रखंड के चोरदाहा में गुरुवार को प्रशासन ने अवैध बालू तस्करी के खिलाफ छापेमारी की। गुप्त सूचना पर चौपारण अंचल अधिकारी संजय कुमार यादव व थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश के संयुक्त कार्रवाई में महानेटांड़ से अवैध रूप से बालू लाते हुए छह ट्रैक्टरों को जब्त किया। बालू लदे सभी ट्रैक्टरों को चोरदाहा चेकपोस्ट पर खड़ा कर दिया गया है। सीओ संजय यादव ने बताया कि सभी छह ट्रैक्टरों के चालक भागने में सफल रहे। भविष्य में भी इस तरह की अवैध गतिविधियों पर सख्ती से अंकुश लगाया जाएगा।

विधायक ने किया भवन का उदघाटन व कंबल वितरण

चौपारण : बच्छई पंचायत भवन डुमरी में बिरसा उच्च विद्यालय डुमरी नवनिर्मित भवन, नि:शुल्क कम्प्यूटर सेंटर, कंबल वितरण व नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम में शामिल हुए बरही विधायक मनोज कुमार यादव। इस दौरान बच्छई, सिंघरावां, गोविंदपुर के भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधायक का नागरिक अभिनंदन किया। वही बच्छई पंचायत के 101 जरूरतमंदों के बीच विधायक व अन्य अतिथियों ने कंबल का वितरण किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक शंकर दयाल साव ने किया। इससे पूर्व बिरसा उच्च विद्यालय डुमरी के बच्चों ने तिलक व फूलों की वर्षा कर विधायक का कार्यक्रम स्थल तक स्वागत किया।

अस्पताल की हर व्यवस्था को दुरुस्त करना हमारी जिम्मेदारी है : विधायक प्रदीप प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सदर विधायक प्रदीप प्रसाद गुरुवार सुबह करीब 8:00 बजे शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पहुंचे। आम जनता की शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए विधायक ने अस्पताल की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और वहां की स्थिति को देखकर गहरी नाराजगी जाहिर की। अस्पताल में पिछले दो-तीन दिनों से केवल ऑनलाइन पर्ची काटने की प्रक्रिया चल रही थी, जिसके चलते मरीजों और उनके परिजनों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। खासतौर पर वे लोग, जिनके पास स्मार्टफोन नहीं है या जो ऑनलाइन प्रक्रिया से परिचित नहीं हैं, वे इस नई व्यवस्था के कारण अस्पताल में इलाज कराने में असमर्थ हो रहे थे। विधायक ने इसे गहरी चिंता का विषय बताते हुए डीसी,डीडीसी से वार्ता किया वही अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिया कि तुरंत ऑफलाइन पर्ची काटने की सुविधा बहाल की जाए। विधायक के निर्देश के बाद अस्पताल प्रशासन ने तुरंत ऑफलाइन पर्ची काटने की प्रक्रिया शुरू कर दी, जिससे वहां मौजूद मरीजों और उनके परिजनों ने राहत की सांस ली। निरीक्षण के दौरान विधायक ने अस्पताल में खड़ी एम्बुलेंस की खराब स्थिति का भी जायजा लिया। उन्होंने पाया कि कई एम्बुलेंस लंबे समय से मरम्मत के अभाव में अनुपयोगी पड़ी हुई हैं।इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाई और निर्देश दिया कि सभी एम्बुलेंस को जल्द से जल्द ठीक करवाया जाए, ताकि मरीजों को समय पर सुविधा मिल सके। विधायक ने पोस्टमार्टम प्रक्रिया में हो रही अनावश्यक देरी को भी गंभीरता से लिया। उन्होंने कहा कि इस ठंड के मौसम में मृतकों के परिजनों को और ज्यादा परेशान न किया जाए। पोस्टमार्टम कार्य को प्राथमिकता के साथ जल्द से जल्द पूरा किया जाए, ताकि परिजन अपने परिजनों के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया बिना किसी कठिनाई के कर सकें। निरीक्षण के दौरान विधायक ने अस्पताल में फैली अन्य अव्यवस्थाओं पर भी सख्त रुख अपनाया। उन्होंने अस्पताल में सही समय पर इलाज न मिलने की शिकायतों पर अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। विधायक ने स्पष्ट निर्देश दिया कि अस्पताल की हर व्यवस्था को जल्द से जल्द ठीक किया जाए और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मुहैया कराई जाएं। सरकारी अस्पताल जनता की सेवा के लिए है, यहां किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, उन्होंने अधिकारियों से कहा की यदि भविष्य में ऐसी शिकायतें दोबारा मिलती हैं, तो दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान विधायक ने मरीजों और उनके परिजनों से सीधे बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। कई मरीजों ने पर्ची कटाने में हो रही समस्याओं, डॉक्टरों की अनुपस्थिति और दवाइयों की कमी के बारे में जानकारी दी।

संक्षिप्त खबरें

विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति ने जूस पिलाकर अनशन तोड़वाया

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के मुख्यालय में एसीपी तथा एमएसीपी के भुगतान को जारी रखने की मांग को लेकर चल रहे आमरण अनशन सह धरना कार्यक्रम आज समाप्त हो गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर पवन कुमार पोद्दार अन्य वरीय अधिकारियों के साथ बृहस्पतिवार के अपराहन 3 :00 बजे धरना स्थल पर पहुंचे और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों से बातचीत की। विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रोफेसर मिथिलेश कुमार सिंह, आदर्श कॉलेज राजधनवार के प्राचार्य प्रोफेसर विमल कुमार मिश्रा तथा कुलसचिव डॉ सादिक रज्जाक विश्वविद्यालय की ओर से बातचीत में सम्मिलित हुए। विश्वविद्यालय ने मामले के निष्पादन हेतु पांच सदस्यों की एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया। समिति में प्रोफेसर मिथिलेश कुमार सिंह, प्रोफेसर विमल कुमार मिश्रा, डॉ एच एन सिन्हा, डॉ इंद्रजीत कुमार तथा डॉ सरोज सिंह को शामिल किया गया हैं। समिति को कहा गया है की अतिशीघ्र इस पूरे मामले पर समाधान के सुझाव प्रेषित करें। इसके बाद कुलपति ने दोनों अनशनकारी कर्मचारी नेता, मार्खम महाविद्यालय में कार्यरत संजीत पासवान तथा के बी महिला महाविद्यालय में कार्यरत राजेश राम, को जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया। ज्ञात हो की राजेश राम संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष है तथा संजीत राम विनोबा भावे विश्वविद्यालय इकाई के अध्यक्ष है। इस बीच सूचना है कि विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ उच्च एवं तकनीकी शिक्षा सचिव की बैठक के लिए 11 जनवरी को समय निर्धारित किया गया है।

वार्ड सदस्य लक्ष्मी देवी ने बुजुर्ग लोगों बीच किया कंबल वितरण

बड़कागांव : प्रखंड के अती सुदूरवर्ती पंचायत आंगो के अंतर्गत ग्राम उरेज वार्ड नंबर चार में वार्ड सदस्य लक्ष्मी देवी ने ठंड को देखते हुए 22 गरीब महिलाओं एवं बुजुर्गों को कंबल देकर ठंड से बचाने का काम किया। उपस्थित लोगों को वार्ड सदस्य लक्ष्मी देवी ने कहा की अभी के समय में ठंड बहुत ही ज्यादा पड़ रहा है मौसम परिवर्तन होने के कारण ठंड बढ़ गया है आप सभी लोग सुबह में घर से बाहर न निकले सूर्य निकलने के बाद ही घर से बाहर निकले, ताकि आप सभी को तबीयत खराब ना हो, इसका भी ध्यान रखें। मौके मुख्य रूप से वार्ड सदस्य लक्ष्मी देवी, प्रतिनिधि सह समाज सेवी रमन गंझू, जयनंदन गंझू, दिनेश करमाली, संजय गंझू, प्रेम गंझू, महावीर गंझू एवं गोवर्धन गंझू सहित दर्जनों महिला पुरुष शामिल थे।

23 फरवरी को केसरवानी सम्मेलन का होगा भव्य आयोजन

बरही : केसरवानी समाज के आगामी सम्मेलन की तैयारियों के लिए एक बैठक का आयोजन केसरवानी आश्रम, पटना रोड में किया गया। बैठक की अध्यक्षता बलराम केसरी ने की। इसमें निर्णय लिया गया कि 23 फरवरी 2025 को आयोजित होने वाला केसरवानी सम्मेलन पूरी भव्यता के साथ मनाया जाएगा। इसके अलावा, सम्मेलन से पूर्व समाज के पदाधिकारियों के चुनाव 18 जनवरी 2025 को कराने का भी निर्णय लिया गया। बलराम केसरी (नगर अध्यक्ष), महेंद्र केसरी (महामंत्री), और काशी केसरी (कोषाध्यक्ष) ने आयोजन की योजना पर विस्तार से चर्चा की। राजेश केसरी उर्फ मेवालाल को मीडिया प्रभारी एवं प्रशासनिक सहयोगी के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में बड़ी संख्या में समाज के प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें भगवान केसरी, डॉ. कृष्ण केसरी, परमेश्वर केसरी, जगदीश साहू, रत्नेश्वर मास्टर, राजेश केसरी (पंचायत अध्यक्ष गया रोड), उमेश केसरी (पंचायत अध्यक्ष बरहीडीह), संतोष केसरी (पंचायत अध्यक्ष कोनरा), लखन केसरी (हजारीबाग रोड पंचायत अध्यक्ष), और अन्य गणमान्य शामिल थे।मुख्य अतिथि के रूप में भगवान केसरी (पूर्व प्रदेश महामंत्री, झारखंड), महेंद्र केसरी (पूर्व संगठन मंत्री), जगन्नाथ प्रसाद केसरी, बाल गोविंद केसरी, ओमप्रकाश केसरी, महादेव प्रसाद केसरी, गणेश प्रसाद केसरी, संतोष केसरी शामिल हुए। बैठक के दौरान सभी ने सर्वसम्मति से सम्मेलन को सफल बनाने की प्रतिबद्धता जताई और समाज की एकता और उन्नति के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। सम्मेलन में समाज के प्रमुख विषयों पर चर्चा के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम और सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे। पदाधिकारियों के चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा। केसरवानी समाज के इस आयोजन से क्षेत्र में समाजिक एकता और जागरूकता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

गुरदयाल महतो की जयंती मनाई गई

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड में संचालित बालिका उच्च विद्यालय सह जीडीएम इंटर महिला महाविद्यालय में वार्षिक वर्षगांठ एवं विकास पुरुष स्वर्गीय गुरदयाल महतो की जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। सबसे पहले विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई तथा जीडीएम चौक में स्वर्गीय गुरदयाल महतो के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के सभा भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुरूआत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता एवं संचालन बालिका उच्च विद्यालय सह जीडीएम इंटर महिला महाविद्यालय के प्रधानाध्यापक राम लखन महतो ने किया। पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि बड़कागांव में शिक्षा का अलख जगाने का काम स्वर्गीय गुरदयाल महत्व ने जो किया आज उसका सपना पूरा हुआ। वहीं पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने कहा कि यहां की पढ़ाई लिखाई से बेटियां पढ़कर काफी ऊंचाइयों तक जा रही है इसलिए अपनी बेटियों को पढ़ने के लिए इस विद्यालय में नामांकन जरूर कराएं। इस प्रकार सभी महानुभवी लोगों ने स्वर्गीय गुरदयाल महतो की जयंती पर अपना-अपना विचार दिए।

भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने पूर्व सीएम रघुवर दास का किया स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के रांची धूर्वा स्थित आवास पर दिन गुरूवार को भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने शिष्टाचार मुलाकात की। भाजपा के सक्रिय राजनीतिक में वापसी करने पर शॉल ओढाकर सहृदय स्वागत व अभिनंदन किया। इस दौरान भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने अपने क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं को उनके बीच रखी एवं संगठनात्मक गतिविधियों में उनसे मार्गदर्शन प्राप्त किया। झारखंड में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के सक्रिय राजनीतिक में आने से नई बुलंदियों को छुएगा और संगठनात्मक मजबूती स्थापित होने की मंगल कामना की। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के आवास पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने केंद्रीय बाल एवं महिला विकास मंत्री सह कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी से शिष्टाचार मुलाकात की। संगठात्मक गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा किया एवं संगठनात्मक कार्यों पर भी बातचीत की। मौके पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को शॉल ओढाकर सहृदय स्वागत एवं अभिनंदन कर कहा कि झारखंड के सक्रिय राजनीति में आने से भाजपा परिवार में खुशी की लहर है। आपके वापसी से हमें बेहद खुशी है। कहा कि आपके मार्गदर्शन में भाजपा परिवार झारखंड में नया आयाम स्थापित करेगा और मजबूती के साथ विपक्ष की भुमिका सक्रियता से निर्वहन करेंगे।

हजारीबाग उपायुक्त ने की सीएसआर समिति की बैठक, दिये निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त नैंसी सहाय के निर्देश पर उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद की अध्यक्षता में उपायुक्त सभाकक्ष में सीएसआर समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीडीसी इश्तियाक अहमद और डीपीओ पंकज तिवारी ने संयुक्त रूप से सीएसआर मद से क्रियान्वित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित कम्पनियों को उनके द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति तथा उनके द्वारा किए जा रहें कार्यों की सूची उपलब्ध करवाने का निर्देश दिया। बैठक में सीसीएल, अडानी इंटरप्राइजेज, एनटीपीसी, एनएमडीसी, जेडब्लूएस, ओएनजीसी, प्रभा एनर्जी के पदाधिकारियों ने डीडीसी को जनहित में अपने स्तर से किये जा रहे विकास कार्यो से अवगत कराया। उनके द्वारा बच्चों को सोलर लाइट सिस्टम, आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण, स्ट्रीट लाइट,आंगनबाड़ी केंद्रों में बर्तन, डीप बोरिंग व कई सीएसआर एक्टिविटी कराई जा रही है। बैठक में डीडीसी ने सीसीएल कंपनी के पदाधिकारी को 14 माइल के पास हाई मास्क लाइट यथाशीघ्र लगवाने के निर्देश दिया। बैठक में अरगड़ा कंपनी के पदाधिकारी ने डीडीसी को बताया कि 3 सोलर पैनल और डीपबोरिंग करने का लोकेशन फाइनल कर ली गई है, कुछ दिनों में काम शुरू कर दी जाएगी। बाउंड्री वॉल और शौचालय का कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने बताया की सिलाई मशीन का टेंडर हो गया है, कुछ दिनों में महिलाओं के बीच सिलाई मशीन का वितरण कर दिया जाएगा। बैठक में डीडीसी को बताया गया कि पोटंग पंचायत में पीसीसी पथ का टेंडर हो गया है, कुछ दिनों में निर्माण कार्य शुरू कर दी जाएगी। डीडीसी ने उनके द्वारा क्रियान्वित कार्यो का जियो टैग करते हुए फोटो उपलब्ध करवाने का निदेश दिया। केरेडारी कोल माइंस के पदाधिकारी ने डीडीसी को बताया कि उनके द्वारा स्कूली बच्चों के बीच स्कूली बैग, बैंच, लाइब्रेरी डेवलेपमेंट का कार्य किया जा रहा है।

घूसखोरी पर लगाएं लगाम, जनता से मित्रवत व्यवहार करें अधिकारी : मनोज यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने गुरुवार को बरही प्रखंड कार्यालय सभागार में प्रशासनिक पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बीडीओ जयपाल महतो व सीओ अमित किस्कू ने गुलदस्ता भेंटकर विधायक का स्वागत किया। इसके बाद विधायक द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। विधायक यादव ने प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो और अंचल अधिकारी अमित किस्कू को अपने कर्मचारियों की कार्यशैली में सुधार लाने का निर्देश दिया। विधायक ने कहा कि जनहित कार्य के लिए आम जनता को परेशान नहीं किया जाए। विशेष रूप से पेयजल एवं स्वस्छ्ता विभाग के जेई, बिजली विभाग के जेई एवं सप्ताह में एक दिन प्रखंड कार्यालय में बैठने का निर्देश दिया। विधायक ने कहा कि राशन कार्डधारियों को समय पर राशन दें। मनरेगा बीपीओ को योजनाओं का स्थल निरीक्षण व वेंडर से अवैध वसूली पर फटकार लगाई। इस मौके पर चिकित्सा प्रभारी डॉ प्रकाश ज्ञानी, जीप उपाध्यक्ष किसुन यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, जीप सदस्या प्रीती गुप्ता, मुखिया संघ अध्यक्ष विजय यादव, मुखिया शमशेर आलम बरही पश्चिमी, मोतीलाल चौधरी बरसोत, सरिता देवी केदारुत, नीलम देवी पंचमाधव, कुमारी मीरा गौरियाकरमा, मूर्ति देवी रानीचुवां, बीसीओ संजय यादव, बिजली जेई अभिषेक आनंद, सुरेंद्र रजक सहित सभी विभाग के पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

वन विभाग ने 10 अवैध कोयला खदानों का किया डोजरिंग, एक मोटर जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हजारीबाग डीएफओ के निदेर्शानुसार हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल के सहायक संरक्षक अविनाश कुमार परमार के नेतृत्व में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई बड़कागांव वनक्षेत्र अंतर्गत इंदिरा, असनाटांड, रूद्दी में 10 अवैध कोयला खदानों को डोजरिंग किया गया। तथा 15 एचपी के मोटर जप्त करके वन कार्यालय लाया और अवैध कोयला खदान मालिकों के विरुद्ध मामला दर्ज करने की प्रक्रिया जारी था। वहीं वन विभाग की कार्रवाई से अवैध कोयला माफिया तथा अवैध कोयला खदान संचालकों में हड़कंप मची हुई है। हजारीबाग पश्चिमी सहायक वन संरक्षक अविनाश कुमार परमार ने कहा कि अवैध कोयला खदान संचालकों के विरुद्ध निरंतर करवाई जारी है और आगे भी जारी रहेगा। मौके पर मुख्य रूप से एसीएफ अविनाश कुमार परमार, खनन विभाग के माइनिंग इंस्पेक्टर अजीत कुमार चौधरी, बड़कागांव रेंजर कमलेश कुमार सिंह, बड़कागांव पुलिस के पदाधिकारी व पुलिस जवान के सशस्त्र दल के अलावे बड़कागांव, चौपारण, बरही तथा सदर वन पदाधिकारी, वनरक्षी के अलावे समस्त वनकर्मी शामिल थें।

इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, फेसबुक पर दोस्त और फॉलोवर बढ़ाने में सबसे अधिक सावधानी बरतने की है आवश्यकता : जगलाल मुंडा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : साइबर जागरुकता अभियान के तीसरे दिन साइबर पाठशाला 1914 में स्थापित हिंदू उच्च विद्यालय में लगी। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत और साइबर सेल की मदद से आयोजित इस कार्यशाला में साइबर इंस्पेक्टर सह विशेषज्ञ जंगलाल मुंडा, दारोगा सुजीत और दीपक कुमार का व्याख्यान हुआ। ग्राहक पंचायत के जिलाध्यक्ष गौरव सहाय ने विषय प्रवेश कराया और ग्राहक पंचायत के साथ साथ साइबर जागरुकता अभियान की जानकारी दी। संबोधित करते हुए साइबर थाना के इंस्पेक्टर जगलाल मुंडा ने बताया कि इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, फेसबुक, पर दोस्त और फॉलोवर बढ़ाने में सबसे अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। यह आपको जेल की हवा खिला सकता है, आपका एकाउंट खाली कर सकता है। जानकारी दी कि डिजिटल अरेस्टिंग जैसा को कानून नहीं है । छात्रों से आसपास के पड़ोसियों को जागरुक करने की पहल करते हुए कहा कि दुकान या अन्य स्थानों पर कभी भी बाहर में क्यूआर कोड नहीं लगाना चाहिए। ठग क्यूआर कोड पर अपना क्यू आर कोड चिपकाकर धोखाधड़ी कर सकते है। हजारीबाग में गठित दो घटनाएं और बनायी गई एक शार्ट फिल्म की चर्चा कर होने वाले नुकसान और इसके बचाव के उपाय बताए। कहा कि इंस्ट्राग्राम, एक्स हैंडल , टेलीग्राम, समाचार के आदान प्रदान के लिए बनाया गया है परंतु साइबर ठग आपको मुसीबत में डालने के लिए इसका भी दुरुपयोग कर रहे है। ऑन लाइन गेमिंग के दौरान मिलने वाले लुभावने आंफर के बारे में बताया। गोपनीय दस्तावेज एटीएम, अकाउंट, आधार, पेन नंबर, एटीएम सी यू बी नंबर आदि को भी साझा नहीं करने की अपील की। बताया कि अनजाने लिंक, फाईव जेनरेशन के मोबाइल में स्क्रिन शेयर के भी ऑप्सन आया है। ठग आपको स्क्रिन शेयर करा सकते है, एनीडेस्क एप्प की मदद से आपके फोन का एक्सेस ले सकते है। दारोगा सुजीत कुमार व दीपक कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए गुरुवार को प्रकाशित अखबारों में साइबर ठगी के बारे में जानकारी दी। बताया कि एक पूर्व वैज्ञानिक, पटना के एक डाक्टर से 52 लाख की ठगी की जानकारी दी। कहा कि पढ़े लिखे लोग आसानी से साइबर ठगी का शिकार हो रहे है। ऑनलाइन वीडियो कॉल करके डिजिटल अरेस्टिंग कर ठगी की जा रही है। ए आई तकनीक का उपयोग कर आवाज का क्लोन बनाया जा रहा है। गुगल में फर्जी हेल्पलाईन नंबर जोड़ कर ठग शिकार कर रहे है। किसान निधि, पीएम निधि, संस्थागत प्रसव, आंगनबाड़ी, पैक्स में धान जमा करने पर पैसा और शिक्षकों को उनके व्यक्तिगत जानकारी उपलब्ध कराकर ठग इस दिशा में शिकार तलाश रहे है।

एक नजर

मुख्यमंत्री ने डोंबारी बुरु गोलीकांड में शहीद हुए वीरों को किया याद

रांची : डोंबारी बुरु गोलीकांड में शहीद हुए असंख्य वीरों को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर कहा कि देश की आजादी और हक-अधिकार की लड़ाई में झारखंड के असंख्य वीर पुरुखों ने अपना बलिदान दिया है। लेकिन इतिहास के पन्नों में इन बलिदानों को कहीं भुला दिया गया। हमें साथ मिलकर अपने वीर पुरुखों के महा बलिदानों को उचित स्थान दिलाना होगा। डोंबारी बुरु गोलीकांड की घटना ऐसी ही एक विभत्स घटना है, जहां झारखंडी अस्मिता, हक-अधिकार और जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए अंग्रजों से लोहा लेते हुए हमारे असंख्य वीर पुरुखों ने बलिदान दिया था। हमारे वीर पुरुखों के बलिदान को कभी भूलने नहीं दिया जाएगा।

रघुवर दास आज प्रदेश कार्यालय में ग्रहण करेंगे भाजपा की सदस्यता

रांची: पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास 10 जनवरी को 12.15 बजे पूर्वाह्न प्रदेश कार्यालय में भाजपा की विधिवत सदस्यता ग्रहण करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी,कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय,क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सदस्यता प्रभारी राकेश प्रसाद सहित प्रदेश पदाधिकारी गण के अलावा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

निशिकांत दुबे के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर दो सप्ताह की रोक

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ अगले दो सप्ताह तक पीड़क कार्रवाई पर रोक लगाने का आदेश दिया है। यह फैसला गुरुवार को न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी की अदालत में सुनवाई के दौरान आया। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय देने का आग्रह किया गया, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। यह मामला देवघर स्थित परित्राण मेडिकल ट्रस्ट की सम्पति बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट द्वारा खरीदे जाने से जुड़ा हुआ है। शिकायतकर्ता शिवदत्त शर्मा ने सांसद निशिकांत दुबे पर जालसाजी का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस प्राथमिकी को रद्द कराने के लिए निशिकांत दुबे ने हाईकोर्ट का रुख किया। उनकी ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव, पार्थ जालान और शिवानी जालूका ने अदालत में पक्ष रखा। गौरतलब है कि इससे पहले, 9 दिसंबर को हुई सुनवाई में अदालत ने 9 जनवरी तक सांसद के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक का आदेश दिया था।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, वरीष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता/चक्रधरपुर द्वारा नीचे वर्णित निविदा सं. के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है जिसके खुलने की नियत तिथि 30.01.2025 को 15.00 बजे है। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं ऐसा कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। क्रम सं., निविदा सूचना सं. एवं कार्य का विवरण निम्नानुसार है: 1. एसटी-सीकेपी-ओटी-24-25-111, इंजीनियरिंग मशीन ब्लॉक कार्य से संबंधित सिगनलिंग एवं टेलीकम्युनिकेशन (संकेत एवं दूरसंचार) कार्य का प्रावधान। निविदा लागत: रु.33,18,396/-, बयाना राशि: रु. 66,400/-. 2. एसटी-सीकेपी-ओटी-24-25-112, बड़ाजामदा में सुविधा वापस लेने के लिए एस एंड टी कार्य, अप मेन सह डाउन लूप को केवल अप मेन के रूप में परिवर्तित किया जाएगा और इसके विपरीत लाइन नं.-1 को कॉमन लूप लाइन में परिवर्तित किया जाएगा। निविदा लागत: रु.62,43,008.89, बयाना राशि: रु. 1,24,900/- 3. एसटी-सीकेपी-ओटी-24-25-113, एडीएसटीई/झारसुगुड़ा के लिए 1 नॉन-एसी वाणिज्यिक पंजीकृत वाहन अर्थात एसयूवी या समरूप की व्यवस्था। निविदा लागत: रु.13,41,284.88, बयाना राशि: रु. 26,800/-, कार्य समापन: क्रम सं. 1 एवं 2 प्रत्येक हेतु 06 माह और क्रम सं. 3 हेतु 24 माह। निविदा का विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदाकार/बोलीदाता के पास क्लास-III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट रहना चाहिए एवं आईआरईपीएस पोर्टल के अधीन जरूर पंजीकृत रहें। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-निविदा प्रणाली में भाग ले सकते हैं। ई-निविदा प्रपत्र निःशुल्क जारी किया जाएगा। (PR-1000)

गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक

कमेटी तय करेगी गणतंत्र दिवस समारोह की झांकी : मुख्य सचिव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2025 की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गुरुवार को बैठक हुई। बैठक में मुख्य सचिव अलका तिवारी ने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह की झांकी में झारखंड का चरित्र और चेहरा झलकना चाहिए। उन्होंने झांकी में मइंया सम्मान योजना और सड़क सुरक्षा को भी जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि झांकियों के चयन के लिए एक कमिटी भी होनी चाहिए, जो उसके थीम और प्रजेंटेशन को फाइनल करे। बैठक में ही तीन सदस्यीय कमिटी का गठन भी किया गया, जिसमें कृषि सचिव अबू बक्कर सिद्दिकी, पर्यटन सचिव मनोज कुमार और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक राजीव लोचन बख्शी को

शामिल किया गया। बैठक में तय हुआ कि समारोह में कुल 12 से 13 विभागों की झांकियों का प्रदर्शन कमिटी के अनुमोदन के बाद किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने उपायुक्त दुमका और रांची को निर्देशित किया कि वे गणतंत्र दिवस समारोह के लिए आमंत्रण पत्र की छपाई और वितरण ससमय सुनिश्चित करेंगे। वहीं रांची और दुमका में स्थापित महत्वपूर्ण प्रतिमा स्थलों की सफाई और प्रतिमाओं पर माल्यार्पण की व्यवस्था, मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को समारोह स्थल तक लाने की व्यवस्था, मुख्य समारोह स्थल पर पंडाल, बैरिकेडिंग एवं बैठने की व्यवस्था, समारोह स्थल पर ध्वनि विस्तारक यंत्र की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय एवं स्वच्छता इत्यादि की व्यवस्था, समारोह स्थल तक जाने वाले मुख्य मार्गों पर यातायात और पार्किंग की व्यवस्था, मुख्य समारोह स्थल पर चिकित्सा की व्यवस्था, अग्निशमन की व्यवस्था, पुरस्कार- सम्मान पत्र का वितरण, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य जिला मुख्यालयों पर गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन को लेकर बैठक में विस्तृत चर्चा हुई और निर्णय लिए गये।

मुख्य सचिव ने मोरहाबादी मैदान के पास लगे एलइडी स्क्रीन की क्वालिटी सुधारने का निर्देश दिया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक के प्रस्ताव पर झांकी में झारखंड के वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनी को अनुमोदित किया गया। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने झांकी में साइबर सुरक्षा को भी शामिल करने का सुझाव दिया। वहीं तय हुआ कि गणतंत्र दिवस परेड में सेना, सीआइएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी, जैप, जिला बल, एनडीआरएफ, फायर बिग्रेड के प्लाटून के साथ सेना, सीआरपीएफ और जैप के बैंड भाग लेंगे। इसका रिहर्सल 18 जनवरी से 24 जनवरी के बीच सुनिश्चित कर लेने का निर्देश दिया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी को लेकर मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में गृह सचिव वंदना दादेल, डीजीपी अनुराग गुप्ता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रधान सचिव मस्तराम मीणा, कृषि सचिव अबू बक्कर सिद्दिकी, पर्यटन सचिव मनोज कुमार, परिवहन सचिव कृपानंद झा, ग्रामीण विकास सचिव के श्रीनिवासन, दक्षिणी छोटानागपुर के आयुक्त अंजनी मिश्रा, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक राजीव लोचन बख्शी, आइजी अभियान एबी होमकर समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

15 से 25 जनवरी तक चलेगा भाजपा का संविधान गौरव अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को संविधान गौरव अभियान के तहत हुई बैठक में बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के चरित्र, उनके संघर्ष का व्याख्यान किया। साथ ही वक्ताओं ने कांग्रेस के उन पहलुओं की भी चर्चा हुई जिसमें संविधान के गलत उपयोग, बाबा साहब के साथ अपमान किया गया था। वक्ताओं ने संविधान गौरव अभियान की आज की जरूरत बताई क्योंकि आम जनता के बीच विरोधी पार्टियों कई भ्रांतियां फैला रही हैं। इस बैठक में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र नाथ त्रिपाठी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, संयोजक अमर कुमार बाउरी, सह संयोजक सहित जिले के संयोजक और सह संयोजक ने भाग लिया।

बैठक के बाद पत्रकारों से वार्ता करते हुए संविधान गौरव अभियान के संयोजक एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि भारत देश के संविधान की गौरवशाली 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 11 जनवरी से 25 जनवरी तक व्यापक स्तर पर संविधान गौरव अभियान की शुरूआत देश भर में की जायेगी। वर्तमान में झारखंड में सदस्यता अभियान चल रहा है इसलिए झारखंड में 15 से 25 जनवरी तक इस अभियान को चलाया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से भारत के संविधान की खूबसूरती, उसकी ताकत, बाबा साहब के देश के प्रति सोच, संदेशों को और साथ ही कांग्रेस के जरिये बाबा साहब के साथ किए गए अपमानों को और भाजपा के जरिये बाबा साहब को दिए सम्मान को आम जनता तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा।

माइनिंग घोटाला : सुनील सिंह ने किया सरेंडर, सशर्त जमानत मंजूर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : माइनिंग घोटाले के आरोपित सुनील सिंह ने गुरुवार को सीबीआई की विशेष अदालत में न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट में सरेंडर किया। अदालत ने 50-50 हजार रुपये के दो निजी मुचलके और पासपोर्ट जमा करने की शर्त पर उन्हें सशर्त जमानत दे दी।

सुनील सिंह के खिलाफ जब केस हुआ था, तब वह उषा मार्टिन में कार्यरत थे। लेकिन फिलहाल वह जेएसडब्ल्यू में जीएम के पद पर कार्यरत हैं। उन पर वर्ष 2005 में उषा मार्टिन को माइंस आवंटन में भ्रष्टाचार का आरोप है।

वर्ष 2005 में उषा मार्टिन कंपनी को पश्चिमी सिंहभूम जिले के घाटकुरी में एक लौह अयस्क खदान आवंटित की गयी थी। इसमें कथित रूप से भ्रष्टाचार हुआ था। इस केस के अन्य आरोपित आईएएस अरुण कुमार सिंह और इंद्रदेव पासवान को भी कोर्ट से पिछले दिनों सरेंडर करने पर राहत मिल चुकी है। सीबीआई के मुताबिक, इस घोटाले में सुनील सिंह की भी भूमिका थी। सीबीआई की दिल्ली इकाई ने कथित आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत 2016 में 220/2016 एक प्राथमिकी दर्ज करायी थी। प्राथमिकी में उषा मार्टिन के प्रमोटरों और खनन विभाग के अधिकारियों को आरोपित बनाया गया था।

प्राथमिकी में कहा गया है कि खदान के आवंटन के लिए जो सुझाव केंद्र सरकार को भेजा गया था, उसमें राज्य सरकार के अधिकारियों ने उषा मार्टिन के पक्ष में पक्षपात किया था। कंपनी ने कथित तौर पर वादा किया था कि वह हाट गम्हरिया में स्थित अपने इस्पात संयंत्र में लौह अयस्क का उपयोग करेगी।

कंपनी ने राज्य सरकार को एक अंडरटेकिंग भी दिया था। हालांकि सीबीआई ने आरोप लगाया कि कंपनी बाद में यह कहते हुए इस बात से मुकर गयी कि कैबिनेट नोट में इसका कोई विशेष जिक्र नहीं था।

अल्बर्ट एक्का चौक में होगा टुसू महापर्व महोत्सव महुआ माजी और जयराम महतो होंगे शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : 11 जनवरी को रांची के अल्बर्ट एक्का चौक में राजधानी टुसू महापर्व समारोह का आयोजन होगा। इसमें महुआ माजी, जयराम महतो और देवेंद्रनाथ महतो सहित कई नेता शामिल होंगे। महोत्सव में पद्मश्री मधु मंसूरी, मुकुंद नायक, मजबूल खान, सावित्री कर्मकार, बबन देहाती के अलावा पूरे झारखंड के कलाकार आयेंगे। झारखंडी भाषा खतियान संस्कृति समिति रांची द्वारा इसकी तैयारी पूरी हो चुकी है। ये जानकारी संरक्षक अनंत कुमार महतो ने दी। आज तैयारी को लेकर ऑक्सीजन पार्क मोराबादी मैदान में दूसरी बार बैठक की गयी। मौके पर उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय के जनजातीय एवम क्षेत्रीय भाषा के शिक्षक, प्रोफेसर, छात्र शामिल होंगे। महापर्व में पारम्परिक रीति रिवाज अनुसार टुसू थापना, टुसू पूजन, टुसू वंदना, सामूहिक टुसू गीत, सामूहिक टुसू नृत्य, छौ नृत्य प्रस्तुत किया जायेगा। बैठक में जेएलकेएम केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्रनाथ महतो, संरक्षक अनंत महतो, सोनू, विक्की, लखन बेदिया, शिवराज सिंह, दिलेश्वर, पप्पू यादव, अयूब अली, रवि सिंह, प्रदीप कुमार के अलावा अन्य सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

पूर्व सीएम रघुवर दास अस्पताल पहुंच कड़िया मुंडा का जाना हालचाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास आज मेडिका अस्पताल पहुंचे। यहां रघुवर दास ने लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष और भाजपा के वरिष्ठ नेता कड़िया मुंडा से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। इसकी तस्वीरें साझा करते हुए ओड़िशा के पूर्व राज्यपाल ने लिखा कि कड़िया मुंडा जी से गुरुवार को मेडिका अस्पताल में मुलाकात कर उनका कुशल क्षेम जाना। बाबा बैद्यनाथ से कामना है कि वे जल्द स्वस्थ हों और जनसेवा के कार्यों में पूर्व की तरह जुटें।

वेव्स जैसे इवेंट बिजनेस मॉडल को आगे लाकर 'वैल्यू एडिशन' का काम करेंगे : आईआईएम निदेशक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पत्र सूचना कार्यालय, रांची द्वारा भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची के सहयोग से गुरुवार को साथ के सभागार में फरवरी 2025 में दिल्ली में आयोजित होने वाले 'वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट, वेव्स पर जागरूकता फैलाने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आईआईएम, रांची के निदेशक डॉ दीपक कुमार श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं श्रेयसी मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार हिंदुस्तान, फॉलो अप न्यूज पोर्टल के संस्थापक सन्नी शरद, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ विनय भारत, और आईआईएम, रांची के प्रोफेसर डॉ. गौरव मराठे अतिथि वक्ता के रूप शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरूआत सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई, उसके बाद विभाग द्वारा अंगवस्त्र और मेमेंटी से सभी अतिथियों को सम्मानित किया गया। अपने मुख्य अतिथीय संबोधन में संस्थान के निदेशक डॉ श्रीवास्तव ने कहा कि वेव्स जैसे इवेंट भारत के डिजिटल अर्थव्यवस्था में बिजनेस मॉडल को आगे लाकर इसमें 'वैल्यू एडिशन' का बड़ा काम करेगा। मैं पीआईबी रांची का धन्यवाद करता चाहूंगा क्योंकि इस आयोजन के लिए उन्होंने आई.आई.एम संस्थान को चुना। इससे पूर्व आज की कार्यशाला की रूप रेखा रखते हुए अपने विषय प्रवेश संबोधन में पीआईबी रांची के कार्यालय प्रमुख राजेश सिन्हा ने कहा कि मीडिया एंटरटेनमेंट जगत के कॉन्टेंट क्रिएटर्स को वेव्स के ग्लोबल प्लेटफॉर्म देगा, और मैं आप सभी छात्रों छात्राओं से भी क्रिएट इन इंडिया' चैलेंज में हिस्सा लेने के लिए कहूंगा। वहीं हिंदुस्तान की वरिष्ठ पत्रकार श्रेयसी मिश्रा ने कहा कि भारत का ऑनलाइन एंटरटेनमेंट स्पेस तेजी विकास के लिए तैयार है। आज यहां 80 करोड़ के ज्यादा ब्रॉडबैंड सब्सक्रिप्शन हैं, 78 करोड़ इंटरनेट यूजर हैं। 5जी के आने से और हाइपर लोकल कन्टेंट की ग्रोथ से ऑनलाइन एंटरटेनमेंट दिनों दिन बढ़ेगा। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ विनय भारत ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि हम भारतीय देश के लोकल कॉन्टेंट, कल्चर, को आगे बढ़ाए और उसे विश्व स्तर का बनाए न की खुद की हम ग्लोबलाइजेशन और वेस्टर्न संस्कृति के विकास मॉडल का शिकार हो जाए। दिल्ली में होने वाले वेव्स समिट में उम्मीद है भारतीय कॉन्टेंट को कैसे आगे ले जाए इस पर चर्चा होगी। आईआईएम रांची के प्रोफेसर डॉ गौरव मराठे ने अपने संबोधन में कहा कि हमें ध्यान देना होगा कि कैसे हम अपनी बात और अपने समाज के सभी वर्गों की सोच को आगे लाए न कि एक वर्ग के विचार पर ही सभी को चलने या वैसा ही कॉन्टेंट बनाने, देखने के लिए कहे। अतिथियों के संबोधन के बाद आईआईएम के छात्रों ने भारतीय ओटीटी प्लेटफॉर्म के परिदृश्य पर अपने प्रेजेंटेशन दिए, जिसमें दो अलग-अलग श्रेणियां में तीन श्रेष्ठ विजेताओं को सम्मानित किया गया। प्रथम श्रेणी में प्रतिका पॉल प्रथम रही, अदिति अग्रवाल द्वितीय और पीके अन्यया तीसरे स्थान पर रही। वहीं दूसरी श्रेणी में सोनमसी प्रथम, आकृति प्रिया द्वितीय और देवोलीना मित्रा तृतीय स्थान पर है।

संक्षिप्त खबरें

विश्वविद्यालय जल्द भेजें 2025 का एकेडमिक और एग्जाम कैलेंडर : राज्यपाल

रांची : राजभवन के निर्देश पर झारखंड के सभी विश्वविद्यालयों ने वर्ष 2025 का यूनिफॉर्म अवकाश कैलेंडर जारी कर दिया है। हालांकि, अब तक एकेडमिक और परीक्षा कैलेंडर तैयार नहीं किया गया है। इस पर राज्यपाल और कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने सख्त रुख अपनाते हुए सभी विश्वविद्यालयों को जल्द से जल्द एकेडमिक और एग्जाम कैलेंडर तैयार कर राजभवन भेजने का आदेश दिया है। राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी ने राज्य की 12 विश्वविद्यालयों को पत्र भेजा है। इनमें रांची विश्वविद्यालय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, झारखंड स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी, झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, झारखंड रक्षा शक्ति यूनिवर्सिटी, कोल्हान यूनिवर्सिटी, विनोबा भावे यूनिवर्सिटी, नीलांबर-पीतांबर यूनिवर्सिटी, बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी, सिद्धो-कान्हू विश्वविद्यालय और जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय शामिल हैं। राज्य के किसी भी सरकारी विश्वविद्यालय का शैक्षणिक सत्र नियमित नहीं है। यूजी और पीजी स्तर पर आधा दर्जन प्रकार की परीक्षाएं होती हैं, लेकिन उनकी समय पर व्यवस्था नहीं हो पाती। शिक्षकों का मानना है कि अगर एकेडमिक और परीक्षा कैलेंडर सख्ती से लागू किया जाए, तो सेशन को नियमित करना आसान होगा। शिक्षकों ने यह भी कहा कि सत्र नियमित नहीं होने के कारण कई छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने से वंचित रह जाते हैं। यह उनके करियर पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। राजभवन के इस कदम से उम्मीद की जा रही है कि राज्य के विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक माहौल सुधरेगा और सत्र नियमित होगा।

राष्ट्रीय जतरा महोत्सव 31 जनवरी को

रांची : राष्ट्रीय जतरा केंद्रीय समिति की ओर से राष्ट्रीय जतरा महोत्सव की तैयारी शुरू कर दी गई हैं। यह महोत्सव का उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक धरोहर, परंपराओं और जनजातीय समुदायों की अद्वितीय पहचान को प्रोत्साहन देना है। समिति की महासचिव नीलम बिरूली ने गुरुवार को बताया कि जतरा महोत्सव मोरहाबादी में 31 जनवरी को होगा। इसकी तैयारियों को लेकर एक बैठक हुई। इस बैठक में आयोजन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसका मुख्य आकर्षण विभिन्न राज्यों के पारंपरिक नृत्य, संगीत, हस्तशिल्प प्रदर्शनियां और क्षेत्रीय व्यंजन होंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शीतल तिर्की, माला कुजूर, अमित तिर्की, हरीश मुंडा, बादल मुंडा, दीपक तिर्की, विशाल मुंडा, आशीष मुंडा, दीपराज बेदिया, महावीर मुंडा, मानसिंह मुंडा, शनि मुंडा, राम मुंडा, सोनू मुंडा, हेमंत मुंडा, रमेश मुंडा सहिता अन्य जुटे हुए हैं।

नक्सलियों ने मजदूरों के साथ मारपीट कर दो वाहनों में लगाई आग

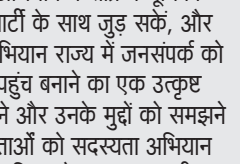

रांची : जिले के ओरमांझी थाना क्षेत्र स्थित गुंजा गांव में नक्सलियों ने क्रशर साइट में मजदूरों के साथ मारपीट कर वाहनों को आग के हवाले कर दिया। यह घटना बुधवार देर रात की है। बताया जा रहा है कि दस की संख्या में आये तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के नक्सलियों ने एनईपीएल कंपनी के मजदूरों के साथ मारपीट की। सभी के पास छोटे हथियार थे। एक हाइवा तथा एक पोकलेन मशीन में आग लगा दी। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। स्थानीय थाना प्रभारी ने बताया कि घटनास्थल से टीएसपीसी के विक्रांत जी के नाम का एक पर्चा मिला है। दो वाहनों में आग लगाई गई है। लाठी-डंडों से मजदूरों के साथ मारपीट की गई। फायरिंग की भी बात सामने आ रही है लेकिन घटनास्थल से एक भी खोखा बरामद नहीं किया गया है। पूरे मामले की गहन जांच पड़ताल की जा रही है।

सदस्यता अभियान लक्ष्य को पूरा करें भाजपा किसान मोर्चा के कार्यकर्ता : पवन साहू

रांची : भाजपा द्वारा झारखंड प्रदेश में संचालित सदस्यता अभियान के तहत गुरुवार को भाजपा किसान मोर्चा द्वारा प्रदेश स्तर पर मेंबरशिप ड्राइव डे कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसका उद्देश्य पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को लोगों तक पहुंचाना और उन्हें सदस्य बनाना है। इस अवसर पर मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू जी ने कहा कि पूरे देश में भाजपा के जरिए सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। विधानसभा चुनाव के कारण झारखंड प्रदेश में यह अभियान विलंब से शुरू हुआ है। उन्होंने कहा की सदस्यता अभियान में सभी की भागीदारी हो। सदस्यता अभियान संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने का प्रयास है। पार्टी के सभी कार्यकताओं को अभियान में सक्रिय भूमिका निभानी है, ताकि अधिक से अधिक लोग पार्टी के साथ जुड़ सकें, और संगठन को सशक्त किया जा सके। यह अभियान राज्य में जनसंपर्क को सुदृढ़ करने, और समाज के हर वर्ग तक पहुंच बनाने का एक उत्कृष्ट प्रयास है। यह अभियान आम जनों से जुड़ने और उनके मुद्दों को समझने का मौका भी है। साथ हीं मोर्चा के कार्यकताओं को सदस्यता अभियान के लक्ष्य को पूरा करने का उन्होंने निर्देशित किया है। यह जानकारी भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश मीडिया प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने दी।

झारखण्ड में वित्तीय अराजकता की स्थिति : जेपी जनता दल

रांची : झारखण्ड सरकार के मंत्रियों को समझ नहीं आ रहा कि सरकार के वायदों को पूरा करने के लिए वह कोन सा जुगाड फिट करने। अभी तक वह मइंयां योजना की राशि का जुगाड करने में बिजी हैं, बाकी दर्शन भर योजनाओं के लिए वह क्या करें। बजटीय प्रावधान की राशि खर्च नहीं हो पाई रहा वहीं राजस्व उगाही की रफ्तार भी ढीली है। ऐसे में झारखण्ड में अराजक स्थिति पैदा हो गयी है। जेपी जनता दल राज्य सरकार से श्वेत पत्र की मांग करती है। दल के संगठन मंत्री पंकज मिश्र ने कहा कि वर्ष 2024-25 के लिए एक लाख 28 हजार 900 रुपए का बजट निर्धारित किया गया। नौ माह बीत जाने के बाद योजना मद के लिए निर्धारित राशि का 52 फीसद राशि ही खर्च हो सका है। इसके उलट राजस्व संग्रह का रफ्तार भी ढीला है।अब तक 56,86 फीसदी राशि का ही संग्रह हो सका है। शेष तीन माह में 43,15 फीसद करना बाकी है। श्री मिश्र ने कहा की मइंयां योजना को चालू रखने के लिए सरकार एक दर्जन विभागों की राशि को सरेंडर करवा ली। अनुपूरक बजट का सहारा लेकर ऐसा किया गया। सरकार के एक योजना को फोकरने ओर विभागों राशि सरेंडर करने की वजह से कई विभागों में कार्य प्रभावित होने की चर्चा मीडिया में आ रहा है। राज्य सरकार तत्काल श्वेत पत्र लाना चाहिए और ताजा हालातों से अवगत कराना चाहिए। उन्होने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जनता से किए गए वायदों को यथाशीघ्र पूरा करने का आग्रह किया है।

एक नजर

कसमार के समाजसेवी भुनेश्वर सिंह का निधन

बोकारो : कसमार प्रखंड के दांतू निवासी समाजसेवी भुनेश्वर सिंह का गुरुवार को निधन हो गया। वह दांतू पंचायत की पूर्व मुखिया मंजुबाला देवी के ससुर व समाजसेवी महेंद्र सिंह के पिता थे। दोपहर में दांतू के खांजो नदी श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। भुनेश्वर सिंह तेनुघाट सिंचाई विभाग में सरकारी सेवा में कई साल तक कार्य किए। इसके बाद 2004 में ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल में प्रधान लिपिक के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्त होने के बाद से सामाजिक कार्यों में काफी सक्रिय रहे। उनके निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। अंतिम संस्कार में दांतू के पंसस नागेंद्र नायक, जीतेन्द्र सिंह, विनोद सिंह, कामदेव सिंह, दीपक सिंह, उपदेश सिंह, मोहन कुमार नायक, भुनेश्वर नायक समेत अन्य लोग शामिल हुए।

डीआईजी के आदेश पर एमवीआई ने की दुर्घटनाग्रस्त वाहनों की जांच

रामगढ़ : रामगढ़ जिले के गोला थाना क्षेत्र अंतर्गत तिरला मोड़ पर एक ट्रक और टेंपो की टक्कर में तीन स्कूली बच्चों की मौत के बाद जांच की प्रक्रिया काफी तेजी से आगे बढ़ रही है। डीआईजी संजीव कुमार के निर्देश पर गोला थाना पुलिस काफी सक्रिय है। वह जल्द से जल्द जांच की प्रक्रिया पूरी कर बच्चों की मौत के गुनहगार गुडविल मिशन स्कूल के संचालक दाउद आलम और प्राचार्य पर करवाई करना चाहते हैं। यहां तक की ट्रक ड्राइवर और मालिक पर भी कार्रवाई होगी। डीआईजी ने रामगढ़ परिवहन विभाग को इस मामले में तत्काल एमवीआई की जांच प्रक्रिया संपन्न कराने का आग्रह किया था। उनके इस आग्रह पर डीटीओ मनीषा वत्स ने एमवीआई को जांच की प्रक्रिया तत्काल पूरी करने का निर्देश दिया गया। गुरुवार को एमवीआई अधिकारी और परिवहन विभाग के अधिकारी गोला पहुंचे। उन्होंने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों की तस्वीरें ली और जांच कर पुलिस विभाग को सौंप दिया। यहां तक की ट्रक और टेंपो के दस्तावेजों की भी जांच की गई। इंश्योरेंस, पोल्यूशन, फिटनेस जैसे दस्तावेजों को खंगाल गया। एमवीआई की जांच रिपोर्ट के आधार पर पुलिस अब आगे की कार्रवाई करेगी।

NOTICE

I, **Swati Kumari** W/o **Mohan Kumar Yadav** permanent resident of Chatra Lare, P.0. Chatra, P.S. Chatra, district Chatra, Jharkhand, at present residing at Simaliya, Hehal, Ranchi, Jharkhand do hereby solemnly affirm and declare by affidavit no 4009/99 dated 07/01/2025 as follows:-

1. That **UTKARSH KUMAR** is my son, who is student of Class V 'C' Admn. No. 31767 in D.A.V. Public School, Hehal, Itki Road, Ranchi.

2. That in my son's School register Mother's name is mentioned as **Khushboo Devi**, which is wrong.

3. That his correct Mother's name is swati Kumari according to her adhar Card No. 7043 4647 6361.

4. That this affidavit is sworn for the purpose of correction his Mother's name **Swati Kumari** in place of **Khushboo Devi** in my son's School resister.

बोकारो में चौकीदारों की अवैध नियुक्ति के खिलाफ संघ ने किया विरोध प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत शाखा बोकारो जिला कमिटी द्वारा 05 सूत्री मांगों को लेकर बोकारो समाहरणालय के सामने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार पासवान ने की और इसका संचालन जिला सचिव शिवनाथ हजम ने किया । धरना प्रदर्शन में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण दयाल सिंह भाग लिए । 05 सूत्री मांग पत्र बोकारो उपायुक्त को सौंपा गया । जिन मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया उनमें झारखंड चौकीदार संवर्ग नियमावली 2015 में उल्लेखित प्रावधानों केखिलाफ में बोकारो जिला में चौकीदारों के रिक्त पदों पर की गई अवैध नियुक्ति को जनहित और राज्यहित में तत्काल रद्द करना, ए सी पी/ एम ए सी पी का लाभ देना, लगभग दस वर्षों से बकाया वर्दी भत्ता का लाभ देना, माह के प्रथम सप्ताह में वेतन भुगतान करना। बैंक ड्यूटी डाक ड्यूटी कैदी स्कॉट रोड ड्यूटी और थाना में बैठ बेगारी कराने पर रोक लगाना और चौकीदारी मैनुअल के अनुसार ड्यूटी कराना प्रमुख है। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण दयाल सिंह ने कहा कि बोकारो जिला में सेवा विमुक्त, एवजी और अनुकंपा के आधार पर चौकीदार दफादारों के रिक्त पदों पर की गई अवैध नियुक्ति तत्काल रद्द किया जाय। सिंह ने बताया कि झारखण्ड चौकीदार संवर्ग नियमावली 2015 की कंडिका 2 में प्रावधान है कि बीट से अभिप्रेत है एक चौकीदार का कार्यक्षेत्र जिसमें 100 से120 आवासीय घरों का समूह होगा । कंडिका 4 में प्रावधान है कि नियुक्ति एवं प्रोन्नति हेतु राज्य सरकार द्वारा समय समय पर निर्धारित जिला स्तरीय आरक्षण लागू होगा और कंडिका 5 में प्रावधान है कि अभ्यर्थी को संबंधित बीट का स्थायी निवासी होना अनिवार्य होगा । श्री सिंह ने बताया कि झारखंड चौकीदार संवर्ग नियमावली 2015 में उल्लेखित उक्त प्रावधानों का अनुपालन बोकारो जिला के चौकीदार पद पर नियुक्ति में नहीं हुआ है। चौकीदारों के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु निकला गया विज्ञापन से पहले या बाद में100 से 120 आवासीय घरों पर बीट सृजित नहीं किया गया है। सफल अभ्यर्थियों को जिस बीट में चौकीदार के पद पर नियुक्त किया गया है उस बीट के स्थायी निवासी नहीं हैं । एक बीट में एक ही चौकीदार नियुक्त होंगे , लेकिन एक बीट में 01 से ज्यादा 34 चौकीदारों को नियुक्त किया गया है।एक बीट के अलावे नया बीट बोकारो जिला में नहीं बना है और ना ही एक बीट से ज्यादा पद और बल झारखंड कैबिनेट से स्वीकृत है ।

बोकारो में बारहवीं के छात्रों के लिए कैरियर कॉउन्सिलिंग कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर 6 बोकारो में बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए कैरियर कौंसिल कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला में प्रोफेसर श्री संजीत कुमार ने बच्चों को कहा कि विज्ञान संकाय तथा वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के लिए बारहवीं के बाद अपना कैरियर बनाने के लिए बहुत सारी रास्ते उपलब्ध है उन्होंने विद्यार्थियों को जे ई ई एडवांस, मेंस, नीट,मेडिकल, बी बी ए,एम बी ए तथा यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन में प्रवेश परीक्षा और पाठ्यक्रम की जानकारी दी। जो विद्यार्थी इन परीक्षाओं में सफल न हो सके तो वे किसी भी प्रकार से निराश न हो बल्कि अन्य विकल्प भी है। बच्चे यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन की तैयारी कर सकते है। विद्यालय की प्राचार्या अनुराधा सिंह ने कहा कि सफलता एक दिन में नहीं मिलती है, मगर सफलता अवश्य मिलती है। किसी भी परीक्षा में असफल होने पर विद्यार्थी निराश न हो, बल्कि आज से या अभी से ही लक्ष्य को पाने के लिए दैनिक अभ्यास कार्य हेतु योजना तैयार कर ले। इस अवसर पर बी के झा,जान्हवी बनर्जी, भोलंचल स्वेन, विद्यासागर, राजेश आदि शिक्षक सहित कक्षा बारहवीं के वाणिज्य और विज्ञान विभाग के विद्यार्थी उपस्थित थे।

कर्मचारी हित में काम और संगठन को मजबूत करने के लिए हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन ईसीआरकेयू का एक बैठक धनबाद हिल कॉलोनी स्थित शाखा दो कार्यालय में संपन्न हुआ। बैठक का अध्यक्षता शाखा के अध्यक्ष एन के खवास द्वारा किया गया जबकि इस बैठक में केंद्रीय अपार महामंत्री मोहम्मद जियाउद्दीन और केंद्रीय संगठन मंत्री नेताजी सुभाष के उपस्थिति में संपन्न हुआ। जिसमें धनबाद के तीनों शाखा धनबाद शाखा एक धनबाद शाखा दो और धनबाद लाइन शाखाके पदाधिकारी ने भाग लिए इस बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और कर्मचारियों का हित में काम करना। उपस्थित दोनों केंद्रीय पदाधिकारी ने बताया कि हम लोगों को इस समय को एक अवसर के रूप में लेना है और कर्मचारियों के हितों और उनकी समस्याओं के समाधान और ज्यादा काम कर सकेंगे एवं इसके लिए ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन एवं ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के दिशा निर्देश पर समय-समय पर धरना प्रदर्शन करते रहेंगे इस बैठक कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा किया गया साथ ही साथ कर्मचारियों को यह आश्वासन भी दिया गया की जिस तरह से यूनियन पहले काम कर रहा था काम करते रहेगा इस बैठक मे कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा किया गया साथ ही साथ कर्मचारियों को यह आश्वासन भी दिया गया की जिस तरह से यूनियन पहले काम कर रहा था काम करते रहेगा। आज का इस बैठक में मोहम्मद जियाउद्दीन, नेताजी सुभाष, एन के खवास के अलावे एके दा, सुदर्शन महतो, एक के दास, भानु प्रकाश, बीबी आजाद, रंजीत कुमार, रविन्द्र रवानी, जागेश्वर यादव और शंभू नाथ राम उपस्थित थे।

धनबाद में दो अनाथ बच्चों को मिला डालसा का सहारा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : झालसा व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार वीरेंद्र कुमार तिवारी के निर्देश व अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा राकेश रोशन के आदेश पर डालसा द्वारा गठित चाइल्ड केयर यूनिट के सदस्यों द्वारा चार गरीब अनाथ बच्चों को चिन्हित किया गया जिनके पिता की मृत्यु के बाद इन बच्चों का भोजन,शिक्षा आदि भी दुर्लभ हो गया था । चाइल्ड केयर यूनिट को इसकी सूचना मिली। अवर न्यायाधीश राकेश रोशन ने फौरन कार्रवाई करते हुए एलएडीसीएस के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट नेतृत्व में टीम को फौरन कार्रवाई का निर्देश दिया निर्देश के आलोक में पीएलबी हेमराज चौहान और टिम ने बच्चों को चिन्हित कर सरकारी योजनाओं लाभ दिलाने के लिए उन्हें राशन कार्ड, आयुष्मान हेल्थ कार्ड और स्पॉन्सरशिप स्कीम से जुड़वाने का काम किया जिस कारण बच्चों सहित पूरे परिवार की आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान हो सका जिससे बच्चे अभी आगे की पढ़ाई सुचारू रूप से करना शुरू किया । बच्चों की पढ़ाई तक सरकारी योजना के तहत उन्हें 4000 प्रतिमाह। की राशि आवंटित हो गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने दोनों बच्चों को बैंक पासबुक प्रदान किया तथा वहीं ठंड से राहत प्रदान करने के लिए उन्हें कम्बल भी दिया गया .इस मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि ऐसे अनाथ बच्चों के लिए डालसा की पूरी टिम हमेशा तत्पर है। इस मौके पर व्यवहार न्यायालय के रजिस्टर आई जेड खान , डिप्टी चीफ एलएडीसीएस अजय कुमार भट्ट ,सहायक शैलेन्द्र झा, डालसा सहायक अरुण कुमार, सौरभ सरकार राजेश सिंह, हेमराज चौहान मौजूद रहे।

▶ स्पॉन्सरशिप योजना के तहत बच्चों को दिलाई पढ़ाई लिखाई की राशि

बिजली के खंभों को किनारे गड़वाने के लिए ग्रामीणों ने लिखा मंत्री को लिखा पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कसमार : प्रखंड के मधुकरपुर ग्रामीणों ने बिजली विभाग की लापरवाही से गड़े दो बिजली के खंभों को सड़क से हटावाकर किनारे गड़वाने के लिए राज्य के पेयजल, स्वच्छता एवं मद्य निषेध मंत्री योगेन्द्र प्रसाद को आवेदन दिया है। आवेदन में मधुकरपुर के ग्रामीणों ने कहा है कि ग्रामीण विद्युतीकरण के समय ही बिजली विभाग की लापरवाही से गांव के काली मंदिर के पास सड़क पर ही दो खंभे गाड़े गए थे जिसके कारण बड़े गाड़ियों का आवागमन नहीं हो पाता है। राहगीरों को भी आवागमन में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि अभी जब प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनांतर्गत सड़क का पीसीसी कार्य चल रहा है ऐसे में खंभों को किनारे करवाने का यही मौका है। बिजली विभाग खंभों को किनारे करवाने में कोई रुचि नहीं ले रहा है। मंत्री को दिए आवेदन में बैजनाथ महतो, बबलू कुमार स्वर्णकार, आदित्य स्वर्णकार, मदन स्वर्णकार, प्रफुल महतो, गोपाल कुमार प्रजापति समेत दर्जनों ग्रामीणों का हस्ताक्षर है।

कोयला चोरी के खिलाफ भाकपा माले ने खोला मोर्चा, प्रबंधन व पुलिस को दी चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : ईसीएल मुगमा क्षेत्र की कोलियरियों से कोयले की चोरी के खिलाफ भाकपा माले ने मोर्चा खोल दिया है। साथ ही ईसीएल प्रबंधन व स्थानीय पुलिस को भी चेतावनी दी है। माले नेताओं ने मैथन मोड़ स्थित पार्टी कार्यालय में गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर ईसीएल प्रबंधन व पुलिस प्रशासन से कोयले की लूट पर रोक लगाने की मांग की। माले के राज्य कमेटी सदस्य सह निरसा एरिया सचिव नागेन्द्र कुमार ने कहा कि धनबाद जिले में ईसीएल व बीसीसीएल की कोलियरियों में कोयले की लूट मची है। रोजाना छोटी-बड़ी गाड़ियों में चोरी का कोयला लोड कर अगल-बगल के भट्ठों में खपाया जा रहा है। मेढ़ा रोड जो ईसीएल की रोड है, इससे ईसीएल की बरमुड़ी व कुमारधुबी कोलियरी के अधिकारी व पुलिस प्रशासन के लोग प्रतिदिन आना-जाना करते हैं। इसके बावजूद इसी रोड से सैंकड़ों छोटी-बड़ी गाडियों से अवैध कोयला रात के अंधेरे में ले जाया जाता है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर प्रबंधन व पुलिस प्रशासन चुप्पी साधे हुए है। यह चुप्पी कोलयरियों की सेहत के लिए खतरनाक है। उन्होंने ईसीएल प्रबंधन व पुलिस अधिकारियों से कोलियरियों में अवैध माइनिंग और उत्पादन वाले कोयले की लूट पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। यह चेतावनी भी दी कि यदि इस दिशा में त्वरित पहल नहीं हुई, तो भाकपा माले खुद कार्रवाई के लिए बाध्य होगी। प्रेसवार्ता में राज्य कमेटी के सदस्य कृष्णा सिंह, श्रीकांत सिंह, जिला कमेटी के मनोरंजन मल्लिक, हरेन्द्र सिंह, जगदीश शर्मा, अखिलेश्वर झा, असीम घोष, अभय सिंह मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

पंख एक नई दिशा ने जरूरतमंदों के बीच बांटे कंबल

धनबाद : सामाजिक संस्था पंख एक नई दिशा के द्वारा जोड़ा फाटक शक्ति मंदिर के पास ठंड से ठिठुरते असहायों व जरूरतमंदो के बीच कंबल बाटा गया। संस्था की अध्यक्ष पिंकी गुप्ता, सुषमा प्रसाद,नम्रता गुप्ता,गायत्री गुप्ता , रंजना सिंह, लालिता सिंह, मनीष गुप्ता, शशि शेखर गुप्ता, सुधा गुप्ता,श्रुती गुप्ता,संगीता सिंह, रेखा देवी ने अपने हाथों से असहायो के बीच कंबल बाटा। अध्यक्ष पिंकी गुप्ता ने कहा संस्था के सभी सदस्याओं के सहयोग से कम्बल वितरण किया गया है इस सहयोग के लिए उन्होंने सभी का आभार प्रकट किया।बताई कि कम्बल वितरण अभियान ठंड तक जारी रहेगा।

आचार्य किशोर कुणाल को दी गई श्रद्धांजलि

धनबाद : श्री आदिगुरु सर्वविद्या सेवा ट्रस्ट की इकाई भारतीय एकता शेर सेना के द्वारा गुरुवार को रणधीर वर्मा चौक स्थित संकट मोचन महावीर मंदिर परिसर में महावीर मंदिर,पटना के संस्थापक आचार्य किशोर कुणाल की आत्मा की शांति के लिये 2 मिनिट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिसमे संस्था के संस्थापक अध्यक्ष रंजन गुप्ता, महेंद्र शर्मा,जगदीश साव, अमित राय,संतोष कुमार,अमोद श्रीवास्तव, अमित कुमार, रिशु सिन्हा,रविंद्र कुमार सिंह, उदय शंकर,उपेंद्र सिंह मुना प्रसाद, ऋषिकेश, अनिल सिंहा आदि उपस्थित थें।

दलित महिला के साथ हुई घटना को लेकर भीम आर्मी ने पुलिस अधीक्षक से की मुलाकात

बोकारो : भीम आर्मी के बोकारो महानगर अध्यक्ष अजय कुमार ने अपने साथियों के साथ उप विकास आयुक्त बोकारो,पुलिस अधीक्षक बोकारो, अनुमंडल पदाधिकारी चास से मिलकर उपहार स्वरूप एक भारत का संविधान का प्रस्तावना का एक प्रति भेट किय और नव वर्ष का बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही एसपी सर से चंदनकियारी में हुए दलित महिला के साथ घटना का विस्तार रूप से चर्चा हुआ, और केस देख रहे पधाधिकारी से सर ने फौरन बात कर मामले को संज्ञान में लिया और आश्वस्त किए की पीड़िता के साथ हर संभव न्याय होगा।जिले में कानून व्यवस्था को दुरुस्त करेंगे। डीडीसी सर से मौशमी कहर को लेकर चर्चा हुई ।महाशय से हमने आग्रह किया की शहर में आलव का व्यवस्था जगह जगह किया जाए। साथ ही गरीबों आशाय लोगो के बीच जिला प्रशासन के तरफ से कंबल वितरण और किया जाय और जगह जगह आलाव का व्यस्था किया जाय इस पर सभी पधाधिकारी ने सहमति जताई। महोदय ने कहा मानव संसाधन समाज के लिए एहम है प्रशासन समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए काम करेगी।बोकारो में किसी भी नागरिक को हताहत होने नहीं दिया जाएगा। मौके पर सुनील कुमार,जितेंद्र कुमार,विनय कुमार,भोलू,चंदन कुमार आदि शामिल थे।

बैशाली मैदान में श्री मद भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का हुआ आयोजन

बोकारो : बैशाली मैदान में धर्म जन जागरण समिति के द्वारा आयोजित 8 दिवसीय श्री मद भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ के त्रितीय दिवस का सुभारंभ आदरणीय विवेक सिंह ,राकेश कुमार मधु,अजीत कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कथा का सुभारंभ किया। आज के कथा में आचार्य वशिष्ठ देशमुख महाराज जी ने भक्त प्रहलाद के चरित्र और गजेन्द्र मोक्ष कथा की चर्चा की। महाराज जी ने कहा कि राजा हिरण कश्यप खुद को भगवान समझता था। प्रजा को भी वह उन्हें भगवान मानने के लिए दबाव डालता था। लेकिन हिरण कश्यप का पुत्र प्रहलाद विष्णु को ही भगवान मानता था। एक दिन हिरण कश्यप ने प्रहलाद से पूछा कि तुम्हारा भगवान विष्णु कहा रहता है। प्रहलाद ने एक खंबे की ओर इशारा करके कहा कि मेरा भगवान हर जगह है।आक्रोश में आकर हिरण कश्यप ने उस खंबे को तोड़ने का प्रयास किया। खंबे के भीतर से ही भगवान विष्णु नरसिंह अवतार में प्रकट हुए। उन्होंने हिरण कश्यप का वध किया। भगवान का सबसे सुन्दर नाम है भक्तवत्सल, जिसका अर्थ होता है- वह जो अपने भक्तों के स्नेह, प्रेम, भाव पर बहुत ही जल्दी रीझ जाए और अपना सर्वस्व निछावर कर दे। फिर चाहे बात भक्तशिरोमणि प्रह्लाद की तपस्या की हो या भील कुल में जन्मी माता शबरी का वात्सल्य प्रेम हो। फिर चाहे याद सद्ना कसाई के कपटरहित भाव को किया जाए या फिर मीरा की अनन्य भक्ति को। भगवान ने हर बार अपनी भक्तवत्सलता साबित की है और इसी कड़ी में गजेंद्र मोक्ष कथा आती है, जब भगवान अपने भक्त के बुलाने पर नंगे पांव भागे चले आए। गजेन्द्र की स्तुति सुनकर सर्वात्मा सर्वदेव रूप भगवान विष्णु प्रकट हो गए। गजेन्द्र को पीड़ित देखकर भगवान विष्णु गरुड़ पर आरूढ़ होकर अत्यंत शीघ्रता से उक्त सरोवर के तट पर पहुंचे। जब जीवन से निराश तथा पीड़ा से छटपटाते गजेन्द्र ने हाथ में चक्र लिए गरुड़ारूढ़ भगवान विष्णु को तीव्रता से अपनी ओर आते देखा तो उसने कमल का एक सुन्दर पुष्प अपनी सूंड में लेकर ऊपर उठाया और बड़े कष्ट से कहा- नारायण ! जगद्गुरो ! भगवान ! आपको नमस्कार है। गजेन्द्र को अत्यंत पीड़ित देखकर भगवान विष्णु गरुड़ की पीठ से कूद पड़े और गजेन्द्र के साथ ग्राह को भी सरोवर से बाहर खींच लाए और तुरंत अपने तीक्ष्ण चक्र से ग्राह का मुंह फाड़कर गजेन्द्र को मुक्त कर दिया।

एक नजर

विधायक अमित महतो ने लगाया जनता दरबार

अनगड़ा : खिजरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अनगडा प्रखंड अंतर्गत जोंहा में बरवादाग पंचायत में सिल्ली विधायक अमित कुमार महतो ने जनता दरबार लगाकर जनता की समस्याओं का समाधान के लिए प्रखंड पदाधिकायिों को आदेश दिया कि जो जनता की समस्या हो उसे जल्द से जल्द समाधान किया जाय।

सांसद के सौजन्य से बेड़वारी मंदिर में स्ट्रीट लाईट लगेगी

अनगड़ा : बेडवारी गांव बजरंगबली मंदिर के समीप 10 जनवरी को रांची सांसद संजय सेट के सौजन्य से स्ट्रीट लाईट लगाया जाएगा। मौके पर संजय सेट और पूर्व विधायक राम कुमार पहान ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष नरेश साहू आदि शामिल होंगे

11 निजी क्लिनिकों के साथ स्वास्थ्य विभाग ने किया एमओयू

बोकारो : उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर झारखण्ड सरकार की सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम अंतर्गत गर्भवती महिलाओं का नि:शुल्क अल्ट्रासाउंड जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जिले के विभिन्न निजी अल्ट्रासाउंड क्लिनिकों के साथ एमओयू किया है। सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद ने बताया कि अब सदर अस्पताल के अलावा निम्न निजी क्लिनिकों के माध्यम से भी गर्भवती महिलाएं अल्ट्रासाउंड नि:शुल्क करा सकती है। उनके जांच का भुगतान सीधे सदर अस्पताल बोकारो द्वारा निजी क्लिनिकों को किया जाएगा। उन्होंने उपायुक्त ने निजी क्लिनिकों द्वारा अल्ट्रासाउंड करने में किसी तरह की आना-कानी करने एवं गर्भवती महिलाओं को परेशान करने की शिकायत प्राप्त होने पर कार्रवाई करने की बात कहीं है। उन्होंने बताया कि लाईफ लाईन अस्पताल, चास, कल्याण डाग्नेसटिक एण्ड इमेजिंग सेन्टर, पेटरवार, एन०एम० मेमोरियल अस्पताल, होसिर, गोमिय, एण्डवास डायग्नोस्टिक सेन्टर, सिटी सेंटर, सेक्टर 4,न्युरो स्कैन डायग्नोस्टिक, फुसरो, डिजिटल डायग्नेस्टिक सेन्टर, सिटी सेंटर सहित अन्य अस्पतालो मे मुफ्त मे अल्ट्रासाउंड होगा।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी करोड़ों की लागत से बन रही सड़क, उखड़ने लगे डामर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : ग्रामीणों द्वारा सड़क निर्माण की मांग करते हुए कई साल बीत जाते हैं और बड़ी मुश्किल से मांग पूरी होने के बाद सड़क बनाने या मरम्मत की स्वीकृति मिलती है। ग्रामीणों की मांग पर सरकार करोड़ों रुपए सड़क निर्माण के लिए स्वीकृत करती है। ग्रामीण क्षेत्रों में अब भी सड़कों का निर्माण गुणवत्तापूर्ण तरीके से नहीं किया जाता है ठेकेदार मेरी मर्जी के तर्ज पर सड़क निर्माण का कार्य करते हैं। जैसे तैसे सड़क निर्माण कार्य पूर्ण कर राशि का बंदरबांट कर देते हैं। ऐसा ही एक ताजा मामला चैनपुर प्रखंड में भी देखने को मिला है चैनपुर प्रखंड के केडेग गाँव से सीरा सीता धाम तक 5 किलोमीटर सड़क का निर्माण आरईओ विभाग से कराया गया है। सड़क निर्माण कर पूर्ण हुए 15 दिन भी बीता नहीं है कि सड़क उखड़ने लगी है। ठेकेदार द्वारा सड़क निर्माण कार्य काफी घटिया तरीके से कराया गया है जिसे लेकर कई गांव के ग्रामीण काफी आक्रोशित है। ग्रामीण कुमुद टोप्पो, प्रताप तिर्की, संतोष कुजुर, रोनिल कुजुर, संतोष मिंज, शिव कुमार, एनामुएल लकड़ा, पवन लकड़ा सहित कई लोगों ने कहा कि आजादी के पास पहली बार हमारे गांव में सड़क का निर्माण हुआ है। बरसों से सड़क निर्माण के मांग को लेकर हम परेशान थे अब कहीं जाकर सड़क निर्माण कार्य पूर्ण हुआ जो भी भ्रष्टाचार का भेट चढ़ गया है। उन लोगों ने बताया कि निर्माण के 10 दिन भी नहीं हुए और सड़क उखड़ने लगा डाबर उखाड़ने लगा है। काफी संख्या में ग्रामीण सड़क पर उतरकर जिप सदस्य मेरी लकड़ा को बुलाकर घटिया सड़क निर्माण से अवगत कराया, जीप सदस्य मेरी लकड़ा घटिया सड़क निर्माण कार्य देखकर भड़क गई। ग्रामीणों ने जीत सदस्य के माध्यम से विभाग से मांग किया है कि सड़क का गुणवत्तापूर्ण निर्माण हो अन्यथा हम सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। इस संबंध में जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने कहा कि अर्षो से इस क्षेत्र के ग्रामीण सड़क के लिए काफी परेशान थे सड़क निर्माण कार्य हुआ भी तो लोगों में खुशी नहीं है क्योंकि यह सड़क निर्माण कार्य काफी घटिया तरीके से कराया गया है। सड़क अपने आप टूट रहा है पैदल चलने से भी सड़क खराब हो जा रहा है तो गाड़ी चलने पर क्या हाल होगा। सरकार द्वारा सड़क निर्माण कार्य में करोड़ों रुपए खर्च किया जाता है मगर विभाग्य इंजीनियरों के लापरवाही का खामी आज आम ग्रामीणों को भुगतना पड़ता है। ठेकेदार एवं विभागीय मिली भगत में पैसों का बंदर बात कर दिया जाता है मगर ऐसा बिल्कुल नहीं चलेगा सड़क निर्माण कार्य दोबारा होना चाहिए अन्यथा बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

11 जनवरी को अल्बर्ट एक्का चौक पर टुसू महापर्व तैयारी पूर्ण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : महोत्सव में पद्मश्री मधु मंसूरी, मुकुंद नायक, मजबूल खान, सावित्री कर्मकार, बबन देहाती के अलावा सम्पूर्ण झारखंड के कलाकार आयेंगे। झारखंडी भाषा खतियान संस्कृति समिति रांची द्वारा 11 जनवरी 2025 दिन शनिवार को नगर निगम कार पार्किंग अल्बर्ट एक्का चौक में आयोजित राजधानी टुसू महापर्व -2025 का तैयारी पूर्ण हो चुका है, कार्यक्रम का प्रशासनिक अनुमति मिल चुका है उक्त जानकारी संरक्षक अनंत कुमार महतो ने दिया। तैयारी को लेकर आज दिनांक 9 जनवरी 2025 को ऑक्सीजन पार्क मोराबादी मैदान में दूसरी बार तैयारी बैठक किया गया। मौके पर उन्होंने बताया कि राजधानी टुसू महोत्सव में सम्पूर्ण झारखंड से गण मान्य कलाकार, विभिन्न विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय के जनजातीय एवम क्षेत्रीय भाषा के शिक्षक, प्रोफेसर, छात्र शामिल होंगे। महापर्व में पारम्परिक रीति रिवाज अनुसार टुसू थापना, टुसू पूजन, टुसू वंदना, सामूहिक टुसू गीत, सामूहिक टुसू नृत्य, छौ नृत्य प्रस्तुत किया जायेगा। बैठक में जे एल के एम केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो, संरक्षक अनंत महतो, सोनू, विक्की, लखन बेदिया, शिवराज सिंह, दिलेश्वर, पप्पू यादव, अयूब अली, रवि सिंह, प्रदीप कुमार, के अलावा अन्य सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

गणेश यादव ने पूर्व सीएम रघुवर दास से की शिष्टाचार मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य गणेश यादव ने हाल ही में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और तत्कालीन राज्यपाल रघुवर दास से शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई, जिसमें दोनों नेताओं ने विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की। गणेश यादव ने रघुवर दास के अनुभवों को सराहा और उनके मार्गदर्शन को राजनीति में प्रेरणा का स्रोत बताया। यादव ने कहा, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास झारखंड के विकास में अपने कुशल नेतृत्व और नीतियों के लिए सदैव याद किए जाएंगे। उनके साथ इस मुलाकात से मुझे नई ऊर्जा और प्रेरणा मिली है। इससे पहले गणेश यादव ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी, जिसके दौरान उनका भव्य स्वागत किया गया। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें बुके देकर और अभिनंदन करते हुए उनका स्वागत किया। यादव ने भाजपा के सिद्धांतों और आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई और पार्टी को मजबूत बनाने में अपना योगदान देने का वादा किया।

अफीम की खेती छोड़ वानिकी से जुड़ें किसान : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लमटा/चतरा : वर्तमान समय में पुराने पद्धति को छोड़कर नई पद्धति से खेती कर अच्छा खास आमदनी करने की जानकारी देने के लिये किसानों के जागरूक किया गया। बताया गया कि नई तकनीकी से सब्जी का खेती करने से कम समय तथा कम खर्च में अच्छे खासे आमदनी होती है। वर्तमान समय पुराने पद्धति को छोड़कर नए पद्धति से खेती कर अच्छा खासा आमदनी करने की जानकारी दी गई। नई तकनीकी से सब्जी का खेती करने से कम समय तथा कम खर्च में अच्छे खासे आमदनी होती। चतरा जिला अंतर्गत लाव लॉन्ग ब्लॉक के लमटा पंचायत सचिवालय में पांच दिवसीय राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज समापन हो गया। इस अवसर पर सिमरिया विधानसभा के विधायक उज्जवल दास ने कहा कि अफीम की खेती से काफी नुकसान होता है, जमीन बंजर तो होता ही है, साथ-साथ आसपास के रहने वाले लोगों का स्वास्थ्य भी खराब होता है इसलिए वर्तमान युग में अफीम की खेती को छोड़कर वाणिकी कृषि से लोगों को जोड़ना चाहिए और देश का विकास करना चाहिए। उन्होंने महाराष्ट्र के पुणे शहर की चर्चा की जहां पर किसान संगठित होकर वाणिकी की खेती कर रहे हैं। किसानों को आधुनिक युग के अनुसार समय के अनुरूप फसल उत्पादन के दौरान दवा और खाद का प्रयोग करना चाहिए बेकार की सामग्री से दूर रहना होगा । किसानों को आधुनिक तकनीक से कैसे खेती करना चाहिए उसे बताने और प्रशिक्षित करने के लिए हम लोग आए हुए हैं। इस संबंध लावा लॉन्ग प्रखंड के वीडियो विपिन कुमार ने कहा कि ग्रीनरी संस्था के द्वारा किसानों को जो प्रशिक्षण दिया गया आने वाले समय में बड़ा कारगर होगा। उन्होंने बताया कि खेती करने पर किसानों के दुगनी लाभ हो सकती है, सब्जी खेती में किसी तरह की बीमारी या कीड़ा लगने पर उसे कैसे उपचार किया जा सकता है, इसके बारे में बिस्तार से जानकारी दी। सब्जी एवं उद्यान की खेती के व्यापक संभावनाओं को देखते हुए नई तकनीक अपनाने एवं व्यावसायिक खेती कर बेहतर जीवन यापन करने हेतु किसानो को प्रेरित किया। अंचल अधिकारी ने कहा कि खेती के लिए पांच तत्व जानने की आवश्यकता होती है जैसे की मिट्टी पानी और हवा कैसे काम कर रहा है। विदेश में भी आज इन्हीं सब बातों पर चर्चा की जा रही है और उसी का अनुरूप खेती उत्पादन किया जाता है। ग्रीनरी संस्था के संस्थापक ओमप्रकाश गुप्ता ने कहा कि लमटा क्षेत्र के लिए यह एक कारगर होने वाला है। यहां के किसान जागरूक होंगे और खेती करके आत्मनिर्भर बनेंगे।वही ग्राम लमटा मुखिया अमित चौबे ने बताया कि प्रशिक्षण जो चल रहा है यहां किसानों के लिए सौभाग्य की विषय है। लावालोंग किसान बंधुओ से आग्रह किया के ध्यान पूर्वक से सीखे और लोगों के सीख कर खेती करने के लिए प्रेरित करें।

कांग्रेस ने निकाला डॉ भीमराव आंबेडकर सम्मान मार्च

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष उमेश प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में जय बापू,जय भीम,जय संविधान अभियान कार्यक्रम के तहत बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर समान मार्च बोकारो कुमीर्डीह में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बापू और बाबा साहब के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया। मौके पर उपस्थित कोंग्रेसजनों सहित आमजनों ने बाबा साहेब का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान, बापू हम शमिंदा है तेरे कातिल जिंदा है,जय बापू, जय भीम, जय संविधान आदि के नारे लगाए गए। मौके पर केशव महतो ने कहा कि भारत रत्न बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर का अपमान कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी। भाजपा के केंद्र सरकार संविधान पर वार नहीं कर सकती तो संविधान निमार्ता पर ही हमला करने लगे हैं।अमित साह ने कहा कि अभी एक फैशन हो गया हैं - अंबेडकर अंबेडकर अंबेडकर अंबेडकर इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। अमित साह कि बाबा साहेब पर टिप्पणी ने संविधान के ढांचे को महत्वहीन बना दिया है। जो समाज को समान भागीदारी के उनके अधिकार को मान्यता देता है। बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता में तैयार संविधान एक विरासत है। जो भारत के लोकतंत्र को मजबूती देता है। भाजपा की केंद्र सरकार लगातार संविधान छेड़छाड़ कर उसे बदलने का प्रयास कर रही हैं। बाबा साहेब पर गृह मंत्री की अपमानजनक टिप्पणी को देश न भूलेगा, न बर्दाश्त करेगा। यह गलती हिंदुस्तान माफ नहीं करेगा। गृह मंत्री माफी मांगे और इस्तीफा दें। मौके पर गुप्ता ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार लगातार संविधान में छेड़छाड़ कर उसे बदलने का प्रयास कर रही है राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं बाबा साहब के सिद्धांतों को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा डॉ अंबेडकर का अपमान कर संघ और बीजेपी कि मनुवादी मानसिकता उजागर कर दी। आरक्षण खत्म करने की साजिश के तहत बीजेपी की संविधान बदलने की कोशिश को 2024 के आम चुनाव में जनता ने नाकाम कर दिया था और बैसाखी सरकार बना कर लोकतांत्रिक मूल्यों का पाठ पढ़ाया था, लेकिन बीजेपी ये खीज अब संविधान निमार्ता पर निकाल रही हैं और बाबा साहब का अपमान किया गया है। बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी इस संदेश को आम जनमानस तक पहुंचने के लिए जय बापू जय भीम जय संविधान अभियान चला रही है। भाजपा, नरेंद्र मोदी और अमित साह ने संविधान पर आक्रमण और बाबा साहब का अपमान कर जिंदगी की सबसे बड़ी गलती की हैं। यह गलती हिंदुस्तान माफ नहीं करेगा।

संक्षिप्त खबरें

सरकारी आदेश की अवहेलना कर विद्यालय का हो रहा था संचालन, जांच में पकड़ाया

सरिया (गिरिडीह) : क्षेत्र में बड़ी शीतलहरी व ठंड के कारण झारखंड सरकार के द्वारा आगामी 13 जनवरी तक नर्सरी से आठवीं कक्षा के छात्रों के विद्यालय संचालन पर रोक लगाया हुआ है। लेकिन सरिया व आसपास के इलाके में विभागीय आदेश व नियमों को धत बताते हुए कई विद्यालय का संचालन किया जा रहा था। इसी दौरान गुरुवार को विभागीय अधिकारियों को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सरिया के राय तालाब रोड स्थित एस के रेसीडेंशियल स्कूल की औचक जांच किया गया। जिस दौरान विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चे के क्लास का संचालन होता हुआ दिखा। बताते चले कि सरिया बगोदर एसडीएम संतोष गुप्ता के द्वारा सरिया प्रखंड विकास पदाधिकारी को जांच कर विधि सम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जिस पर सरिया प्रखंड विकास पदाधिकारी ललित नारायण तिवारी ने कहा कि गुरुवार को राय तालाब रोड सरिया स्थित उक्त स्कूल संचालक के द्वारा विभागीय निर्देश की अवहेलना कर विद्यालय का संचालन किया जा रहा था। सूचना प्राप्त होने पर विद्यालय के संचालक को कड़ी फटकार लगाई गई और चेतावनी दी गई और तत्काल विद्यालय को बंद कराया गया। वहीं प्रखंड के बी ई ओ और बी पी ओ को निर्देश दिया गया कि वे लगातार जांच करें की विभागीय आदेशों की अवहेलना कर कहीं और कोई स्कूल वर्ग 9 एवं 10 को छोड़कर संचालित कर रहे हो तो उस पर नियमानुकूल कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज करते हुए विद्यालय का लाइसेंस रद्द कर दिया जाय।

सरिया महाविद्यालय में रिसर्च परियोजना की हुई शुरुआत

सरिया(गिरिडीह) : विनोबा भावे विश्वविद्यालय अंतर्गत सरिया कॉलेज सरिया ने हाल ही में शैक्षणिक क्षेत्र में कई रोमांचक कार्य किए हैं। इसी तरह उच्च शिक्षा संस्थान के तहत सरिया कॉलेज सरिया में अनुसंधान परियोजना के क्षेत्र की ओर पहला कदम बढ़ाने जा रहा है। सरिया महाविद्यालय सरिया के प्राचार्य डॉ। संतोष कुमार लाल ने इस परियोजना हेतु अनुमति प्रदान की तथा घोषणा की। उन्होंने बताया कि कई नए अनुसंधान परियोजनाओं को शुरू करने जा रहे हैं। इन अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से छात्रों को नवीनतम तकनीक और ज्ञान से अवगत कराना चाहते हैं। छात्र परियोजनाओं के माध्यम से समाज के लिए कुछ योगदान दे सकें, इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य है। छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि भूगोल विभाग के द्वारा यह महत्वपूर्ण कदम है। हम इस परियोजना के सफल होने की कामना करते हैं। यह अनुसंधान परियोजना की शुरूआत 9 जनवरी 2025 से सरिया महाविद्यालय सरिया के भूगोल विभाग के समेस्टर 4 के छात्रों के द्वारा किया जा रहा है। इसके तहत चयनित छात्र प्रायमरी डाटा एकत्रण हेतु गांव जाकर सर्वे करेगी। भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष सह आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर प्रो .असित दिवाकर तथा सहायक शिक्षक डॉ। सिलेश कुमार मोहन जो इस अनुसंधान परियोजना का नेतृत्व करेंगे। इस अनुसंधान परियोजना के बारे में भूगोल विभाग के विभाग अध्यक्ष ने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से सरिया प्रखंड में निवास करने वाले आदिम जनजाति बिरहोर के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक स्थिति का विश्लेषण करना है तथा हम इन परियोजनाओं के माध्यम से कुछ अहम सवालों के जवाब ढूंढने की उम्मीद करते हैं। इन्हें विश्वास है कि ये परियोजनाएं हमारे क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेंगी। इस परियोजना के बारे में अधिक जानकारी कॉलेज की वेबसाइट पर प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, सिमडेगा

अति अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना 54/2024-25

1	विज्ञापन दाता का नाम	–	कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
2	परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय	–	17-01-2025 को अप० 12.00 बजे तक।
3	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	–	18-01-2025 के अप० 2.30 बजे तक।
4	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	–	18-01-2025 के अप० 3.00 बजे से।
5	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	–	(i) अधीक्षण अभियंता भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं–2, रांची का कार्यालय। (ii) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन प्रमंडल सिमडेगा।
6	निविदा प्राप्ति का स्थान	–	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
7	कार्य विवरणी :–		

Sl. No.	Name of work	Estimated Cost	Earnest Money	B.O.Q Cost	Time Of Completion
1	E/R to Deep Boring for Barrack in Judge Colony Depty Toli, Simdega and E/R to PDJ Residence, Simdega.	4,98,700.00	10,000.00	750.00	15 (Fifteen) Days

निविदा की शर्तें– WWW.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

PR 343936 Simdega(24-25).D

कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, सिमडेगा

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,
SPECIAL WORKS DIVISION, BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT,Ranchi

e-Procurement Notice, (Very Short Notice)

Tender Reference No:- BCD/EE, Special Works Div, BCD, Ranchi-42/2024-25 Date:-08.01.25

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Construction of Boundary Wall (750'0") with Camp Office at Proposed New Jharkhand Bhawan Site, Navi Mumbai, Maharashtra.	Rs. 77,84,600.00	06 (Six) Months
i	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	16.01.2025	
ii	बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय	30.01.2025 को अपराह्न 1.00 बजे	
iii	निविदा खोलने की तिथि/समय	31.01.2025 को अपराह्न 1.00 बजे	
iv	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	e- Procurement Cell, Office of the Executive Engineer Special Works Division Building Construction Department,Ranchi	
v	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	8092415503	
vi	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	8092415503	

Note:- Cost of bidding document (Non Refundable) & Bid Security Shall be payable on online through http://jharkhandtenders.gov.in
Any Change can be on Website http://Jharkhandtenders. gov. in
Any Other information can be on Website http:// Jharkhandtenders.gov. in

Nodal Officer, e-Procurement Cell, Office of the Executive Engineer, Special Works Division Building Construction Department,Ranchi .

PR 343893 Building(24-25).D

GOVERNMENT OF JHARKHAND
DEPARTMENT OF AGRICULTURE, ANIMAL HUSBANDRY & CO-OPERATIVE (DIRECTORATE OF SOIL CONSERVATION)
Jharkhand Agriculture Machinery Testing & Training Center (JAMTTC)
4th Floor Room No. – 403, Krishi Bhawan, Kanke Road, Ranchi-834008
Telephone- 9472769373
e-mail - edjamttc@gmail.com, website - www.jamttc.org

मिनी ट्रैक्टर के परिचालन, पावर टीलर, पम्पसेट अन्य कृषि यंत्रों के विशेष मरम्मति एवं रख–रखाव हेतु एक माह का निःशुल्क आवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।

SKILL DEVELOPMENT PROGRAMME

झारखण्ड राज्य में कृषको, महिला स्वयं सहायता समूहों एवं अन्य सहायता समूहों को विगत कई वर्षों से कृषि उपकरण बैंक की स्थापना अन्तर्गत ट्रैक्टर/मिनी ट्रैक्टर, ट्रैक्टर चालित यंत्र, पावर टीलर, रीपर, पम्प सेट, राईस हॉलर, कल्टीवेटर, डिस्क हैरो, सीड ड्रील कम फार्टिलाईजर इत्यादि उपलब्ध कराया जा रहा है परन्तु स्थानीय स्तर पर कृषि यंत्रों के मरम्मति के अभाव में अधिकांश कृषि यंत्र का समुचित उपयोग में कठिनाई हो रहा है। संबंधित निर्माताओं/आपूर्तिकर्त्ताओं द्वारा मिस्त्री एवं मेकेनीक की उपलब्धता सभी प्रखण्ड एवं ग्राम स्तर पर सुनिश्चित नहीं हो पा रही है। विशेषकर वारंटी अवधि में भी मिनी ट्रैक्टर, पावर टीलर, रीपर, राईस ट्रासप्लाटर, पम्प सेट, राईस हॉलर इत्यादि की सभी आवश्यक सर्विसींग समय पर होने में कठिनाई हो रही है।

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, रॉची के अधीन कार्यरत संस्था "जेएएमटीटीसी, रॉची" द्वारा कृषि यंत्रों के विशेष मरम्मति, परिचालन एवं रख–रखाव हेतु वित्तीय वर्ष 2024–25 में बाछित तकनीकी योग्यता वाले झारखण्ड राज्य के नवयुवको को एक माह (30 दिन) का निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण दिया जाना प्रस्तावित है। प्रशिक्षणार्थी **वरियतः आई० टी० आई०/पॉलटेकनीक / मैकेनीकल इंजीनियरींग / आटोमोबाईल इंजीनियरींग/कृषि इंजीनियरींग में डिग्री/डिप्लोमाधारी या समकक्ष तकनीकी योग्यताधारी हो।**

क्र०	प्रस्तावित तिथि	प्रशिक्षणार्थियों की प्रस्तावित संख्या
01	16.01.2025 से 14.02.2025 तक	25

चयनित प्रशिक्षणार्थी को उनके द्वारा उपलब्ध कराये गये मोबाईल नम्बर/ईमेल के माध्यम से सूचित किया जायेगा जिनको निर्धारित तिथि 16.01.2025 को निम्न पते पर उपस्थित होना होगा।

प्रशिक्षण केन्द्र का पता–जेएएमटीटीसी, रॉची, ई० टी० सी० परिसर, काजू बगान, हेहल, (सामने जुनियर डी० ए० वी० स्कूल, हेहल) रॉची, पीन कोड–834005

किसी प्रकार की विशेष जानकारी हेतु जेएएमटीटीसी कार्यालय मोबाईल सं० 8299489438/9686251367 (केवल पूर्वाह्न 10.30 बजे से संध्या 05.00 बजे तक) पर सम्पर्क किया जा सकता है।

प्रशिक्षण हेतु इच्छुक प्रशिक्षणार्थी अपने जिला के भूमि संरक्षण पदाधिकारी/भूमि संरक्षण सर्वे पदाधिकारी/जिला कृषि पदाधिकारी/जिला उद्यान पदाधिकारी से अनुशंसा कराते हुए सादे कागज पर अपने आवेदन में अपना नाम, पिता का नाम, ग्राम, पोस्ट, थाना, जिला, मोबाईल नम्बर, आधार संख्या, तकनीकी योग्यता के साक्ष्य प्रमाण पत्र, दो रंगीन फोटो के साथ आवेदन समर्पित करेंगे। आवेदन को संबंधित जिला के उक्त पदाधिकारी द्वारा अनुशंसा कराते हुए या कार्यपालक निदेशक (कृषि अभियंत्रण), जेएएमटीटीसी, रॉची, कृषि भवन, कांके रोड, रॉची–834008 को डाक से या **सीधे email-edjamttc@gmail.com** के माध्यम से उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

ह0/–
कार्यपालक निदेशक (कृषि अभियंत्रण)जेएएमटीटीसी, रॉची

PR 343902 (Agriculture)24-25*D

सिरफिरे ट्रूडो तो गए, क्या अब भारत- कनाडा संबंध सुधरेंगे

डॉ. आर.के. सिन्हा

उम्मीद है कि कनाडा में ट्रूडो की विदाई के बाद दोनों देशों के रिश्ते फिर से पटरी पर आने लगेंगे। भारत और कनाडा के बीच संबंधों का पुराना इतिहास है। कनाडा ने 1947 में भारत की स्वतंत्रता को मान्यता दी और दोनों देशों ने 1947 में ही आपसी राजनयिक संबंध स्थापित किए।

राजनयिक मर्यादाओं और अंतरराष्ट्रीय मर्यादाओं को ताक पर रखने वाले और खालिस्तानी समर्थक कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सत्ताधारी लिबरल पार्टी के नेता पद और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है या उन्हें ऐसा करने पर मजबूर कर दिया गया । ट्रूडो एक नंबर के गैर- जिम्मेदार प्रधानमंत्री के रूप में याद रखे जाएंगे। वे खुलकर खालिस्तानी तत्वों का समर्थन करने के अलावा भारत के आतंरिक मामलों में भी लगातार हस्तक्षेप करते रहे।

ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता का बिना किसी सबूत के बेशर्मी से आरोप भी लगाया। ट्रूडो के प्रधानमंत्रित्व काल में कनाडा में खालिस्तानी तत्व अति सक्रिय हो गए और खुलकर भारत विरोधी उत्पात मचाया । ये भारत को फिर से खालिस्तान आंदोलन की आग में झोंकना चाहते थे। कनाडा की ओंटारियो विधानसभा ने 2017 में 1984 के सिख विरोधी दंगों को सिख नरसंहार और सिखों का राज्य प्रायोजित कत्लेआम करार देने वाला एक प्रस्ताव भी पारित किया था। ये सब गंभीर आरोप के मामले थे। इस तरह की हरकतों से साफ था कि कनाडा में भारत के शत्रुओं को ट्रूडो सरकार का खुला समर्थन मिला हुआ था। कनाडा में खालिस्तानियों के जड़े जमाने का सबसे पहले सुबूत मिला था कनिष्क विमान हादसे के रूप में। मॉट्रियाल से नई दिल्ली जा रहे एयर इंडिया के विमान कनिष्क को 23 जून 1985 को आयरिश हवाई क्षेत्र में उड़ते समय, 9,400 मीटर कीऊंचाई पर, बम से उड़ा दिया गया था और वह अटलांटिक महासागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उस भयानक हादसे में 329 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक ही थे। ट्रूडो को भारत सरकार ने बार-बार कहा कि वे अपने देश में खालिस्तानियों को कसे। पर मजाल है कि ट्रूडो ने कोई इस संबंध में कोई कदम उठाया हो।

भारत-कनाडा संबंधों ने सितंबर 2023 में गंभीर मोड़ ले लिया था , जब ट्रूडो ने दावा किया था कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों के पास भारतीय सरकार के एजेंटों को निज्जर की हत्या से जोड़ने वाले विश्वसनीय सुबूत हैं। भारत ने उन दावों को 'बेतुका और राजनीति से प्रेरित' बताया था। भारत मानता है कि निज्जर एक घोर आतंकवादी था । वह पंजाब में 2007 के सिनेमाघर बम विस्फोट और 2009 में सिख नेता रुलदा सिंह की हत्या में शामिल था। भारत के बार-बार अनुरोधों पर भी खालिस्तानियों को प्रत्यर्पित करने में कनाडा की विफलता ने इस धारणा को बढ़ावा दिया है कि कनाडा में भारत विरोधी ताकतों को खाद-पानी मिल रहा है।

जस्टिन ट्रूडो साल 2018 में भारत यात्रा पर आए थे। वे अमृतसर से लेकर आगरा और मुंबई से लेकर अहमदाबाद का दौरा करने के बाद जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिले तो मोदी जी ने कायदे से बता दिया था कि 'भारत धर्म के नाम पर कट्टरता तथा अपनी एकता, अखंडता और संप्रभुता के साथ समझौता नहीं करेगा।'

कनाडा में ट्रूडो की सरकार हिन्दुओं के हित सुरक्षित रखने में पूरी तरह से नाकाम रही। वहां पर मंदिरों को लगातार निशाना बनाया जाता रहा। कनाडा में मंदिरों पर हमलों की घटनाओं में आमतौर पर मंदिरों में तोड़फोड़, धार्मिक प्रतीकों को नुकसान पहुंचाना या स्प्रे पेंट करना शामिल होता है। कुछ मामलों में, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली सामग्री भी लिखी गई है। जाहिर है, कनाडा में हिंदू समुदाय इन हमलों से गंभीर रूप से चिंतित है। वे सरकार से इन हमलों की जांच करने और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने की मांग कर रहे हैं। कनाडा सरकार ने इन हमलों की औपचारिक निंदा तो की है और कहा है कि वह धर्म के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव को बर्दाश्त नहीं करेगी। लेकिन , कोई भी दोषी पकड़े नहीं गए। ये किसी को बताने की जरूरत नहीं है कि हमलों के पीछे खालिस्तानी शामिल थे।

कहने को कनाडा एक बहुसांस्कृतिक देश है। सरकार सभी धर्मों के लोगों के अधिकारों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध बताई जाती है। पर हकीकत में ट्रूडो के काल में वहां की सरकार खुलकर भारत और हिन्दू विरोधी बनकर उभरी।

आपको याद होगा कि ट्रूडो भारत के किसानों के हित में बेवजह बयानबाजी करने लगे थे। जब किसानों ने अपनी मांगों के हक में दिल्ली में डेरा जमाया हुआ था तब ट्रूडो भारतीय किसानों के पक्ष में बोल रहे थे। इस मामले में ट्रूडो को बोलने का हक किसने दिया था। ट्रूडो कह रहे थे कि 'कनाडा दुनिया में कहीं भी किसानों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकारों की रक्षा के लिए खड़ा रहेगा।' क्या कनाडा को हमारे घरेलू मामलों में हस्तक्षेप करने का किसीने अधिकार दिया था? एक बात साफ है कि किसी देश को दूसरे देश के आंतरिक मामलों में तभी बोलना चाहिए जब मानवाधिकारों का हनन हो रहा हो। सभी देशों को मानवाधिकारों की रक्षा करने की जिम्मेदारी है और जब कोई देश ऐसा करने में विफल रहता है, तो अन्य देशों को हस्तक्षेप करने का अधिकार है। अगर बात मानवाधिकारों से हटकर हो तो किसी देश को दूसरे देश के आंतरिक मामलों में कभी भी नहीं बोलना चाहिए। प्रत्येक देश को अपनी सरकार चुनने का अधिकार है और अन्य देशों को इस चुनाव में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

उम्मीद है कि कनाडा में ट्रूडो की विदाई के बाद दोनों देशों के रिश्ते फिर से पटरी पर आने लगेंगे।भारत और कनाडा के बीच संबंधों का पुराना इतिहास है। कनाडा ने 1947 में भारत की स्वतंत्रता को मान्यता दी और दोनों देशों ने 1947 में ही आपसी राजनयिक संबंध स्थापित किए।

दोनों देश राष्ट्रमंडल के सदस्य हैं और साझा मूल्यों और लोकतांत्रिक सिद्धांतों को साझा करते हैं। भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि हुई है, जिसमें ऊर्जा, कृषि, प्रौद्योगिकी और सेवाओं जैसे क्षेत्र शामिल हैं। दोनों देश व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर भी बातचीत कर रहे हैं , ताकि व्यापार और निवेश को और बढ़ावा दिया जा सके। इसके अलावा, कनाडा में भारतीय छात्रों की एक बड़ी संख्या है, और दोनों देशों के बीच शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान बढ़ रहा है। दोनों देशों के बीच विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और अनुसंधान में सहयोग बढ़ रहा है। दोनों देश संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और वैश्विक स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर सहयोग करते हैं। ऐसी स्थिति में आपसी तनावपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देना तो दोनों देशों के लिये नुकसानदायक ही होगा ।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

जस्टिन ट्रूड़ो के बाद

कनाड़ा की आंतरिक राजनीति में पिछले कुछ महीनों से जो उथल-पुथल चल रही थी, उससे इस बात के संकेत मिलने लग गए थे कि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूड़ो को देर-सबेर अपने पद से हटना पड़ेगा। अंततः उन्हें सोमवार को प्रधानमंत्री और पार्टी के नेता, दोनों पदों से इस्तीफा देना पड़ा। कनाड़ा में आव्रजन का मुद्दा बहुत जटिल है। कनाड़ा में बहुत से लोग मानते हैं कि ट्रूड़ो अपनी सीमाओं को और अधिक खुला बनाने में बहुत आगे बढ़रूगए हैं और उनकी नीति से देश के नागरिकों को बेरोजगारी और महंगाई का सामना करना पड़.रहा है। कनाड़ा में इस साल चुनाव होने वाले हैं। जनमत सर्वेक्षण ट्रूड़ो की लोकप्रियता में गिरावट दर्शा रहे हैं। जाहिर है अपनी पार्टी के भीतर आंतरिक लड़ाई, जनमत सर्वेक्षणों के रुझान में पिछड़ना और अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप की टैरिफ बढ़ाने की धमकियों के बीच प्रधानमंत्री पद पर बने रहना ट्रूड़ो के लिए मुश्किल होता जा रहा था। 2015 के चुनाव में वह भारी जीत के साथसत्ता में आए थे। उस समय उनकी लोकप्रियता आसमान छू रही थी। वह ग्यारह सालों से अपनी लिबरल पार्टी के नेता और नौ सालों से कनाड़ा के प्रधानमंत्री रहे। उनके कार्यकाल में भारत के साथ द्विपक्षीय संबंध काफी खराब और तनावपूर्ण रहे। कनाड़ा में सिख उग्रवादियों को बढ़ावा देने से उनकी स्थितियां और ज्यादा खराब हुई। कनाड़ा पृथकतावादी खालिस्तान आंदोलन का मुख्य केंद्र रहा है। याद रखना चाहिए कि 2020 में भारत में चल रहे किसान आंदोलन को ट्रूड़ो ने समर्थन देते हुए कहा था कि दुनिया में जहां भी मानवाधिकार के हनन की बात होगी, कनाड़ा बोलेगा। यह भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप था। भारत ने इस पर आपत्ति की थी। सितम्बर, 2023 में उन्होंने आरोप लगाया था कि कनाड़ा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय अधिकारियों का हाथ है। लेकिन आज तक वह अपने आरोप के पक्षमें पुख्ता प्रमाण नहीं दे सके हैं। सच तो यह है कि निज्जर आपराधिक गैंगवार के चलते मारा गया और ट्रूड़ो के लिए वह नागरिक स्वतंत्रता का नायक बन गया है। इस बात की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए कि ट्रूड़ो के सत्ता में हटने के तुरंत बाद भारत और कनाड़ा के द्विपक्षीय संबंध सुधर जाएंगे लेकिन कहा जा सकता है कि इसकी शुरूआत हो गईहै। जनमत सर्वेक्षण बता रहे हैं कि कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोइलिवरे, जो भारत से रिश्ते सुधारने के पक्ष में हैं, के प्रधानमंत्री बनने की ज्यादा उम्मीद है।

चिंतन-मनन

सुखी रहना है तो भगवान से शिकायत न करें

इंसानों की एक सामान्य आदत है कि तकलीफ में वह भगवान को याद करता है और शिकायत भी करता है कि यह दिन उसे क्यूं देखने पड़ रहे हैं। अपने बुरे दिन के लिए इंसान सबसे ज्यादा भगवान को कोसता है। जब भगवान को कोसने के बाद भी समस्या से जल्दी राहत नहीं मिलती है तो सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। इसका कारण यह है कि उसे लगता है कि जो उसकी मदद कर सकता है वही कान में रूई डालकर बैठा है। इसलिए महापुरूषों का कहना है कि दुख के समय भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद करना चाहिए।

इससे आप खुद को अंदर से मजबूत पाएंगे और समस्याओं से निकलने का रास्ता आप स्वयं ढूंढ लेंगे। भगवान किसी को परेशानी में नहीं डालते और न ही वह किसी को परेशानी से निकाल सकते हैं। भगवान भी अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। भगवान सिर्फ एक जरिया हैं जो रास्ता दिखाते हैं चलना किधर है यह व्यक्ति को खुद ही तय करना होता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में इस बात को खुद स्पष्ट किया है।

आधुनिक युग के महान संत रामकृष्ण का नाम आपने जरूर सुना होगा। ऐसा माना जाता है कि मां काली उन्हें साक्षात दर्शन देती थी और नन्हें बालक की तरह रामकृष्ण को दुलार करती थीं। ऐसे भक्त की मृत्यु कैंसर के कारण हुई। मृत्यु के समय इन्हें बहुत की कष्ट का सामना करना पड़ा। रामकृष्ण चाहते तो मां काली से कह कर रोग से मुक्त हो सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और पूर्व जन्म के संचित कर्मों को नष्ट करने के लिए दु?ख सहते रहे और अंततः परम गति को प्राप्त हुए।

ओशो का मत है कि भक्त भगवान की पीड़ा में जितना जलता है, उतना ही भगवान के करीब होने लगता है। एक दिन वह घड़ी आती है जब भक्त भगवान में विलीन हो जाता है। रामकृष्ण परमहंस का जीवन इसी बात का उदाहरण है। वर्तमान समय में लोग साढ़ेसाती का नाम सुनकर कांपने लगते हैं। लेकिन प्राचीन काल में लोग साढ़ेसाती का इंतजार किया करते थे। इसका कारण यह था कि साढ़ेसाती के दौरान प्राप्त तकलीफों से उन्हें ईश्वर को प्राप्त करने में मदद मिलती थी। साधु संत शनि को मोक्ष प्रदायक कहा करते थे। वर्तमान में शनि डर का विषय इसलिए बन गये हैं क्योंकि मनुष्य सुख भोगी हो गया है और उसकी सहनशीलता कम हो गयी है।

हिंदी का वैश्वीकरण और इंटरनेट पर बढ़ता प्रभाव

डॉ अनीता कुमारी

विश्व हिंदी दिवस हर वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिन हिंदी भाषा की वैश्विक उपस्थिति और उसके योगदान को मान्यता देने का अवसर है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य हिंदी के महत्व को समझाना और उसे प्रोत्साहित करना है, विशेषकर ऐसे समय में जब दुनिया भर में विभिन्न भाषाओं का अस्तित्व खतरे में है और वैश्वीकरण के प्रभाव के कारण भाषाई विविधता सिमट रही है।

हिंदी केवल भारत की राजभाषा नहीं है, बल्कि यह विश्वभर में करोड़ों लोगों की मातृभाषा है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में स्वीकार किया गया है, जो इसकी वैश्विक स्थिति को दर्शाता है। हिंदी भाषा आज ना केवल भारत में, बल्कि नेपाल, पाकिस्तान, बांगलादेश, मॉरीशस, त्रिनिदाद और टोबैगो, फिजी, सूरीनाम जैसे देशों में भी प्रचलित है। यह तथ्य ही हिंदी के महत्व को प्रमाणित करता है, जो न केवल संस्कृति का वाहक है, बल्कि एक सशक्त माध्यम भी है संवाद और समझ को स्थापित करने का। हिंदी भाषा की समृद्धि उसकी विविधता में निहित है। हिंदी में न केवल भारतीय संस्कृतियों और परंपराओं की झलक मिलती है, बल्कि इसे विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों से भी प्रभावित किया गया है। संस्कृत, अरबी, फारसी, अंग्रेजी जैसे भाषाओं से इसके शब्दों में समृद्धि आई है, जिससे हिंदी में शब्दों की एक अनूठी विविधता बन गई है। उदाहरण के लिए, फिल्म उद्योग में हिंदी के प्रभाव को देखा जा सकता है। बॉलीवुड के फिल्मी गीत, संवाद और कहानियाँ न केवल भारत में, बल्कि विदेशों में भी लोकप्रिय हैं, जो हिंदी के सामर्थ्य को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करते हैं।

हिंदी न केवल एक भाषा है, बल्कि यह भारतीय समाज और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हिंदी भाषा ने महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सुभाष चंद्र बोस जैसे नेताओं की आवाज को लोगों तक पहुँचाया। हिंदी के माध्यम से राष्ट्र की एकता और सामाजिक साक्षरता का प्रसार हुआ। स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी ने एकता और जागरूकता का माध्यम बनने का कार्य किया। आज भी हिंदी भाषी क्षेत्रों में इसका सामाजिक और सांस्कृतिक योगदान स्पष्ट रूप से देखा जाता है।

हालाँकि हिंदी की समृद्धि स्पष्ट है, लेकिन उसे आज भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। एक तरफ अंग्रेजी का प्रभुत्व बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर हिंदी को सिर्फ क्षेत्रीय या सांस्कृतिक भाषा के रूप में ही देखा जाता है। कई लोग इसे विकास की दिशा में बाधक मानते हैं। लेकिन, यह जरूरी है कि हम हिंदी को एक समृद्ध और आधुनिक भाषा के रूप में स्वीकार करें और इसके ज्ञान को सशक्त बनाने की दिशा में काम करें।

आज के डिजिटल युग में हिंदी का प्रभाव और भी बढ़ा है। इंटरनेट पर हिंदी के उपयोग में लगातार वृद्धि हो रही है। सोशल मीडिया, ब्लॉग्स, और वेबसाइट्स पर हिंदी में सामग्री बढ़ रही है। उदाहरण स्वरूप, भारतीय सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी अब हिंदी में भी उपलब्ध है, जो लाखों हिंदी भाषी नागरिकों के लिए उपयोगी है।

गूगल, फेसबुक, ट्विटर जैसी कंपनियाँ हिंदी को एक कार्यकुशल भाषा के रूप में मान्यता दे रही हैं, जिससे हिंदी की उपयोगिता और प्रासंगिकता बढ़ी है। इसके अलावा, मोबाइल एप्लिकेशन्स और ई-बुक्स के रूप में भी हिंदी में सामग्री का विस्तार हो रहा है। इससे यह स्पष्ट है कि हिंदी ना केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में एक सशक्त भाषा के रूप में उभर रही है।

विश्व हिंदी दिवस का महत्व इस तथ्य में निहित है कि यह हमें अपनी भाषा की महत्ता और उसकी समृद्ध परंपराओं को याद दिलाता है। हिंदी ना केवल भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, बल्कि यह आज वैश्विक मंच पर भी अपनी पहचान बना चुकी है। हमें चाहिए कि हम अपनी भाषा को सम्मान दें और उसका उपयोग न केवल घरेलू, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी करें। हिंदी की बढ़ती हुई महत्ता को ध्यान में रखते हुए, इसे समृद्ध बनाने के प्रयास निरंतर जारी रखने चाहिए, ताकि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सशक्त और समृद्ध भाषा के रूप में विकसित हो सके।

एचएमपीवी वायरसः नये खतरे से रहना होगा सतर्क

योगश कुमार गोयल

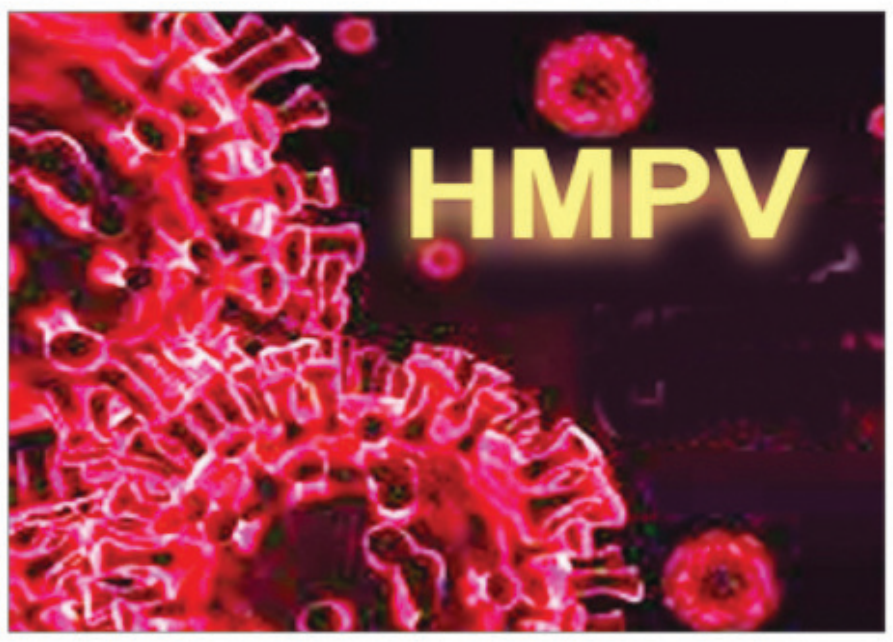

वर्ष 2020 में चीन से शुरू होकर कोरोना ने पूरी दुनिया में जो दहशत मचाई, उसे याद करके आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। कोरोना महामारी के भयावह दौर में दुनिया भर में लाखों लोग मारे गए, लाखों परिवार उजड़ गए, अनेक बच्चे अनाथ हो गए।

अभी तक कोरोना का खौफ बरकरार है, और कोरोना की शुरूआत के 5 साल बाद अब चीन से ही एक और ऐसे ही खतरनाक वायरस की दस्तक की खबरें दुनिया के सामने आ रही हैं, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह वायरस कोरोना से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है।

भारत में कर्नाटक, गुजरात और पश्चिम बंगाल में कुछ बच्चों में नये वायरस के मामले मिल चुके हैं, जिसके बाद भारत में सतर्कता बढ़ा दी गई है। बताया जा रहा है कि यह वायरस बच्चों और बुजुगरे को सबसे ज्यादा प्रभावित कर रहा है। कमजोर प्रतिरक्षा वाले रोगियों में यह संक्रमण निमोनिया में परिवर्तित हो जाता है, और उनमें मौत का जोखिम बढ़ जाता है। हाल के दिनों में कई रिपोटरे में बताया जा चुका है कि ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) नामक वायरस ने इन दिनों चीन में दहशत फैला रखी है।

इस खतरनाक वायरस के कारण बड़ी संख्या में मरीज मर रहे हैं, लेकिन कोविड की ही भाँति चीन द्वारा इसे लेकर भी लीपापोती की जा रही है। हालांकि कुछ रिपोटरे में दावा किया जा रहा है कि इस वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी गई है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि उत्तर चीन के प्रांतों में 14 वर्ष से कम उम्र के लोगों में एचएमपीवी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। खचाखच भरे अस्पताल और श्मशानों में बेतहाशा भीड़ इस संकट के कोरोना जैसा या उससे भी बदतर होने की पुष्टि कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर ह्यसार्स-सीओवी-2 (कोविड-19)ह्व नामक एक्स हैंडल द्वारा पोस्ट में लिखा गया है कि चीन एचएमपीवी, इन्फ्लूएंजा ए, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और कोविड-19 सहित कई वायरस के मामलों में उछाल का सामना कर रहा है, और वहां के अस्पताल निमोनिया और ह्यव्हाइट लंगह्व के मामलों से खासे परेशान हैं। एचएमपीवी वायरस का प्रकोप भी सबसे पहले चीन में ही शुरू हुआ है। दरअसल, बर्ड फ्लू से लेकर सार्स और कोविड तक सभी महासंहारक वायरल प्रकोपों की उत्पत्ति चीन से ही होती रही है।

चूंकि सभी वायरस चीन में ही पैदा होते रहे हैं, इसलिए ऐसे वायरस हमलों को लेकर दुनिया में चीन को लेकर संदेह का माहौल बना हुआ है कि कहीं कोविड-19 के बाद खतरनाक होता एचएमपीवी भी चीन की जैविक प्रयोगशालाओं में रची जा रही साजिश तो नहीं है। हालांकि डच शोधकताओं ने 2001 में सबसे पहले सन संबंधी बीमारियों से पीड़ित बच्चों में इस वायरस की खोज की थी और हर साल कई देशों में इसके कुछ मामले सामने आते रहे हैं, लेकिन चीन में जिस तरह इस वायरस ने आतंक मचाया हुआ है, ऐसे में भारत ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र स्थिति पर नजर रखे हुए है तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के संपर्क में है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल का कहना है कि बताया गया है कि चीन में मेटान्यूमोवायरस वायरस का एक आउटब्रेक है, जो गंभीर है। हालांकि उनका कहना है कि हमें नहीं लगता कि भारत में किसी गंभीर स्थिति की आशंका है।

दिल्ली मेडिकल काउंसिल के चेयरमैन एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अरुण गुप्ता का कहना है कि भारत में इस वायरस के कारण बीमारी बढ़ने की अभी आशंका नहीं है। अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के अनुसार, एचएमपीवी सभी उम्र के लोगों में अपर और लोअर रेस्पिरेटरी डिजीज का कारण बन सकता है। संक्रमित व्यक्ति के खांसने-छींकने से निकलने वाले स्त्रव या नजदीकी संपर्क जैसे हाथ मिलाने से भी यह वायरस फैलता है। एचएमपीवी वायरस न्यूमोवायराइड और मेटान्यूमो वायरस जीनस का हिस्सा है, जो सिंगल-स्ट्रैंडेड नेगेटिव-सेंस आरएनए वायरस है।

चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार, इस वायरस का संक्रमणकाल तीन से पांच दिन होता है। इसके संक्रमण से रोग-प्रतिरोधी क्षमता कमजोर होती है। एचएमपीवी कोरोना की ही भाँति सन पथ को संक्रमित करता है, हालांकि कोरोना के मुकाबले इसके कारण ऊपरी और निचले, दोनों सन पथ में संक्रमण का खतरा हो सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह कम पहचाना वायरस है, लेकिन दुनिया भर में मौसमी सन बीमारियों में योगदान कर रहा है। एचएमपीवी में कोरोना ही भाँति फ्लू जैसे लक्षण दिखते हैं। सामान्य लक्षणों में खांसी, बुखार, नाक बंद होना, गले में खराश और सांस लेने में तकलीफ शामिल हैं। इससे बचाव के उपायों में हाथों को बार-बार साबुन और पानी से धोना, खांसते और छींकते समय मुंह और नाक ढंकना, संक्रमितों से दूरी बनाना, स्वस्थ आहार और पर्याप्त नींद लेना, फ्लू के टीके लगवाना इत्यादि शामिल हैं।

एक नजर

तेज रफ्तार ई रिक्शा पलटने से बच्चा हुआ घायल

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत रहने वाले एक किशोर बच्चा बुरी तरह घायल हो गया। बच्चे के परिजनों से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि मो इमरान उम्र 13 वर्षीय, पिता मो मुन्ना, रसूलपुर दहला साहिबगंज के रहने वाला स्टेडियम रोड से जिरवाबाड़ी ई रिक्शा में बैठ कर किसी काम से जा रहा था। जहां जिरवाबाड़ी के पास तेज रफ्तार ई रिक्शा अनियंत्रित होकर पलटी मार दिया वहीं ई रिक्शा में बैठा बच्चा इमरान बुरी तरह घायल हो गया। घटना की सूचना परिजनों को सूचना दिया गया। जहां तुरन्त घटनास्थल पर पहुंचकर परिजन आनन फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लाया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने बच्चे का इलाज किया। जहां बच्चे का बाया पैर टूट गया है और बुरी तरह चोट लगा है।

आग तापने के दौरान लगी आग से महिला हुई घायल

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत आग तापने के दौरान एक महिला बुरी तरह जल गई। जहां घायल महिला वृंदा देवी उम्र 50 वर्षीय, पति भुनेश्वर यादव, महादेव गंज पश्चिम टोला के रहने वाली से इलाज के दौरान पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि आज सुबह 8:00 बजे ठंड के कारण आग जलाकर ताप रही थी कि अचानक कपड़े में आग लग गई और कमर के नीचे बुरी तरह जल गई। जहां परिजनों ने इलाज के लिए आनन-फानन में सदर अस्पताल साहिबगंज लेकर आया जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने इलाज किया। वहीं महिला इलाज के बाद ठीक है।

बाबाधाम में श्रद्धालुओं से करोड़ों की साइबर ठगी की उच्चस्तरीय जांच हो : भाजपा

देवघर : देवघर के बाबाधाम में साइबर ठगों ने श्रद्धालुओं से करोड़ों रुपए की ठगी की है। भाजपा ने इसे गंभीरता से लेते हुए मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने कहा कि इस मामले में 9 हजार से अधिक श्रद्धालुओं से साढ़े चार करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी की गई है। उन्होंने इसे एक गंभीर मामला बताते हुए कहा कि इतने बड़े स्तर पर ठगी एक दिन में या एक व्यक्ति द्वारा संभव नहीं है। अजय साह ने आगे कहा है कि बाबाधाम हिंदुओं की आस्था का केंद्र है। ऐसे पवित्र स्थल पर साइबर ठगी होना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। हेमंत सरकार के शासन में साइबर अपराधियों के साथ-साथ चोर और डकैत भी सक्रिय हो गए हैं। इस मामले में अजय साह ने राज्य के मंत्री इरफान अंसारी का जिक्र करते हुए कहा है कि उन्होंने जामताड़ा के साइबर अपराधियों की प्रशंसा की थी और उन्हें तेज और ज्ञानी बताया था।

विधायक के निर्देश पर रामनगर चौक पर बंटे 100 कंबल

जमशेदपुर : ठंड के बढ़ते कहर से राहत दिलाने के लिए जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय के निर्देश पर गुरुवार को कदमा के रामनगर चौक पर जरूरतमंद 100 लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया। कंबल पाकर लोगों के चेहरे खिल गये। बताया गया कि अभी कंबल वितरण का कार्य निरंतर चलता रहेगा। यह थे उपस्थित कंबल वितरण के अवसर पर आशुतोष राय, कदमा मंडल भाजपाध्यक्ष भीम सिंह, मुकुल मिश्रा, सुबोध श्रीवास्तव, नीरज सिंह, राकेश सिंह, रविशंकर सिंह, मनोज सिंह, निमाई अग्रवाल, टीडी गांगुली, दिलीप बिस्वान, तारक मुखर्जी समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

बरहरवा में बीडीओ ने प्रखंड की सभी पंचायतों का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : बृहस्पतिवार को प्रत्येक सप्ताह की भांति मनरेगा रोजगार दिवस मनाए जाने को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी सनी कुमार दास ने मिजार्पुर पंचायत का निरीक्षण के दौरान पंचायत में साप्ताहिक रोजगार दिवस नहीं मनाया गया और पंचायत सचिव अनुपस्थित रहे। पंचायत की साफ सफाई एवं पानी की सुविधा देखने को नहीं मिला। रोजगार सेवक रूपचंद मरांडी को खड़ी खोटी सुनाते हुए बोला कि अगर दोबारा ऐसा होगा तो तुम्हारा मानदेय काट लिया जाएगा। हम ऐसा बर्दाश्त नहीं करेंगे और प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा की तुरंत उसपर पर एक्शन लूंगा एवं पंचायत में पानी कि व्यवस्था नहीं होने के कारण एवं साफ सफाई एवं विभिन्न कार्य को लेकर पंचायत सचिव अशोक दास का स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ दिन पूर्व में पंचायत के बोरिंग का मोटर चोरी हो जाने के संबंध में बताया कि कोई नाइट गार्ड यहां पर नहीं रहता है, इसीलिए पंचायत में अज्ञात चोर द्वारा चोरी को अंजाम दिया जा रहा है और सरकारी संपत्ति को नुकसान हो रहा है। रोजगार सेवक पंचायत सचिव रोज सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक पंचायत में जनता से संपर्क कर उनकी समस्याओं को सुनकर निदान करना है। ग्रामीणों को विकास कि प्रगति की छोर पर ले जाना है। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत का ताला तो खोला जाता है लेकिन पंचायत में रोजगार सेवक, ग्राम सेवक सहित कोई सरकारी कर्मचारी हाजिरी देने नहीं आते हैं।साप्ताहिक बृहस्पतिवार को मनरेगा रोजगार दिवस मनाया जाना है, लेकिन आज भी कोई पंचायत में दस्तक नहीं दिए प्रखंड विकास पदाधिकारी दोपहर 1:00 बजे जब मिजार्पुर पंचायत का निरीक्षण किया तो जांच में पाया कि पंचायत सचिव अनुपस्थित रहे। बकरी शेड, जॉब कार्ड में पेमेंट हुआ है कि नहीं आवास का भी निरीक्षण किया गया। जो लाभुक का पैसा भुगतान हो चुका है वह मकान तुरंत से तुरंत बनाकर संपन्न करने का निर्देश दिया है साथ ही या बताया गया कि अगर कोई भी आवास में तकलीफ होता है या किसी भी कार्य में कोई गड़बड़ी होती है तो हमसे बोले हम उसका तुरंत निष्पादन करेंगे। जनता की सेवा ही हमारी लक्ष्य है साथ ही बरहरवा वीपीयो अखिलेश कुमार एवं अन्य अधिकारी सहित ग्रामीण फखरुद्दीन, अली अहमद, समद शेख अब्दुल, रकीब फिरताज नसीम शेख, तौफीक ,आलम आदि मौजूद थे।

मीरा मुंडा ने कालिकापुर की 10 पंचायतों में चलाया सदस्यता अभियान

जमशेदपुर : कालिकापुर की 10 पंचायतों में पोटका से पूर्व भाजपा प्रत्याशी मीरा मुंडा की अगुवाई में आज गुरुवार को ग्रामीणों को भाजपा की सदस्यता दिलाई गई। इस मौके पर मीरा मुंडा ने कहा कि पूरे राज्य में 60 लाख लोगों को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान के पहले दिन क्षेत्र की 10 पंचायतों के लोगों को नमो ऐप के जरिए पहले चरण में प्राइमरी सदस्य के रूप में भाजपा से जोड़ा गया है। इन्हें आने वाले दिनों में सक्रिय सदस्य बनाया जाएगा। सदस्यता अभियान में यह थे शामिल इस सदस्यता अभियान में भारतीय जनता पार्टी की ओर से हलधर नारायण साव, होपेना महाली, पूर्व मुखिया चांद मुनि महाली, चंद्रशेखर गुप्ता, देवा महाली रोमन भगत समेत काफी संख्या में पार्टी कार्यकताओं ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

प्रेम प्रसंग में पत्नी ने ही कराई ही थी हत्या, पत्नी सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : नामकुम थाना क्षेत्र के ब्यांगडीह निवासी पौदा मुंडा की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने मृतक की पत्नी सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया है। गिरफ्तार आरोपितों में मृतक पौदा मुंडा की पत्नी ममता देवी, नामकुम थाना क्षेत्र का सुकवा मुंडा और दुबी मुंडा शामिल हैं। यह जानकारी तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ख्रिस्टोफर केरकेट्टा ने गुरुवार को करा थाना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। एसडीपीओ ने बताया कि पौदा मुंडा का शव तोरपा थाना क्षेत्र अंतर्गत तोरपा सिमडेगा मुख्य पथ के किनारे ओरमेंजा गांव के पास से चार जनवरी को बरामद किया गया था। इस संबंध में तोरपा थाने में मामला दर्ज किया गया था।
मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने एसडीपीओ के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया था। एसडीपीओ ने बताया कि गठित टीम की जांच के क्रम में पता चला कि पौदा मुंडा की हत्या में उसकी पत्नी ममता देवी के अलावा उसी गांव के सुकवा मुंडा और दुबी मुंडा का हाथ है। पुलिस ने छापेमारी कर सभी आरोपितों को ब्यांगडीह गांव से गिरफ्तार किया। एसडीपीओ ने बताया कि पौदा मुंडा की हत्या प्रेम प्रसंग और अवैध संबंध के कारण हुई थी। एसडीपीओ ने बताया कि नामकुम थाना क्षेत्र में हुए एक दोहरे हत्याकांड में पौधा मुंडा जेल गया था। वह लगभग दो साल तक जेल में रहने के बाद जमानत पर छुटा था। उसे जेल से छुड़ाने में सुकवा मुंडा ने मदद की थी। पौदा जब जेल आया, तो उसका संबंध सुकवा की भाभी से हो गया। पौदा की पत्नी का प्रेम संबंध भी दुबी मुंडा से हो गया था। सुकवा को जानकारी मिली कि पौदा का अवैध संबंध उसकी भाभी से है, तो इससे आक्रोशित सुकवा ने पौदा की हत्या करने की योजना बनाई। पौदा की पत्नी को भी इस बात की जानकारी थी। उसने भी पौदा को मारने के लिए हामी भर दी। तय योजना के तहत सुकवा और दुबी मुंडा पौदा को बुलाकर रामपुर बाजार ले गये। वहां तीनों ने शराब के साथ ही गांजा का भी सेवन किया। इसके बाद तीनों दुबी के टाटा मैजिक से निकले। दुबी और सुकवा पौदा को लेकर तोरपा आ गये।यहां मरचा के पास पहुंचते ही सुकवा ने चलते ऑटो में ही पौदा की गला रेतकर हत्या कर दी।

क्रिकेट लीग कम नॉक आउट टूर्नामेंट में माही स्पोर्ट्स येलो ने 125 रनों से दर्ज की जीत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे सीनियर क्रिकेट लीग टूनार्मेंट में गुरुवार को माही स्पोर्ट्स येलो बनाम छत्रपति शिवाजी क्रिकेट क्लब के बीच मैच खेला गया। छत्रपति शिवाजी क्लब ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। माही स्पोर्ट्स येलो ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 25 ओवर में 9 विकेट पर 241 रन बनाया। आदित्य ज्ञान ने 45, अनाउल्लाह अंसारी ने 54, रवि कुमार पासवान ने 54, शोएब व नदीम ने 14-14, अल्तमश ने 13, अकीब ने 10 रन बनाए। छत्रपति शिवाजी क्लब ने हुसैन कुरैशी, शुभेंदु, आदित्य व अभिषेक ने 2-2 व अनुज पराशर ने 1 विकेट लिया। बाद में बल्लेबाजी करने उतरी छत्रपति शिवाजी क्लब 21.4 ओवर में 113 रन बना कर ऑल आउट हो गई। श्रवण ने 12, खालिद कुरैशी ने 46 रनों की पारी खेली। माही स्पोर्ट्स येलो के गेंदबाज अल्तमश व रवि कुमार पासवान ने 4-4 व उमर व सागर ने 1-1 विकेट लिया। माही स्पोर्ट्स येलो ने 125 रनों से जीत दर्ज की। माही स्पोर्ट्स येलो के खिलाड़ी रवि कुमार पासवान को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्यातिथि अधिवक्ता सुरेश बजाज ने रवि कुमार पासवान को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग मो अशफाक आलम व प्रभाकर सिंह उर्फ गुड्डा एवं स्कोरिंग केएस सौरभ ने किया। मौके पर जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा, टूनार्मेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम, प्रभाकर कुमार, राकेश रोशन, राजीव कुमार व अन्य मौजूद थे।

उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में अभिसरण की हुई समीक्षा बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, उधान विभाग, भूमि संरक्षण, लघु सिंचाई, जेएसएलपीएस, मनरेगा की अभिसरण की समीक्षात्मक बैठक की गई। बैठक में पिछले बैठक में दिए गए निदेर्शों के आलोक में कार्यों के विषय में जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विभागों द्वारा दिए गए टारगेट एवं उनके अनुसरण किये जा रहे विषय की जानकारी प्राप्त की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।बैठक में उपायुक्त ने कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, भूमि संरक्षण विभाग, जिला उद्यान, गव्य विकास, मनरेगा, लघु सिंचाई, जेएसएलपीएस, मत्स्य विभाग की कार्य योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली एवं योजनाओं के क्रियान्वय हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए मौके पर उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला सहकारिता पदाधिकारी महादेव मुर्मू, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ हरिशंकर झा, भूमि संरक्षण पदाधिकारी राहुल कुमार गुप्ता, जिला मत्स्य पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार विन्हा अन्य उपस्थित थे।

एक नए सफर की शुरुआत कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : स्टील प्लांट से जनवरी' 2025 में सेवानिवृत होने वाले कुल 90 कार्मिकों को सेवानिवृति से जुड़ी औपचारिकताओं तथा सेवानिवृति के उपरान्त जीवन में आने वाले संभावित परिवर्तनों के समुचित प्रबंन्धन की जानकारी देने के उद्देश्य से गुरुवार को मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में मानव संसाधन के अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ के द्वारा एक नए सफर की शुरूआत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में वरीय प्रबंधक श्रीमती कल्पना ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया तथा नए मेडिक्लेम योजना की जानकारी के साथ कार्यक्रम के प्रयोजन से सभी को अवगत कराया। डॉ जया लक्ष्मी, मेडिकल ऑफिसर और योग विशेषज्ञ कृष्ण बंधु मिश्रा ने इस्पात कर्मियों को योग के माध्यम से स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में बताया। उप महाप्रबंधक श्री अनुपम शी ने उपस्थित समूह को वित्तीय प्रबंधन के विषय में विस्तृत जानकारी दी। एच डी एफ सी लाइफ के प्रबंधक राजेश कुमार ने एन पी एस के बारे में विस्तृत रूप से बताया। नगर प्रशासन विभाग से जितेंद्र कुमार, सहायक महाप्रबंधक ने आवास प्रतिधारण नीति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। पंजाब नेशनल बैंक के अविनाश कुमार एवं मुख्य प्रबंधक संजय कुमार के टीम के सदस्यों ने कार्यक्रम में उपस्थित सुधिजनो को सीनियर सिटीजन के लिए धन निवेश पर सुझाव तथा बैंकिंग सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। सुश्री फिजा परवीन,ओ.सी.टी. ने अंतिम निपटारा गतिविधियों के बारे में बताया। कार्यक्रम का समापन वरीय प्रबंधक श्रीमती कल्पना के धन्यवाद ज्ञापन से किया गया।

संक्षिप्त खबरें

11 हजार हाई टेंशन बिजली की करंट लगने से महिला हुई मूर्छित

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत 11 हजार हाई टेंशन करंट लगने से एक महिला हुई मूर्छित। अस्पताल में घायल अफसाना खातून उम्र 20 वर्षीय, पति मो रहमत अली, कुलीपाड़ा साहिबगंज के रहने वाली ने बताया कि धुला हुआ कपड़ा सूखाने के लिए छत पर गई जहां मेरे छत के बगल से 11 हजार हाई टेंशन बिजली का तार गया है वहीं छत पर कपड़ा पसारने के दौरान गलती से कपड़ा 11 हजार हाई टेंशन तार पर चला गया। जहां 11 हजार हाई टेंशन बिजली का झटका लगने से अफसाना खातून दूर फेंका गई और बेहोश कर मूर्छित हो गई। जहां परिजनों ने आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लाया जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने इलाज किया। वहीं घायल महिला खतरे से बाहर है।

खेलने के दौरान हुई मारपीट, एक घायल

साहिबगंज/राजमहल : तीनपहाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत झरना टोला गांव में गुरुवार को खेलने के दौरान हुए मारपीट में एक 11 वर्षीय बच्चा घायल हो गया। जानकारी के अनुसार सलीम अंसारी के 11 वर्षीय पुत्र सुल्तान अंसारी घर के पास अपने अन्य साथियों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर आपस में वाद विवाद होने लगा जिसमें एक दोस्त के साथ ईट, पत्थर आदि से जमकर मारपीट हो गया और सुल्तान बुरी तरह घायल हो गया। परिजनों को पता चलते ही इलाज के लिए आनन-फानन में अनुमंडल अस्पताल राजमहल लाया गया, जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा इलाज किया गया। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकारी ने जरूरतमंदों के बीच किया कंबल वितरण

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज, अखिल कुमार के द्वारा आज व्यवहार न्यायालय, साहेबगंज के परिसर में जरूरतमंदों के बीच इस कड़ाके की ठंड में कंबल का वितरण किया गया। डालसा सचिव विश्वनाथ भगत द्वारा पैरा लीगल वालंटियर को शामिल कर एक टीम गठित किया गया तथा उनके द्वारा जरूरतमंदों, बेबस, लाचार, बूढ़े, विधवा तथा बच्चों के लिए इस कड़ाके की ठंड में शहर के मुख्य स्थान पर जलावन एवं अलाव का भी व्यवस्था किया गया। प्राधिकार के सचिव ने बताया कि आगे भी जिला प्रशासन तथा नगरपालिका के साथ समन्वय कर कंबल वितरण किया जाएगा तथा जिले के विभिन्न आश्रय गृहों तथा रैन बसेरा का दौरा कर बेघर व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा योजना से जोड़ा जाएगा।

ग्रामीणों ने पीसीसी पथ निर्माण में घोर अनियमितता बरतने का लगाया आरोप

बरहरवा : प्रखंड क्षेत्र के एनएच 80 दुगार्पुर गांव होते हुए एनएच 80 मुनिया होटल तक बन रहे पीसीसी सड़क व पुलिया जिसकी लंबाई 2.2 किमी, प्रकलित राशि लगभग डेढ़ करोड़ रुपए) निर्माण में अनियमितता का आरोप ग्रामीणों ने लगाया है। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से बन रहे सड़क पुलिया निर्माण में संबंधित ठेकेदार द्वारा निर्धारित मानक के विपरीत मैटेरियल उपयोग करने का आरोप हैं। बताया जाता हैं कि उक्त पीसीसी सड़क और पुलिया निर्माण में जमकर मानक की अनदेखी की जा रहीं है। जिससे पीसीसी सड़क पुलिया की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश देखा गया हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त पुलिया निर्माण में मानक की अनदेखी की जा रही है। नाम ना छापने के शर्त पर कुछ ग्रामीणों ने बताया कि पुलिया को केवल धुला और लोकल सीमेंट व सरिया का इस्तेमाल किया गया है। जिससे पुलिया भविष्य में खतरे की घंटी साबित हो सकती है। ग्रामीणों ने उक्त पुलिया निर्माण में उपयोग की जा रहीं मैटेरियल की जाँच की मांग की है। जानकारी हो कि दो पुलिया ऐसा भी बनाया गया है,जहां कोई जरूरत ही नहीं था। लगता है टेंडर फुल करने की मानसिकता से ऐसा किया गया हो। निमार्णाधीन पुल का उच्च स्तरीय जांच होने पर संवेदक का कई चौंकाने वाले राज सामने आ सकते हैं।

सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ मुकेश का इस्तीफा

साहिबगंज : सदर अस्पताल साहिबगंज के प्रशासनिक उपाधीक्षक डॉ मुकेश कुमार ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने डीडीसी सतीश चंद्रा व सिविल सर्जन डॉ प्रवीण संथालिया को इससे संबंधित पत्र सौंपा है। पत्र में उन्होंने कहा है कि उन्हें अक्टूबर 2024 से प्रशासनिक उपाधीक्षक का दायित्व सौंपा गया है। इस दौरान उन्होंने प्रशासनिक कार्यों में सुधार के लिए लगातार प्रयास किया। लेकिन सदर अस्पताल के डॉक्टरों व पारा मेडिकल स्टाफ्स से आपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाने के कारण व्यवस्था में गुणात्मक सुधार नहीं दिख रहा है। डॉक्टरों व कर्मियों में आपसी सामंजस्य भी नहीं है। उन्होंने डीडीसी व सिविल सर्जन से उपाधीक्षक पद से मुक्त करने का आग्रह किया है।

मार्क जुकरबर्ग ने वीडियो के जरिए मेटा के नए फैसले का किया ऐलान

- जुकरबर्ग के हाथ में बंधी लक्जरी घड़ी ने सबका ध्यान खींचा, 250 दिन में बनती है एक वॉच

वाशिंगटन । सोशल मीडिया की दुनिया के मशहूर नाम और फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग ने हाल ही में एक वीडियो के माध्यम से मेटा के नए फैसले का ऐलान किया। उन्होंने घोषणा की कि अमेरिका में मेटा के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर थर्ड-पार्टी फैक्ट-चेकिंग को बंद कर दिया जाएगा। जुकरबर्ग ने इस कदम को स्वतंत्रता के समर्थन में उठाया है, खासकर डोनाल्ड ट्रंप की वापसी के बाद। इस घोषणा के दौरान उनके हाथ में बांधी गई लग्ज़री घड़ी ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस ग्रूबल फोर्सी हैंड मेड 1 वॉच की कीमत लगभग 9 लाख अमेरिकी डॉलर, अर्थात लगभग 7.5 करोड़ भारतीय रुपये है। यह घड़ी दुनिया की सबसे दुर्लभ और बारीकी से बनाई गई घड़ियों में से एक है। इसमें हर एक हिस्सा हाथ से तैयार किया जाता है, जिसमें सबसे जटिल हिस्सा हेरस्प्रिंग भी शामिल है। इसे बनाने में करीब 6,000 घंटे और 3 साल का समय लगता है। इसमें 272 अलग-अलग हिस्से हैं, जिन्हें हाथ से पूरी बारीकी से तैयार किया गया है। इसकी खासियतों में ग्राटे फिनिश, हाथ से पॉलिश किए गए किनारे और विशेष रूप से तैयार किए गए फ्लेम-ब्लू हैंड्स शामिल हैं। इसका केस व्हाइट गोल्ड से बना है और इसका पावर रिजर्व 60 घंटे तक है। यह 30 मीटर गहराई तक वॉटर-रेसिस्टेंट है और 2020 में बेस्ट मेन्स कॉम्प्लिकेशन वॉच का खिताब जीत चुकी है। गौरतलब है कि दुनिया की सबसे महंगी घड़ी ग्राफ डायमंड्स हॉलुसिनेशन है, जिसकी कीमत 55 मिलियन डॉलर, अर्थात लगभग 455 करोड़ भारतीय रुपये है। इस घड़ी के निर्माण में 110 कैरेट के रंग-बिरंगे दुर्लभ हीरों का इस्तेमाल हुआ है, जो अलग-अलग आकार और रंग में हैं। इसे प्लैटिनम ब्रेसलेट पर सेट किया गया है और इसे 2014 में ग्राफ डायमंड्स कंपनी ने पेश किया था।

भारत में स्टारलिंक का लॉन्च बड़े विवाद में फंसा

नई दिल्ली ।

भारत में अमेरिकी उदयोगपति एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक का लॉन्च एक बड़े विवाद में फंस गया है। केंद्र सरकार ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हुई छापेमारी के दौरान तस्करों से स्टारलिंक डिवाइस बरामद होने के बाद इस डिवाइस की खरीद और उपयोग से संबंधित जानकारी मांगी है।

हालांकि, स्टारलिंक ने ग्राहकों की गोपनीयता का हवाला देते हुए यह जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया है। सरकार ने इस मुद्दे पर सख्ती दिखाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि जब तक स्टारलिंक डिवाइस की खरीद और सुरक्षा से संबंधित सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं देती, तब तक भारत में उसके लॉन्च को अनुमति नहीं दी जाएगी। इस घटनाक्रम से न केवल स्टारलिंक के भारत में लॉन्च में देरी हो सकती है, बल्कि कंपनी की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। हाल ही में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अधिकारियों ने एक बड़े ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया था। इस दौरान तस्करों के पास से स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट डिवाइस बरामद हुआ। अधिकारियों का कहना है कि तस्कर इस डिवाइस का इस्तेमाल नेविगेशन के लिए कर रहे थे। इस घटना के बाद सरकार ने स्टारलिंक से इस डिवाइस के खरीदार की जानकारी मांगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह भारत में कैसे पहुंचा।

स्टारलिंक ने सरकार के इस अनुरोध को यह कहते हुए ठुकरा दिया कि वह अपने ग्राहकों की निजता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन सरकार का मानना है कि सुरक्षा से जुड़े मामलों में ऐसी जानकारी साझा करना आवश्यक है। गृह मंत्रालय और दूरसंचार विभाग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कंपनी से स्पष्ट जवाब मांगा है। भारत सरकार के अधिकारियों को चिंता है कि अगर ऐसे उपकरणों का दुरुपयोग जारी रहा तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। उन्होंने स्टारलिंक से यह जानने की मांग की है कि वह अपने उपकरणों के दुरुपयोग को रोकने के लिए क्या कदम उठा रही है और ग्राहकों के डेटा को सुरक्षित रखने के लिए उसकी नीति क्या है। इन विवादों के चलते स्टारलिंक के भारत में लॉन्च की समयसीमा प्रभावित हो सकती है।

इलेक्ट्रिक व्हीकल बाजार में बड़ी साझेदारी की तैयारी

नई दिल्ली

कारें बनाने वाली कंपनी हुंडई इंडिया और टीवीएस मोटर मिलकर इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर बनाने की योजना बना रहे हैं। हुंडई और टीवीएस की यह साझेदारी भारतीय बाजार में न केवल प्रतिस्पर्धा को बढ़ाएगी, बल्कि उपभोक्ताओं को नए और उन्नत विकल्प भी प्रदान करेगी।

भारत के तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक व्हीकल बाजार में एक बड़ी साझेदारी की तैयारी हो रही है। इस नए वाहन का निर्माण टीवीएस द्वारा किया जाएगा, जबकि इसके डिजाइन और इंजीनियरिंग की जिम्मेदारी हुंडई पर होगी।

दोनों कंपनियां इस साझेदारी के माध्यम से लास्ट-माइल मोबिलिटी सेगमेंट में अपनी उपस्थिति मजबूत करना चाहती हैं। सूत्रों के अनुसार, यह सहयोग अनुबंध निर्माण समझौते के तहत किया जाएगा, जिसमें हुंडई अपना माइक्रो-मोबिलिटी व्हीकल आर्किटेक्चर भी टीवीएस के साथ साझा करेगी। हालांकि, दोनों कंपनियों ने आधिकारिक रूप से इस साझेदारी की पुष्टि नहीं की है। हुंडई अपने क्रेटा ईवी और अन्य कॉन्सेप्ट्स को आगामी भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में पेश करने की योजना बना रही है। वहीं, टीवीएस भी 2025 तक अपना खुद का इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है।

इस साझेदारी के जरिए हुंडई को भारत में अपने ऐप-आधारित प्लेटफॉर्म शुकले को लॉन्च करने का अवसर मिलेगा। शुकले एक डिमांड-रिस्पॉन्सिव राइड-पूलिंग सेवा है, जो रीयल-टाइम डिमांड के आधार पर फ्लेक्सिबल रूटिंग प्रदान करती है। भारत में इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर की मांग तेजी से बढ़ रही है। 2024 में इस सेगमेंट की 20 प्रतिशत ग्रोथ दर्ज की गई, और 6,31,855 यूनिट्स बेची गईं। वर्तमान में महिंद्रा इस बाजार में अग्रणी है, जबकि बजाज और कई स्टार्टअप्स भी अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गुरुवार को भी कोई बदलाव नहीं देखा जा रहा है।

मार्च 2024 के बाद से ईंधन की कीमतों में कोई संशोधन नहीं किया गया है। तेल कंपनियों के मुतो बिक गुरुवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतें देश के प्रमुख शहरों मे इस प्रकार हैं-

मुंबई में पेट्रोल 103.94 रुपए प्रति लीटर, डीजल 89.97 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 103.94 रुपए प्रति लीटर, डीजल 90.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 100.85 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.44 रुपए प्रति लीटर, बेंगलुरु पेट्रोल 102.86 रुपए प्रति लीटर, डीजल 88.94 रुपए प्रति लीटर। लखनऊ पेट्रोल 94.65 रुपए प्रति लीटर, डीजल 87.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा पेट्रोल 94.87 रुपए प्रति लीटर, डीजल 87.76 रुपए प्रति लीटर, गुरुग्राम पेट्रोल 94.98 रुपए प्रति लीटर, डीजल 87.85 रुपए प्रति लीटर, चंडीगढ़ पेट्रोल 94.24 रुपए प्रति लीटर, डीजल 82.40 रुपए प्रति लीटर, पटना पेट्रोल 105.42 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.27 रुपए प्रति लीटर।

सेबी ने क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के लिए समयसीमा में संशोधन किया

सेबी का मुख्य उद्देश्य निवेशकों को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी शेयर बाजार की ओर ले जाना

नई दिल्ली ।

हाल ही में सेबी ने क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों की सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से समयसीमा में परिवर्तन किया है। अब रेटिंग एजेंसियों को क्रियाकलापों को लेकर प्रेस विज्ञप्ति जारी करने के लिए कार्य दिवसों की समयसीमा बढ़ा दी गई है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि निवेशकों को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी शेयर बाजार की ओर ले जाना। सेबी के इस प्रक्रियापरक संशोधन के तहत क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों को सात कार्य दिवसों की समयसीमा के भीतर रेटिंग कार्रवाइयों पर प्रेस विज्ञप्ति जारी करने की अनिवार्यता है। इसके साथ ही चूक न करने वाला ब्योरा एनडीएस को तीन महीनों तक न देने पर संशोधित समयसीमा को पांच कार्यदिवस में समायोजित किया गया है। इससे क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों को ज्यादा जिम्मेदारी सहित काम करने का दबाव महसूस होगा।

सेबी के नियमों में किए गए बदलावों के बाद शेयर बाजार में गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देने वाले ब्रोकर और बड़ी कंपनियों पर भी नजर रखी जा रही है। सेबी ने हाल ही में फ्रंट रनिंग के मामले में जुर्माने और प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। इससे शेयर बाजार में निवेशकों की रक्षा और बाजार की पारदर्शिता होने में मदद मिलेगी। सेबी के नए निर्देशों के माध्यम से निवेशकों को शेयर बाजार में अधिक विश्वास मिलेगा। सुरक्षित और पारदर्शी बाजार में निवेश करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो अच्छे नियत से निवेशकों की सुरक्षा और हित की रक्षा करेगा।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 6 पैसे की बढ़त के साथ ही 85.85 रुपये पर बंद हुआ। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में एक पैसे की गिरावट के साथ 85.92 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया। इसके साथ ही रुपये में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी बॉण्ड पर अधिक प्रतिफल के बीच विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से भी अमेरिकी मुद्रा को बल मिला, जबकि घरेलू शेयर बाजारों में मंदी के कारण भी रुपये में और गिरावट आई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.94 प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर खुला। शुरुआती सौदों में डॉलर के मुकाबले 85.92 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 17 पैसे टूटकर 85.91 के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाले डॉलर सूचकांक में हालांकि 0.11 फीसदी की गिरावट आई लेकिन वह 108.80 के मजबूत स्तर पर बना रहा।

टीवी टुडे नेटवर्क अपना रेडियो कारोबार 104.8 एफएम करेगी बंद

नई दिल्ली । मीडिया हाउस टीवी टुडे नेटवर्क अपने इश्क 104.8 एफएम ब्रांड नाम के तहत संचालित रेडियो कारोबार को अगले छह महीने में बंद करने पर विचार कर रही है। टीवी टुडे नेटवर्क लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी के निदेशक मंडल ने गुरुवार को हुई बैठक में एफएम रेडियो कारोबार को बंद करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। टीवी टुडे नेटवर्क वर्तमान में 104.8 एफएम आवृत्ति (फ्रीक्वेंसी) के तहत मुंबई, दिल्ली और कोलकाता में तीन एफएम रेडियो स्टेशन संचालित करता है। इसने वित्त वर्ष 2023-24 में इसके राजस्व में 1.7 प्रतिशत का योगदान दिया था। कंपनी के अनुसार टीवी टुडे नेटवर्क लिमिटेड के निदेशक मंडल ने बैठक में अन्य बातों के साथ-साथ नियामक अनुमोदन और अन्य आवश्यक अनुपालनों को पूर्ण करने के अधीन कंपनी के एफएम रेडियो प्रसारण परिचालन को बंद करने को मंजूरी दे दी है। टीवी टुडे ने बताया कि रेडियो कारोबार करीब एक से छह महीने में बंद हो जाएगा। निजी समाचार चैनल प्रसारक ने कहा कि उद्योग की स्थिति, इसकी गतिशीलता और एफएम रेडियो प्रसारण व्यवसाय के विकास को देखते हुए निदेशक मंडल ने इस कारोबार को जारी रखने के बजाय इसे बंद करना ही कंपनी के हित में समझा।

सरकार एमएसएमई क्षेत्र के लिए नई ऋण गारंटी योजना जल्द करेगी शुरू

प्रत्येक आवेदक को 100 करोड़ रुपये तक की गारंटी मिलेगी

नई दिल्ली । वित्तीय सेवा सचिव एम. नागराजू ने घोषणा की कि सरकार जल्द ही एक नई ऋण गारंटी योजना शुरू करेगी जो सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों के लिए होगी। इस योजना के तहत उपलब्ध होंगे तकरीबन 100 करोड़ रुपये तक के ऋण। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया था कि यह योजना 2024-25 के बजट में घोषित की गई थी। यह ऋण गारंटी योजना टर्म लोन की सुविधा प्रदान करेगी एमएसएमई को मशीनरी और उपकरण खरीदने के लिए। एक स्व-वित्तपोषण गारंटी कोष प्रत्येक आवेदक को 100 करोड़ रुपये तक की गारंटी प्रदान करेगा। नागराजू ने बताया कि एमएसएमई का योगदान भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण है और यह योजना इसकी वृद्धि को गति देगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को अधिक ऋण पहुंचाने के लिए सरकार कल्पना भरी है। उन्होंने दिखाया कि यह सरकार की मिशन है कि देश चारों दिशाओं में विकास करे और गुणवत्ता, निर्यात के लिए संपर्क और क्षमता निर्माण की दिशा में काम करे।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आई है। कंपनियों के तीसरी तिमाही के परिणामों के कमजोर रहने की आशंका और अमेरिकी ब्याज दरों में कम बार कटौती के संकेतों से भी निवेशकों ने सतर्कता बरती। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 528 अंक करीब 0.68 फीसदी की गिरावट के साथ ही 77,620.21 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 162.45 अंक तकरीबन 0.69 फीसदी टूटकर 23,526.50 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाटा स्टील, जोमैटो, एलएंडटी, टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टूब्रो, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सन फार्मा, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, टीसीएस, बजाज फाइनेंस और एनटीपीसी के शेयर शेयर लाल निशान पर बंद हुए।

वहीं नेस्ले इंडिया, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक बैंक, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल और आईटीसी के शेयर हरे निशान में बंद हुए।

जानकारों के अनुसार बाजार में ये गिरावट विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला लगातार जारी रहने से भी आई है। आईटी और वित्तीय शेयरों में बिकवाली से भी बाजार नीचे आया।

वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजारों की बात करें तो उनमें अस्थिरता दिखी। एशिया-प्रशांत के बाजार नीचे आये । वॉल स्ट्रीट के उतार-चढ़ाव वाले सेशन और फेडरल रिजर्व की बैठक के कारण भी निवेशकों में घबराहट रही। बैठक में संकेत दिया गया कि मुद्रास्फीति के बढ़ते दबावों के कारण ब्याज दरें लंबे समय तक अधिक बनी रह सकती हैं। वहीं

गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स गुरुवार को करीब 140 अंक की गिरावट लेकर 78,206 पर खुला। इसी तरह एनएसई निफ्टी 86.8 अंक फिसलकर 23,602.15 अंक पर खुला।। एशियाई बाजारों में निवेशक चीन के दिसंबर मुद्रास्फीति आंकड़ों का इंतजार कर रहे थे। निक्केई 0.49 फीसदी गिरा, टॉपिक्स इंडेक्स में 0.61 फीसदी की गिरावट रही और एएसएक्स 200 में 0.40 फीसदी की कमी दर्ज की गई। हालांकि, कोस्पी ने हल्की बढ़त के साथ कारोबार किया। अमेरिकी बाजारों में एसएंडपी 500 और डॉव जोन्स ने मामूली बढ़त दर्ज की। फेडरल रिजर्व के मिनट्स से यह साफ हुआ कि नीति निर्माताओं को मुद्रास्फीति के जोखिम बढ़ने की चिंता है, जिससे नीतिगत ढील की गति धीमी होने की संभावना जताई जा रही है। एसएंडपी 500 में 0.16 फीसदी की बढ़त रही, डॉव जोन्स 0.25 फीसदी चढ़ा, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.06 फीसदी गिरकर बंद हुआ।

जुपिटर क्षमता विस्तार पर 6,500 करोड़ का करेगी निवेश

नई दिल्ली । सौर समाधान प्रदाता जुपिटर इंटरनेशनल ने अगले तीन साल में क्षमता को बढ़ाने के लिए 6,500 करोड़ रुपये का निवेश करने की गुरुवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि वेफर्स के लिए तीन गीगावाट, सेल्स के लिए 9.4 गीगावाट, और मॉड्यूल के लिए छह गीगावाट की नियोजित क्षमता के साथ उसका लक्ष्य अत्याधुनिक व विश्वसनीय सौर समाधानों के साथ बढ़ती बाजार मांग को पूरा करना है। जुपिटर इंटरनेशनल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जुपिटर में हम सिर्फ क्षमता विनिर्माण ही नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम सौर विनिर्माण में अग्रणी होने का अर्थ भी पुनर्परिभाषित कर रहे हैं।

सीमेंट सेक्टर का सबसे बड़ा आईपीओ आने को तैयार

जेएसडब्ल्यू सीमेंट का यह आईपीओ सेक्टर में एक महत्वपूर्ण कदम है

नई दिल्ली । जीएसडब्ल्यू सीमेंट ने आईपीओ लाने की तैयारी कर ली है, उम्मीद की जा रही है कि यह आईपीओ जल्द ही बाजार में प्रवेश करेगा। कंपनी इस आईपीओ के माध्यम से 4000 करोड़ रुपए की राशि जुटाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। सेबी की मंजूरी के बाद इस आईपीओ ली प्रक्रिया की शुरुआत की जा रही है। 2000 करोड़ रुपए के फ्रेश इश्यू के साथ ही 2000 करोड़ रुपए का ऑफर फॉर सेल भी होगा। इस ऑफर फॉर सेल में अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट, सिनर्जी मेटल्स इन्वेस्टमेंट होल्डिंग और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया भी शामिल होंगे। जेएसडब्ल्यू सीमेंट का यह आईपीओ सेक्टर में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो नुवोको विस्टा के बाद सीमेंट उद्यम के लिए सबसे बड़ा आईपीओ होगा। जुटाई गई राशि का इस्तेमाल नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट बनाने, कर्ज चुकाने और कॉर्पोरेट जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा। जेएसडब्ल्यू सीमेंट जल्द ही अपनी ग्राइंडिंग कैपेसिटी बढ़ाकर देशभर में अपनी मौजूदगी मजबूत करने की योजना बना रही है। जीएसडब्ल्यू सीमेंट का यह कदम निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद मौका प्रदान करता है, जो सीमेंट सेक्टर में अपनी स्थिति मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है।

आर्थिक समीक्षा: आईफोन बनाने वाली कंपनी ने भारत से की अरबों रुपये की मांग!

- कंपनियों का कहना है कि उन्हें सरकार की प्रोडक्शन इंसेंटिव स्कीम के तहत रकम मिलनी चाहिए थी

नई दिल्ली ।

आईटी उद्योग के दो बड़े नाम फॉक्सकॉन और डिक्सन टेक्नोलॉजीज ने भारत सरकार से अरबों रुपये की मांग की है। इन दोनों कंपनियों का कहना है कि उन्हें सरकार की प्रोडक्शन इंसेंटिव स्कीम के तहत यह रकम मिलनी चाहिए थी। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने इस स्कीम के तहत मैन्युफैक्चरर्स को देने का वादा किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाई गई प्रोडक्शन-लिंक्ड सब्सिडी योजना के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों के लिए एक निश्चित मूल्य निर्धारित किया गया है। यह योजना उन कंपनियों को सब्सिडी देगी जो अपनी सीमा तक उत्पादन नहीं कर पाती हैं। बची हुई सब्सिडी उन कंपनियों को दी जाएगी, जिन्होंने अधिक उत्पादन किया है।

इस समय कंपनियों की जिज्ञासा में लाया जा रहा है कि सरकार की नीतियों के महत्वाकांक्षाओं के लिए यह एक महत्वपूर्ण परीक्षण है। इन कंपनियों ने भारत में बड़े निवेश किए हैं और उनका कहना है कि सरकार को उन नियमों का पालन करना चाहिए, जिनके तहत उन्होंने निवेश किया है। भारत में चिप निर्माताओं और टेक कंपनियों को क्लाउड कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विस्तार के लिए अरबों का निवेश करने की आकर्षण महत्वपूर्ण है। इस योजना के माध्यम से कंपनियों को और भी बढ़ावा मिलेगा और देश की अर्थव्यवस्था में संवेदनशीलता और गति आएगी। इस मामले में सरकार के निर्णय का बड़ा महत्व है। फॉक्सकॉन और डिक्सन की मांग को देखते हुए, सरकार को सकारात्मक और कारगर निर्णय लेने की आवश्यकता है ताकि आगे बढ़ने में आईटी सेक्टर को पोषित किया जा सके। अंत में यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उत्कृष्ट नीतियों के माध्यम से आईटी कंपनियों को यह सुनिश्चित किया जाए कि वे देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करने के लिए समर्थ हैं और देश के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

चालू वित्त वर्ष में 6.3 फीसदी रहेगी आर्थिक वृद्धि दर: एसबीआई

नई दिल्ली। एसबीआई द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले वित्त वर्ष 2024-25 में आर्थिक वृद्धि दर देश के अच्छे वृद्धि के दौरान राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के पूर्वानुमान से कम रह सकती है। एनएसओ ने 2024-25 के जीडीपी की वृद्धि दर का अनुमान बताया है, जो एसबीआई के दावे से कम है। इस दावे के बीच का अंतर हमेशा रहा है, पर इस बार यह 0.20-0.30 फीसदी तक हो सकता है। चालू वित्त वर्ष के लिए अब उचित अनुमान के रूप में 6.4 फीसदी की वृद्धि दर बाह्य दिख रही है, लेकिन एसबीआई का कहना है कि यह 6.3 फीसदी भी हो सकती है। आरबीआई का विकास दर का अनुमान 6.6 फीसदी है। अगले वर्ष राजकोषीय घाटे में एक अक्षमता होने की संभावना है, इसलिए सरकार चाहेगी कि उसके अनुरूप व्यवहार करने के संभावना समय पर हो। जीडीपी में सुस्ती की पहली अग्रिम अनुमान सुझाव देती है, लेकिन पहले महीने में चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा 4.9 फीसदी हो सकता है। एक अच्छा संकेत है कि निर्यात में भी अच्छी गति है, जो आर्थिक वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।

धरना-प्रदर्शन और अनशन से नहीं झुका बीपीएससी

आयोग ने जारी की 70वीं पीटी की आंसर की अनशन पर पीके और 12 को फिर बिहार बंद

पटना। अभ्यर्थियों का धरना-प्रदर्शन और राजनीति बयानों के बीच बुधवार को बीपीएससी ने 70वीं पीटी परीक्षा का अंतरिम आंसर की जारी कर दिया है। वहीं, आयोग अपने फैसले पर कायम है। वो किसी भी स्थिति में इस परीक्षा को रद्द नहीं करेगा। वहीं, 70वीं पीटी परीक्षा को रद्द करवाने को लेकर जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर पिछले 7 दिनों से अनशन पर हैं। पीके ने कहा है 'कुछ भी हो मांग पूरी होने तक लड़ेंगे।' इसके साथ ही सांसद पप्पू यादव ने 12 जनवरी को बिहार बंद का ऐलान किया है। आयोग ने आंसर की को लेकर अभ्यर्थियों से दावा आपत्ति मांगी है। इसके लिए 16 जनवरी तक का समय कैंडिडेट को दिया गया है। इसके बाद फाइनल आंसर की जारी की जाएगी। अभ्यर्थी बीपीएससी की वेबसाइट www.bpsc.nic.in पर जाकर आंसर की देख सकते हैं।

4 जनवरी को बापू परीक्षा परिसर में बीपीएससी 70वीं की पीटी की कैंसिल की गई परीक्षा ली गई है। यह परीक्षा 22 केन्द्रों पर हुई। परीक्षा के दौरान ही बीपीएससी ने ऐलान किया कि जनवरी के अंतिम सप्ताह में पीटी का रिजल्ट आएगा। मेन्स की परीक्षा अप्रैल में होगी। बीपीएससी 70वीं पीटी परीक्षा रद्द करवाने समेत अन्य मांगों को लेकर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर का आमरण अनशन जारी है। आज 7वां दिन है। तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें मंगलवार को मेदांता अस्पताल के ICU वार्ड में एडमिट कराया गया था। इसके बाद भी उनका अनशन जारी है। बुधवार को बीपीएससी कैंडिडेट्स प्रशांत किशोर से मिलने पहुंचे। उन्होंने PK से अनशन खत्म करने की अपील की। प्रशांत ने अभ्यर्थियों से कहा कि मांगे पूरी होने तक अनशन जारी रहेगा। बीपीएससी पीटी परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर जनसुराज पार्टी पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर करेगी। उनके वकील का कहना है कि सीधा सुप्रीम कोर्ट जाएंगे तो याचिका खारिज कर दी जाएगी। ऐसे में पहले पटना पटना हाईकोर्ट में जाना सही रहेगा। इससे पहले मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में बीपीएससी परीक्षा रद्द करने की याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को पटना हाईकोर्ट जाने को कहा था। पप्पू यादव ने बीपीएससी पीटी की परीक्षा रद्द करने की मांग को रखते हुए 12 जनवरी को बिहार बंद का ऐलान किया है। साथ ही विपक्ष के सभी पार्टियों को भी शामिल होने का आमंत्रण दिया है। पप्पू यादव ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि बिहार बंद में विपक्ष के सभी दलों को शामिल होना चाहिए । पप्पू यादव ने कहा था कि बिहार बंद में अगर तेजस्वी यादव शामिल होते हैं, तो उनके नेतृत्व में हम चलने के लिए तैयार है। बता दे कि बीते दिन मंगलवार को पप्पू यादव ने बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात की थी।

इस दौरान उन्होंने बीपीएससी 70वीं प्री परीक्षा रद्द करने की मांग को रखते हुए ज्ञापन सौंपा था

पुलिस पर किन्नरों को पीटने का आरोप

पटना। के बाईपास थाना क्षेत्र के महादेव स्थान के नजदीक बुधवार देर रात भारी वाहनों से बख्शीश मांग रहे किन्नरों को पुलिस ने खदेड़ दिया। किन्नरों का आरोप है कि उनके साथ मारपीट की गई है। दो किन्नर घायल भी हैं। इसके विरोध में भारी संख्या में किन्नर बाईपास थाने पर पहुंचे और जमकर हंगामा किया। किन्नर समाज की माला गुप्ता ने बताया कि सरकार द्वारा किन्नरों को मुख्य धारा से जोड़ने की कई बार बात कही गई है। इसके बावजूद भी उन लोगों को अभी तक मुख्य धारा से नहीं जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि वो बख्शीश मांग कर पेट पालते हैं। किन्नर होने के कारण सामाजिक तौर पर भी तिरस्कार किया जाता है। उनके पास रोजी-रोटी का कोई दूसरा साधन नहीं है। इसके कारण वह सड़कों पर और शादी विवाह, किसी खुशी के मौके पर बख्शीश मांग कर अपना पेट पालन करते हैं।

पुलिस बोली- जबरन वसूली की शिकायत पर हटाया माला गुप्ता ने बताया कि पुलिस के द्वारा उन लोगों की पिटाई की गई है। माला गुप्ता ने बताया कि पुलिस के द्वारा पीटाई से छोटी, रुबीना और अंशिका किन्नर घायल हो गई हैं। उन्हें गहरी चोट लगी है। वो किन्नरों की पिटाई करने वाले पुलिस पदाधिकारी पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। इसे लेकर वो सभी बाईपास थाने पर पहुंचकर जमकर प्रदर्शन किया। इस मामले को लेकर बाईपास थाना प्रभारी ने बताया कि ट्रक वालों से किन्नर लोग जबरन पैसा वसूल रहे थे। इसकी शिकायत मिलने के बाद पुलिस के द्वारा किन्नरो को वहां से हटा दिया गया है।

अगले 3 दिनों तक हाड़ कंपाने वाली ठंड महसूस होगी

पटना। बिहार में कड़ाके की ठंड से फिलहाल राहत मिलने की संभावना नहीं है। प्रदेश में बर्फीली उत्तरी-पश्चिमी हवा चल रही है। इसके साथ ही अधिकतम और न्यूनतम तापमान का अंतर कम हो गया है। इससे दिन-रात सामान्य रूप से हाड़ कंपाने वाली ठंड महसूस हो रही है। मौसम विज्ञान केंद्र ने अपने पूवार्नुमान में कहा है कि 'अगले तीन दिनों तक मौसम में कोई खास परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। इसके बाद न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने का पूवार्नुमान है। वहीं, राज्य के उत्तर-मध्य, उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व हिस्सों के अधिकांश जिलों में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। बुधवार को पटना, गया, भागलपुर, पूर्णिया में कोल्ड डे जैसे हालात बने रहे। छपरा दूसरे दिन भी बुधवार को सबसे सर्द रहा। यहां का न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री से. रहा। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज प्रदेश के 18 जिलों में कोहरे का अलर्ट जारी किया है। कोहरे की वजह से विजिबिलिटी 150 से 200 मीटर तक रहने की संभावना है। वहीं, कोहरे की वजह से रेलवे ने बिहार से गुजरने वाली 3 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों को कैंसिल कर दिया है। वहीं 10 जनवरी को सीतामढ़ी, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, वैशाली, शिवहर, समस्तीपुर, किशनगंज, अररिया, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, भागलपुर, मुंगेर, बांका और जमुई में सुबह में घना कोहरा रहेगा। पटना में अगले दो तीन दिनों में न्यूनतम पारा में कोई परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 10 जनवरी से एक नया पश्चिमी विक्षोभ आने की संभावना है। यह नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पश्चिम भारत को 10 जनवरी से प्रभावित कर सकता है। अभी एक पश्चिमी विक्षोभ ट्रफ के रूप में समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर स्थित है। साथ ही एक चक्रवातीय परिसंचरण उत्तर प्रदेश औक आसपास के क्षेत्रों में समुद्र तल से 0.9 किमी ऊपर बना है। यही वजह है कि बिहार में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। 14 जनवरी तक पटना समेत बिहार का न्यूनतम पारा 10-12 डिग्री से. रहने की उम्मीद है। जबकि दक्षिणी पूर्वी बिहार में अधिकतम पारा 20 से 22 डिग्री तक रहने की उम्मीद है। शीतलहर से अधिक खतरनाक है कोल्ड डे मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, शीतलहर से ज्यादा खतरनाक कोल्ड डे होता है। इसकी वजह है कि न्यूनतम और अधिकतम तापमान में अंतर कम हो जाता है। इससे ठंड अधिक लगती है। इस ठंड में हार्ट अटैक, ब्रेन हेमरेज, ब्रेन स्ट्रोक और निमोनिया जैसी बीमारियां हो जाती हैं। अचानक ठंड लगती है। शीतलहर में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस तक चला जाता है, लेकिन अधिकतम तापमान में अधिक बदलाव नहीं होता है।

सुबह कुहासा रहता है। लेकिन दिन में धूप निकलती है।

बिहार के 60% नाबालिग रोज 5 घंटे बनाते हैं रील्स

पटना। बिहार में बच्चों पर सोशल मीडिया का बहुत बुरा असर पड़ रहा है। बिहार के 60% किशोर 4-5 घंटे रील्स बनाने में बर्बाद कर रहे हैं। यह खुलासा राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्ययन में हुआ है। आयोग ने 2024 में जुलाई से लेकर नवंबर तक बिहार के 2 लाख 56 हजार किशोर और किशोरियों पर अध्ययन किया गया था। सबसे ज्यादा खराब स्थिति 10 से 20 साल तक के किशोर की है। आयोग के आंकड़े चिंताजनक हैं, क्योंकि 2020 में राज्य के 15% किशोर ही रील्स बनाने में समय देते थे। बच्चे रील्स बनाने में समय बर्बाद तो करते ही हैं। साथ ही पोस्ट करने के बाद उसे कितने लोगों ने देखा और फॉलो किया इसमें भी समय बर्बाद कर रहे हैं। इसमें लड़के और लड़कियां दोनों शामिल हैं। वहीं, कुछ सोशल मीडिया से ही क्राइम करना भी सीख रहे हैं। हालांकि, केंद्र के नए ड्रॉफ्ट के अनुसार, अब 18 साल से कम उम्र के बच्चे बिना अपने पेरेंट्स के परमिशन के सोशल मीडिया पर अकाउंट नहीं खोल सकेंगे। डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट (DPDP), 2023 के ड्रॉफ्ट को देखकर पेरेंट्स ने खुशी जाहिर की है। सितंबर 2024 में सीवान से धारा 377 का मामला सामने आया था, जिसमें दो नाबालिग लड़कों ने सोशल मीडिया से प्रभावित होकर आपस में अन-नेचुरल सेक्स किया था। सीवान के जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट महेंद्र मिश्रा ने बताया कि एक लड़के की उम्र 12 साल और दूसरे की 10 साल थी। दोनों बच्चों ने बताया था कि गांव के ही एक शख्स ने मोबाइल में अश्लील चीजें दिखाई थी। सोशल मीडिया पर ऐसी चीजें देखने के बाद उनका सेक्स करने का मन कर गया। इसे प्रैक्टिकल करने के लिए दोनों लड़के जंगल की तरफ गए और अन-नेचुरल सेक्स को अंजाम दिया।अगस्त 2024 में एक मामला सामने आया था, जिसमें मुजफ्फरपुर के 5 बच्चों ने यूट्यूब देखकर पटाखा बनाना सीखा था। इनमें 7 साल से लेकर 12 साल के नाबालिग बच्चे थे। रट्ठ राकेश कुमार के मुताबिक, बच्चे सोशल मीडिया से वीडियो देखकर टॉर्च में माचिस और बारूद भरकर पटाखा बना रहे थे, इसी दौरान विस्फोट हो गया। इसमें सभी बच्चे घायल हो गए थे। घायलों को इलाज के लिए गायघाट PHC लाया गया था। इनमें से दो की हालत गंभीर थी। सभी एक ही गांव के रहने वाले थें। तीन बच्चे एक परिवार और दो बच्चे दूसरे परिवार के थे।मार्च 2022 में शेखपुरा के बरबीघा में 6 नाबालिग लड़कों ने 2 बच्चियों से गैंगरेप किया था। इसके बाद उन्होंने बच्चियों को 3 रुपए दिए और कहा कि इसके बारे में किसी को मत बताना। थानाध्यक्ष के मुताबिक, इन 6 दोस्तों ने शाम करीब 5-6 बजे के दौरान एक जगह बैठकर सोशल मीडिया पर पॉर्न देखा था। इसके बाद उन्होंने वैसी ही हरकत करनी चाही। वहां से कुछ ही दूर गांव के खेत में दो लड़कियां साग तोड़ रही थीं। इसके बाद उन्होंने उन बच्चियों को उठा लिया और बारी-बारी से दोनों बच्चियों के साथ रेप किया। पुलिस के मुताबिक घटना में शामिल सभी लड़के 10 से 12 साल के थे।

जबकि, दोनों बच्चियां 8 साल की थी।

एचएमपीवी वायरस को लेकर अलर्ट मोड में सदर अस्पताल

सहरसा। के सदर अस्पताल में HMPV (मन मेटा न्यूमो वायरस) को लेकर पूरी सतर्कता बरती जा रही है। इस वायरस से निपटने के लिए सहरसा सदर अस्पताल में 10 बेड का एक स्पेशल वार्ड बनाया गया है। इस वार्ड में मरीजों के इलाज के लिए सभी आवश्यक दवाएं और संसाधन उपलब्ध कराए गए है। हालांकि, अब तक सहरसा में HMPV वायरस से संक्रमित किसी भी मरीज की पुष्टि नहीं हुई है। अस्पताल उपाधीक्षक एसपी विश्वास ने बताया कि HMPV से निपटने के लिए अस्पताल में समुचित व्यवस्था है। यदि किसी मरीज में इस वायरस के लक्षण पाए जाते है, तो उसका सैंपल लेकर जांच के लिए पुणे भेजा जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि अस्पताल में इस प्रकार के मरीजों के इलाज के लिए सभी दवाएं उपलब्ध है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि HMPV एक गंभीर श्वसन रोग है, जो बच्चों और बुजुर्गों को अधिक प्रभावित कर सकता है। इसलिए प्रशासन सतर्क है और संभावित मरीजों के इलाज के लिए पूरी तरह तैयार है।

नुक्कड़ नाटक से अशिक्षित युवाओं की लाचारी दशार्यी

नालंदा। असम के कोकराझार में आयोजित 5 दिवसीय बॉर्डर यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में बिहार के युवाओं ने अपनी प्रतिभा दिखाई। कार्यक्रम में बिहार से नालंदा के अभय नंदन पांडेय, धर्मेंद्र कुमार, सिंटू कुमार, अमन वर्मा सहित 5 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और बिहार का प्रतिनिधित्व किया। बिहार से आए प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में शिक्षा के महत्व पर एक नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। नाटक से उन्होंने शिक्षा से दूर रहने वाले युवाओं की लाचारी को दशार्या और शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। नेहरू युवा केंद्र कोकराझार के डीबाईओ हिमांशु कुमार ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों के युवाओं को देश के विभिन्न हिस्सों की संस्कृति से जोड़ना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं में एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा मिलता है।कार्यक्रम में बिहार के अलावा झारखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल से भी युवा प्रतिनिधि शामिल हुए। सभी प्रतिभागियों ने मिलकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया और अपने-अपने राज्यों की संस्कृति से अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को कोकराझार के बोडो कल्चर के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें सरलपाड़ा और ट्री गार्डन जैसे स्थलों का भ्रमण कराया गया। कार्यक्रम में युवाओं के लिए विकसित भारत और अन्य सामाजिक विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए गए।

एमएलसी बोले, देश में कॉमन स्कूल सिस्टम लागू हो

मुजफ्फरपुर। तिरहुत स्नातक क्षेत्र से विधान परिषद के नवनिर्वाचित सदस्य वंशीधर बृजवासी ने नई शिक्षा नीति पर आवाज उठाई है। उन्होंने देश में लागू शिक्षा नीति को बदलने की बात कही है। उनका कहना है कि देश में एक दो-तीन नहीं बल्कि बहुरंगी शिक्षा व्यवस्था चल रही है। जो देश के लिए घातक है। गरीब, मजदूर, अमीर सभी के लिए अलग-अलग शिक्षा व्यवस्था है. लेकिन जब किसी भी चीज की कंपटीशन की परीक्षा होती है तो एक ही होती है। जब शिक्षा व्यवस्था बहुरंगी है तो परीक्षा भी अलग-अलग होनी चाहिए। एमएलसी वंशीधर बृजवासी ने बुधवार को अपने आवास पर बयान जारी कर कहा कि देश में बहुरंगी शिक्षा व्यवस्था है। गरीब और मजदूर बच्चों को अलग शिक्षा दी जा रही है। अमीर के बच्चों को अलग शिक्षा मिलती है, लेकिन परीक्षा एक ही होती है। जब शिक्षा अलग है तो परीक्षा एक क्यों, गरीब के बच्चों के लिए अलग परीक्षा होनी चाहिए। बोर्डिंग स्कूल और अमीर के बच्चों के लिए अलग परीक्षा होनी चाहिए। देश में कॉमन स्कूल सिस्टम लागू होना चाहिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2005 में इस पर रिपोर्ट तैयार किया, लेकिन वह ठंडे बस्ते में चली गई। बिहार बोर्ड के 9वीं कक्षा में गायक व नेता मनोज तिवारी के बारे में पढ़ाया जाता है। गरीबों के बच्चे का आदर्श मनोज तिवारी बनेंगे और अमीर के बच्चों का आदर्श आइंस्टीन बनेंगे। नौकरी वाली परीक्षा में आइंस्टीन से संबंधित सवाल होंगे। मनोज तिवारी के बारे में सवाल पूछा नहीं जाएगा। मोदी जी जिस तरह वन नेशन वन इलेक्शन की बात करते हैं, उसी तरह वन एजुकेशन की बात होनी चाहिए। किसी भी जात का बच्चा हो या राष्ट्रपति का बच्चा हो एक सिलेबस एक बोर्ड होना चाहिए। एक स्कूल एक शिक्षा और एक परीक्षा की व्यवस्था लागू होनी चाहिए।

एकल शिक्षा की कोई परिकल्पना नहीं होती दरअसल, नई शिक्षा नीति के तहत कुछ बदलाव किए गए हैं। सरकार ने 2020 में 1986 की शिक्षा नीति में बदलाव किए हैं। नई शिक्षा नीति के तहत प्री क्लास की भी व्यवस्था की गई है। इस नीति के तहत उच्च शिक्षा के लिए भारतीय उच्च शिक्षा परिषद नमक एकल शिक्षा की परिकल्पना की गई है, लेकिन देश में हर वर्ग के लिए अलग-अलग शिक्षा व्यवस्था है। गरीब और मजदूर के बच्चों के स्कूल में अलग पढ़ाई होती है और अमीर के स्कूल में अलग पढ़ाई होती है। इससे एकल शिक्षा की कोई परिकल्पना नहीं होती है। इस नीति पर लगातार विपक्षी दल आवाज उठा रहे हैं। केंद्र सरकार ने नई शिक्षा नीति लागू करने के साथ ही मानव संसाधन विभाग का नाम बदल शिक्षा मंत्रालय कर दिया है। इसके अलावा बच्चों के एडमिशन पास और फेल के नियम में भी बदलाव किए गए।

तभी से देश भर में छात्र संगठन नई शिक्षा नीति का विरोध कर रहे हैं और बदलाव की मांग कर रहे हैं, लेकिन एमएलसी वंशीधर बृजवासी ने कुछ अलग ही मांग की है। उनका कहना है कि वन नेशन वन इलेक्शन की तर्ज पर वन एजुकेशन सिस्टम भी लागू होना चाहिए। जिससे अमीर, मजदूर और गरीब सभी बच्चों को एक जैसी शिक्षा मिल सके।

संक्षिप्त डायरी

3 साल की बेटी को लेकर महिला फरार

मोतिहारी। में एक महिला अपनी तीन साल की बच्ची और प्रेमी के साथ फरार हो गई। इसके बाद सोशल मीडिया पर वीडियो डाल कर अपने प्रेमी और खुद की सुरक्षा कि गुहार लगा रही है। मामला मोतिहारी के केसरिया थाना क्षेत्र के लोहरगंवा का है। जानकारी के अनुसार केसरिया थाना क्षेत्र के लोहरगंवा निवासी राकेश और आरती एक दूसरे से प्रेम करते थे। इन दोनों के बीच पहली मुलाकात केसरिया गर्ल्स हाई स्कूल में साल 2015 में हुई थी। तब आरती नवी कक्षा में पढ़ाई करती थी। राकेश उधर घूमने जाया करता था, इसी बीच दोनों के बीच दोस्ती हो गई। इसके बाद दिसंबर 2018 में दोनों घर से भाग गए। एक सप्ताह तक दोनों भागे रहे। इस बीच घरवालों के समझाने और शादी कराने के वादे के बाद राकेश ने आरती को वापस घर भेज दिया। घर आने के बाद आरती के घर वालों ने आनन फानन में उसकी शादी दिल्ली के रखने वाले एक युवक से करा दी। शादी के बाद से आरती अपने पति के साथ दिल्ली में रहने लगी। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत बंद हो गई। इस बीच आरती ने एक बेटी को जन्म दिया। आरती का आरोप है कि उसका पति शराब पीकर उसके साथ मारपीट करता था। इस बीच आरती फिर से अपने पुराने प्रेमी से बात करने लगी। वहीं 25 दिसंबर को राकेश के साथ आरती अपनी बच्ची को लेकर फरार हो गई। मामले को लेकर केसरिया थाना अध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि अब तक कोई आवेदन नहीं मिला है। मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं इस मामले में लड़की के परिजनों से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन कुछ भी बोलने से मना कर दिया।

गया में 8 दुकानों से लिए तिलकुट के नमूने

गया। में मकर संक्रांति के मद्देनजर रमना रोड और टेकारी रोड के 8 प्रतिष्ठानों पर खाद्य विभाग की टीम ने छापेमारी की। इस दौरान 11 तिलकुट के नमूने लिए गए। इनमें गुड़ और चीनी के तिलकुट शामिल हैं। छापेमारी के दौरान फूड इंस्पेक्टर एम कश्यप ने तिलकुट को ढक कर बेचने की नसीहत दी। छापेमारी में रमना रोड स्थित जौहरी जी तिलकुट भंडार के हरि शंकर और रामा शंकर के प्रतिष्ठानों से गुड़ और चीनी तिलकुट के नमूने लिए गए। श्री राम तिलकुट भंडार और श्री गणेश हिसुआ तिलकुट भंडार से भी चीनी तिलकुट के सैंपल लिए गए। टेकारी रोड पर स्थित श्री रामचंद्र तिलकुट भंडार, जय श्री राम तिलकुट भंडार और प्रमोद लड्डू भंडार से भी तिलकुट के नमूने संग्रह किए गए। गड़बड़ी मिलने पर होगी कार्रवाई खाद्य विभाग के अधिकारियों ने सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजने की बात कही है। रिपोर्ट आने के बाद दोषी पाए जाने वाले प्रतिष्ठानों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मकर संक्रांति के दौरान तिलकुट की मांग बढ़ जाती है। इसे देखते हुए खाद्य विभाग ने सख्ती बरतने का फैसला किया है। टीम ने सुनिश्चित किया कि बाजार में बिकने वाला तिलकुट गुणवत्ता के मानकों पर खरा उतरे। विभाग ने दुकानदारों को साफ-सफाई और गुणवत्ता बनाए रखने की चेतावनी भी दी है।

मिट्टी की ढेर में दबने से युवक की मौत

भागलपुर। जिले के कदवा थाना क्षेत्र में शौच करने गए एक युवक की कोसी नदी के किनारे दसान (मिट्टी की ढेर) के चपेट में आकर मौत हो गई। घटना बाबा बिशु रावत पुल के उत्तरी छोर के पास हुई। घटना की जानकारी उस वक्त मिली जब स्थानीय लोग शौच के लिए नदी किनारे पहुंचे। मृतक की पहचान नाथनगर थाना क्षेत्र के दिलदारपुर दियारा निवासी संजीव कुमार महतो के रूप में की गई है। वह कोसी नदी किनारे शौच के लिए गए थे, तभी अचानक दसान गिरने से वह उसकी चपेट में आ गए और मिट्टी में दब गए, जिससे उनकी मौत हो गई।परिजनों ने बताया कि संजीव अपनी पत्नी और बच्चों के साथ मधेपुरा जिले के चौसा थाना क्षेत्र के बिंद टोली से चार दिन पहले तरबूज की खेती करने के लिए कदवा आए थे। घटना के दिन वह शौच के लिए नदी किनारे गए थे, जहां यह हादसा हुआ। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय नदी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थाना अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने शव का पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल नवगछिया भेज दिया है। इस घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है और परिजन गहरे शोक में डूबे हुए हैं। मृतक के परिजनों के अनुसार संजीव के तीन पुत्र और एक पुत्री हैं, जिनकी स्थिति इस घटना के बाद अत्यधिक गमगीन है।

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 134करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना।
शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्राकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्राकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाईड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्तवपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।
मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया। मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है।
शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है।
डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड़, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और व वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यत: चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शियम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेद चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।
अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में –

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोंस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मखखन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती है। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

डायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।

पंजाब अपने प्रदर्शन को बेहतर करने की उम्मीद के साथ नॉर्थईस्ट का करेगा सामना

एजेंसी

गुवाहाटी : पंजाब एफसी शुक्रवार को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के मुकाबले में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी का सामना करने के लिए तैयार है। यह मुकाबला इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में खेला जाएगा। पंजाब एफसी, जिसे द शेर के नाम से जाना जाता है, इस मैच में जीत के साथ 18 अंकों से 21 अंकों तक पहुंच सकता है और प्लेऑफ स्थान से केवल एक अंक दूर रह जाएगा। वहीं, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड, जो वर्तमान में 22 अंकों के साथ अंतिम प्लेऑफ स्थान पर है, जीत हासिल करके अपनी स्थिति को मजबूत करना चाहेगा। मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा। पिछले मैचों के प्रदर्शन पर पंजाब एफसी के मुख्य कोच पनागियोटिस डिल्मपेरिस ने कहा, जब एक टीम को अपनी अपेक्षित सफलता नहीं मिलती और लगातार चार मैच हार जाती है, तो यह हमें यह एहसास कराता है कि हमें अपने खेल में सुधार करना होगा। इन नतीजों के पीछे कई कारण हैं, जिन्हें हमने पहचाना है और कल के मैच में उन्हें सुधारने की कोशिश करेंगे। पिछले कुछ मैचों में हमने कई गोल खाए हैं, लेकिन इसके बावजूद हमारे पास इस सीजन की बेहतरीन रक्षात्मक आंकड़े हैं। टीम के खिलाड़ियों की उपलब्धता पर कोच ने कहा, हमारे सभी खिलाड़ी कल के लिए उपलब्ध हैं क्योंकि वे चोट और निलंबन से लौट चुके हैं। हालांकि, उन्हें पूरी लय में आने के लिए कुछ और मैचों की आवश्यकता होगी। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड और उनके कोच जुआन पेड्रो बेनाली के बारे में डिल्मपेरिस ने कहा, मैं जुआन पेड्रो बेनाली का बहुत सम्मान करता हूं। वह अपनी टीम को एक इंजन की तरह प्रशिक्षित करते हैं। वे हर सेकंड का उपयोग करते हैं, उनकी आक्रमण रणनीति प्रभावशाली है और उनकी रक्षात्मक प्रणाली भी मजबूत है। हम कल किसी एक खिलाड़ी पर ध्यान केंद्रित नहीं करेंगे क्योंकि उनके 11 खिलाड़ी मैदान पर होंगे। हमारे पास उनके खिलाफ अपनी योजनाएं हैं और हम उनके कमजोरियों का लाभ उठाकर सकारात्मक परिणाम हासिल करने की कोशिश करेंगे। पिछले मैच में पंजाब एफसी को केरल ब्लास्टर्स के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-1 से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने नवागंतुक मोहम्मडन एससी के खिलाफ गुवाहाटी में गोल रहित ड्रॉ खेला। पंजाब एफसी के लिए लुका मैजसेन, पुल्गा विडाल और फिलिप म्रजलजक जैसे मुख्य आक्रमणकारी खिलाड़ी वापस लौट रहे हैं। वहीं, रक्षा में इवान नोवोसेलेक भी टीम को मजबूती प्रदान करेंगे। प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में डिफेंडर प्रमवीर सिंह, जो आईएसएल मैच में शुरूआत करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने, ने कहा, कोच ने मुझ पर विश्वास जताया है कि मैं टीम के लिए महत्वपूर्ण मैच खेलूं। मैं दबाव महसूस नहीं करता क्योंकि मैं युवा हूं, और यह मेरे लिए एक शानदार अनुभव है। कोच और सीनियर खिलाड़ियों ने मुझे शुरू से प्रेरित किया है और मैं टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन जारी रखना चाहता हूं। ड्रेसिंग रूम का माहौल सकारात्मक है और हम कल की जीत को लेकर आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। दिल्ली में खेले गए रोमांचक मुकाबले में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने पंजाब एफसी को 2-1 से हराया था। पिछले सीजन, पंजाब एफसी ने इसी स्थान पर नॉर्थईस्ट यूनाइटेड को 1-0 से हराया था, जबकि दिल्ली में खेले गए दूसरे मुकाबले में दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। पंजाब एफसी को अपने सीजन को पटरी पर लाने के लिए बस एक जीत की जरूरत है, जबकि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड प्लेऑफ स्थान पर अपनी स्थिति बनाए रखना चाहेगा।

शमी के वापसी की उम्मीदें बढ़ीं, आकाशदीप एक महीने के लिए बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली : तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज और संभावित रूप से चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में वापसी करने की उम्मीद है। नवंबर 2023 में विश्व कप फाइनल के बाद से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज ने हाल ही में सफेद गेंद क्रिकेट खेलना फिर से शुरू किया है और उनके भारतीय टीम के लिए उपलब्ध होने की संभावना है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार, एनसीए की मेडिकल टीम शमी की बारीकी से निगरानी कर रही है, जिनकी दाहिनी एड़ी की सर्जरी हुई है। एड़ी ठीक हो गई है, लेकिन उनके घुटने में हल्की सूजन है, जिसके कारण उन्हें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद के चरणों के लिए विचार से बाहर कर दिया गया है। हाल ही में, शमी ने बंगाल के लिए विजय हजारे ट्रॉफी के कुछ खेलों में भाग लिया है और गुरुवार को बड़ौदा में हरियाणा के खिलाफ प्री-क्वार्टर फाइनल में फिर से खेलने के लिए तैयार हैं। जैसा कि बीसीसीआई ने कहा है, शमी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) की मेडिकल टीम की निगरानी में हैं, और वह जहां भी जाते हैं, उनके साथ कम से कम एक एनसीए फिजियो या ट्रेनर रहता है। राजकोट में कुछ फिजियो या ट्रेनर थे, जहां शमी ने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में खेला था और हाल ही में, हैदराबाद में शमी और हार्दिक पांड्या दोनों की देखरेख करते हुए एक एनसीए फिजियो को देखा गया था। चयन समिति के सदस्य शमी के प्रदर्शन का बारीकी से आकलन करने के लिए बड़ौदा में विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट मैचों में भाग लेने की संभावना है। शुरूआती संकेत बताते हैं कि उनकी गेंदबाजी पर कोई असर नहीं पड़ा है और वह काफी हद तक परेशानी मुक्त हैं। जबकि उनके वापस बुलाए जाने के लिए एनसीए की मंजूरी अनिवार्य है। इस बीच, तेज गेंदबाज आकाश दीप के इंग्लैंड के खिलाफ आगामी सफेद गेंद की सीरीज में खेलने की संभावना नहीं है, साथ ही उनके कुछ मौजूदा भारतीय साथी भी इसमें शामिल नहीं होंगे। ऐसा माना जा रहा है कि पीठ दर्द के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट से चूकने वाले आकाश दीप कम से कम एक महीने तक मैदान से बाहर रहेंगे। भारत लौटने पर, उन्हें बेंगलुरु में एनसीए या नए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिपोर्ट करना है। सबसे पहले, आकाश दीप इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए उपलब्ध होने की संभावना नहीं है, जिनमें से पहला मैच 22 जनवरी को उनके गृहनगर कोलकाता में होना है। भले ही आकाश दीप ने अभी तक अपना सफेद गेंद वाला डेब्यू नहीं किया है, लेकिन हाल के महीनों में उनके प्रदर्शन में उछाल आया है, और उन्हें चयन के लिए विचार किया जा सकता था, खासकर जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की अनुपस्थिति में। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान काम के बोझ के कारण दोनों तेज गेंदबाजों के इंग्लैंड टी20 सीरीज से बाहर रहने की भी उम्मीद है। दोनों तेज गेंदबाजों ने सीरीज में 150 से अधिक ओवर फेंके और भविष्य की प्रतिबद्धताओं, खासकर चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उन्हें आराम की आवश्यकता है।

हंगरी की तैराक 'आयरन लेडी' कैटिंका होस्जु ने की संन्यास की घोषणा

एजेंसी

बुडापेस्ट : 'आयरन लेडी' के नाम से मशहूर हंगरी की तैराक कैटिंका होस्जू ने बुधवार को प्रतिस्पर्धी तैराकी से संन्यास की घोषणा की। सोशल मीडिया पर एक भावपूर्ण संदेश में, 35 वर्षीय तैराक ने उन सभी का आभार व्यक्त किया जिन्होंने उनका समर्थन किया और खेल द्वारा प्रदान की गई परिवर्तनकारी यात्रा पर विचार किया। उन्होंने कहा, अब, जब मैं अपने करियर पर नजर डालती हूँ, तो मुझे बहुत संतुष्टि का एहसास होता है। पदक और रिकॉर्ड मूल्यवान हैं, लेकिन जो चीज मेरे साथ सबसे ज्यादा जुड़ी हुई है, वह है तैराकी के प्रति मेरा शाश्वत प्रेम। होस्जू की उपलब्धियों की सूची असाधारण है। वह तीन बार की ओलंपिक चैंपियन हैं, जिन्होंने 200 मीटर और 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले में स्वर्ण पदक जीता है, साथ ही 2016 रियो ओलंपिक में 100 मीटर बैकस्ट्रोक में भी स्वर्ण पदक जीता है। अपने करियर के दौरान, उन्होंने 97 पदक जीते और 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले विश्व रिकॉर्ड 2:06.12 के साथ पूल से बाहर निकलीं, जिससे खेल की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई।

इंग्लैंड हॉकी ने महिला वर्ग में ट्रांसजेंडर महिलाओं के खेलने पर प्रतिबंध लगाया

एजेंसी

लंदन : इंग्लैंड हॉकी ने बुधवार को एक नई नीति की घोषणा की, जिसके तहत अगले सत्र की शुरूआत से ट्रांसजेंडर महिलाओं को महिला वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने से रोक दिया जाएगा। ट्रांसजेंडर और नॉन-बाइनरी भागीदारी को ध्यान में रखते हुए, शासी निकाय ने दो प्रतियोगिता श्रेणियां शुरू की हैं: महिला और ओपन, जिसमें ओपन में ट्रांसजेंडर और नॉन-बाइनरी खिलाड़ियों सहित सभी प्रतिभागियों का स्वागत है। पिछली नीति की समीक्षा जुलाई 2023 में शुरू हुई, जिसमें खेल परिषदों के समानता समूह के मार्गदर्शन को शामिल किया गया। इंग्लैंड हॉकी ने एक बयान में कहा, ₹इस साक्ष्य के आधार पर, हमने निर्धारित किया है कि निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए ट्रांस और नॉन-बाइनरी भागीदारी नीति को ट्रांस भागीदारी को प्रतिबंधित करना चाहिए। संगठन ने कहा, हम सभी प्रभावित खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे हॉकी में भाग लेना जारी रखने के लिए सही रास्ता खोजें। 1 सितंबर से प्रभावी नई नीति का उदेश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर कोई निष्पक्ष तरीके से हॉकी खेल में भाग ले सके। कई अन्य खेल निकायों ने हाल ही में शीर्ष महिला स्पधाओं में ट्रांसजेंडर महिलाओं की भागीदारी पर इसी तरह के प्रतिबंध लागू किए हैं। लॉन टेनिस एसोसिएशन ने कुछ घरेलू टेनिस और पैडल टूनार्मेंटों से ट्रांसजेंडर महिलाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है, जबकि एलपीजीए गोल्फ टूर ने पिछले महीने घोषणा की थी कि ट्रांसजेंडर महिलाएं 2025 के सत्र से प्रतिस्पर्धा करने के लिए अयोग्य होंगी। इसी तरह, इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने अक्टूबर में घोषणा की कि पुरुष यौवन से गुजरने वाली खिलाड़ी 2025 से शीर्ष स्तरीय महिला क्रिकेट के लिए अयोग्य होंगी।

श्रीलंका टेस्ट दौरे के लिए कोनोली, मैकस्वीनी कुहनेमन ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल

एजेंसी

मेलबर्न : ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका टेस्ट दौरे के लिए गुरुवार को टीम की घोषणा कर दी है। कूपर कोनोली को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है और नाथन मैकस्वीनी की वापसी हुई है, सैम कोनस्टास और ब्यू वेबस्टर को भी अपने करियर की शानदार शुरूआत के बाद टीम में शामिल किया गया है। बाएं हाथ के स्पिनर मैट कुहनेमैन और ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी नाथन लियोन के साथ मिलकर तीन मुख्य स्पिनरों की भूमिका निभाएंगे। गॉल में परिस्थितियां अनुकूल होने की उम्मीद है, जहां दोनों टेस्ट मैच खेले जाएंगे। हालांकि, मिशेल मार्श का टेस्ट करियर अब काफी संदेह में है, क्योंकि भारत के खिलाफ अंतिम टेस्ट के लिए उन्हें बाहर किए जाने के बाद उन्हें श्रीलंका दौरे से बाहर कर दिया गया है। पैट कमिंस की अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी स्टीवन स्मिथ करेंगे, जो पितृत्व अवकाश पर हैं और टखने की चोट से उबर रहे हैं। जोश हेजलवुड को भी चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए बाहर रखा गया है, क्योंकि उनकी भारत श्रृंखला कॉल्फ चोट के कारण बीच में ही समाप्त हो गई थी। चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा, श्रीलंका दौरा करने के लिए एक चुनौतीपूर्ण और रोमांचक जगह है, क्योंकि खिलाड़ियों को अलग-अलग परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। यह टीम प्रत्येक मैच में किस तरह के विकेट का सामना कर सकती है, इसके आधार पर एकादश को संरचित करने के कई तरीके प्रदान करती है। हम उन टीम के सदस्यों के लिए आगे के अवसर को लेकर उत्साहित हैं जो अपने टेस्ट करियर की शुरूआत में हैं और उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में अपने खेल को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे, जहाँ आने वाले वर्षों में हमारे पास कई महत्वपूर्ण दौरे हैं। मैकस्वीनी को भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद टीम से बाहर कर दिया गया था। 21 वर्षीय वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के स्पिनर कोनोली दो टेस्ट के लिए टीम में एक और ऑलराउंड विकल्प प्रदान करते हैं।

फॉर्मूला 1 ने बेल्जियम ग्रैंड प्रिक्स के साथ बहु-वर्षीय विस्तार की घोषणा की

एजेंसी

ब्रुसेल्स : फॉर्मूला 1 ने बेल्जियम ग्रैंड प्रिक्स के साथ बहु-वर्षीय विस्तार पर सहमति व्यक्त की है, जिसके तहत अगले छह वर्षों में से चार वर्षों में यह खेल प्रतिष्ठित सर्किट डी स्पा-फ्रैंकोरचैम्प्स में आयोजित किया जाएगा। विस्तार में 2026, 2027, 2029 और 2031 ग्रैंड प्रिक्स सीजन शामिल हैं। पिछले साल, बेल्जियम ग्रैंड प्रिक्स ने रेस वीकेंड में तीन दिनों के रोमांचक एक्शन में 380,000 प्रशंसकों का स्वागत किया, जिसमें मर्सिडीज के लुईस हैमिल्टन ने सीजन की अपनी दूसरी जीत और स्पा में अपनी पांचवीं जीत दर्ज की। 1921 में निर्मित, स्पा-फ्रैंकोरचैम्प्स 1950 में फॉर्मूला 1 की पहली चैंपियनशिप का हिस्सा बनने वाले सिर्फ सात सर्किटों में से एक था और तब से 57 ग्रैंड प्रिक्स की मेजबानी कर चुका है। वालोनियन सर्किट प्रशंसकों और ड्राइवरों द्वारा समान रूप से लंबे सीधे रास्तों और चुनौतीपूर्ण तेज कोनों के मिश्रण के लिए मनाया जाता है, जिसमें दुनिया के रेसट्रैक के सबसे प्रसिद्ध खंडों में से एक शामिल है, जहां ड्राइवर ईओ रूज और रेडिलॉन से गुजरते हैं, फिर केमेल स्ट्रेट पर जाते हैं। 7.004 किमी तक फैला यह सर्किट फॉर्मूला 1 कैलेंडर का सबसे लंबा सर्किट है और इसमें इस खेल के कुछ सबसे मशहूर ड्राइवर शामिल हैं, जिनमें आयर्टन सेना, माइकल शूमाकर, निकी लौडा और सेबेस्टियन वेटेल शामिल हैं। मौजूदा ग्रिड से लुईस हैमिल्टन, चार्ल्स लेक्लर और मैक्स वर्स्टैपेन ने भी सर्किट में जीत हासिल की है। इस सीजन में फॉर्मूला 1 बेल्जियम ग्रैंड प्रिक्स 2025 का आयोजन 25-27 जुलाई को होगा और इसमें ट्रैक पर स्प्रिंट की वापसी होगी, जिससे रेस वीकेंड के तीनों दिनों में प्रशंसकों को और भी बेहतरीन रेसिंग मनोरंजन मिलेगा। फॉर्मूला 1 के अध्यक्ष और सीईओ स्टेफानो डोमेनिकली ने फॉर्मूला 1 प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से कहा, बेल्जियम ग्रैंड प्रिक्स 1950 में हमारी पहली चैंपियनशिप बनाने वाली दौड़ों में से एक थी, इसलिए जब हम अपनी 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, तो यह उचित है कि हम इस महत्वपूर्ण विस्तार की खबर साझा कर सकें। स्पा-फ्रैंकोरचैम्प्स को ड्राइवरों और प्रशंसकों द्वारा दुनिया के सबसे बेहतरीन रेसट्रैक में से एक के रूप में सराहा जाता है और इसने फॉर्मूला 1 में अपने कई सीजन में कुछ अविश्वसनीय क्षणों की मेजबानी की है। हाल के वर्षों में इसने सुविधा और समग्र प्रशंसक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण काम किया है, और मैं बेल्जियम में फॉर्मूला 1 के लिए उनके समर्पण और भावुक समर्थन के लिए प्रमोटर और वालोनिया सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूँ।

संक्षिप्त खबरें

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 : पहले दौर में टॉमस माचाक से भिड़ेंगे सुमित नागल

नई दिल्ली : ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में एकल वर्ग में एकमात्र भारतीय खिलाड़ी सुमित नागल को गुरुवार को कड़ा ड्रॉ मिला। दुनिया के 96वें नंबर के खिलाड़ी नागल मेलबर्न में शुरूआती दौर में 26वीं वरीयता प्राप्त चेक खिलाड़ी टॉमस माचाक से भिड़ेंगे। दोनों खिलाड़ियों ने कभी एक-दूसरे का सामना नहीं किया है। माचाक पर जीत का मतलब है कि उन्हें दूसरे दौर में बड़ी सर्विस करने वाले अमेरिकी खिलाड़ी रीली ओपेल्का से भिड़ना पड़ सकता है। भारतीय खिलाड़ी 10 बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच के साथ ड्रॉ के उसी वर्ग में हैं। 24 वर्षीय माचाक ने पेरिस ओलंपिक में कैटरीना सिनियाकोवा के साथ मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीता था। वह जिनेवा में अपने पहले टूर-लेवल फाइनल में पहुंचे और पिछले साल शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में चार बार के मेजर विजेता कार्लोस अल्कराज को भी हराया। नागल का पिछले साल शानदार प्रदर्शन रहा। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन की शुरूआत क्वालीफायर के रूप में की और 31वीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक को सीधे सेटों में हराया। नागल 35 साल में किसी ग्रैंड स्लैम के मुख्य ड्रॉ में वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराने वाले पहले भारतीय पुरुष बन गए। नागल से पहले ऐसा करने वाले आखिरी खिलाड़ी रमेश कृष्णन थे, जिन्होंने 1989 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में शीर्ष वरीयता प्राप्त मैट्स विलेंडर को हराया था। नागल ने दो चैलेंजर टूर खिताब जीते और एटीपी टॉप 100 में भी पदार्पण किया। उन्होंने ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया और अन्य तीन मेजर में भी सीधे प्रवेश पाया। नागल कभी भी मेजर टूर्नामेंट में दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए हैं।

न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की पुष्टि की

नई दिल्ली : मार्टिन गुप्टिल ने आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की पुष्टि कर दी है। उन्होंने आखिरी बार अक्टूबर 2022 में न्यूजीलैंड के लिए खेला था। हालांकि 38 वर्षीय गुप्टिल दुनिया भर की टी20 लीगों में खेलना जारी रखेंगे। उन्होंने आखिरी बार 2022 में ब्लैक कैप्स के लिए खेला था। गुप्टिल वर्तमान में न्यूजीलैंड की घरेलू टी20 प्रतियोगिता सुपर स्मैश में ऑकलैंड के लिए खेल रहे हैं, और उन्होंने पीएसएल ड्राफ्ट के लिए भी साइन अप किया है, जहां इस्लामाबाद यूनाइटेड के पास उन्हें बनाए रखने का विकल्प है। गुप्टिल ने 198 एकदिवसीय मैचों में 7346 रन बनाकर न्यूजीलैंड के लिए सफेद गेंद के महान खिलाड़ी के रूप में अंतरराष्ट्रीय मंच छोड़ा। केवल रॉस टेलर (8607) और स्टीफन फ्लेमिंग (8007) ने ब्लैक कैप्स के लिए प्रारूप में उनसे अधिक रन बनाए हैं। टी20 क्रिकेट में, वह अब भी न्यूजीलैंड के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 122 मैचों में 31.81 के औसत और 135.70 के स्ट्राइक रेट से 3531 रन बनाए हैं। गुप्टिल ने 2009 से 2016 तक 47 टेस्ट भी खेले, हालांकि उन्हें सबसे लंबे प्रारूप में उतनी सफलता नहीं मिली, उन्होंने 29.38 की औसत से 2586 रन बनाए। अपने संन्यास की घोषणा के साथ गुप्टिल ने कहा, एक छोटे बच्चे के रूप में न्यूजीलैंड के लिए खेलना हमेशा मेरा सपना था और मैं अपने देश के लिए 367 खेल खेलने के लिए अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली और गौरवान्वित महसूस करता हूं। मैं लोगों के एक महान समूह के साथ सिल्वर फर्न पहनकर बनाई गई यादों को हमेशा संजोकर रखूंगा। मैं वर्षों से अपने सभी टीम-साथियों और कोचिंग स्टाफ को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं, विशेष रूप से मार्क ओह्लडोनेल को, जिन्होंने तब से मुझे प्रशिक्षित किया है। अंडर 19 स्तर और मेरे करियर में निरंतर समर्थन और ज्ञान का स्रोत रहा हूं। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के एक बयान में गुप्टिल ने कहा, वो दुनिया भर की विभिन्न टी20 लीगों में खेलना जारी रखेंगे।

खेल मंत्री मंडाविया ने मिशन ओलंपिक सेल की बैठक में हितधारकों से अधिकतम योगदान देने का किया आग्रह

नई दिल्ली : केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने बुधवार को यहां ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में मिशन ओलंपिक सेल की बैठक बुलाते हुए सभी हितधारकों से खेलों में देश को आगे ले जाने के लिए अपना योगदान देने का आह्वान किया। मंडाविया ने 2028 में लॉस एंजिल्स खेलों की तैयारी की योजनाओं पर केंद्रित बैठक में कहा, भारत का खेल बुनियादी ढांचा और वित्त पोषण वैश्विक स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले देशों के बराबर है। ओलंपिक में पदक जीतना एक साल या छह महीने का काम नहीं है। इसके लिए पहले से अच्छी तैयारी की आवश्यकता होती है। बैठक में गगन नारंग, पुलेला गोपीचंद, वीरेन रसकिन्हा, अपर्णा पोपट, डॉ. सत्यपाल सिंह, प्रशांति सिंह, गायत्री मडकेकर, कमलेश मेहता, साइरस पोंचा, दीप्ति बोपैया, सिद्धार्थ शंकर, मनीषा मल्होत्रा, गौतम वढेरा, प्रेम लोचब सहित कई लोग शामिल हुए। बैठक में देश भर के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और प्रशासकों के साथ-साथ खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के अधिकारी भी अपने विचार रखने के लिए एकत्रित हुए। खेल मंत्रालय की सचिव सुजाता चतुर्वेदी ने नवगठित मिशन ओलंपिक सेल के सदस्यों और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के नवनियुक्त सीईओ नछत्तर सिंह जोहल का परिचय कराया।

एएफआई एथलीट आयोग में 6 महिलाएं और 3 पुरुष शामिल

नई दिल्ली : लंबी कूद की महान खिलाड़ी अंजू बॉबी जॉर्ज को बुधवार को भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के नौ सदस्यीय एथलीट आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जिसमें छह महिलाएं हैं और भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा सबसे प्रमुख पुरुष सदस्य हैं। नए पैनल में अन्य महिलाएँ धावक ज्योतिर्मयी सिकदर, डिस्कस थ्रोअर कृष्णा पूनिया, बाधा दौड़ खिलाड़ी एमडी वलसम्मा, स्टीपलचेजर सुधा सिंह और धावक सुनीता रानी हैं। 2003 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता अंजू एएफआई में वरिष्ठ उपाध्यक्ष भी हैं। ये सभी महिलाएं सेवानिवृत्त हैं और उनका शामिल होना एएफआई की अपनी व्यवस्था में लैंगिक समानता की खोज में एक उल्लेखनीय मील का पत्थर है। पिछले आयोग में चार महिलाएँ थीं। पिछले साल अक्टूबर में हुए चुनावों के बाद बुधवार को आयोग का अनावरण किया गया। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा एएफआई की कार्यकारी परिषद द्वारा परामर्श के बाद नामित चार सदस्यों में से एक हैं। आयोग के अन्य दो पुरुष सदस्य 3000 मीटर स्टीपलचेजर अविनाश साबले और नवनिर्वाचित एएफआई अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू हैं, जो 2002 एशियाई खेलों में शॉटपुट स्वर्ण पदक विजेता हैं। सागू पिछले आयोग के अध्यक्ष थे। निवर्तमान एएफआई कोषाध्यक्ष मधु कांत पाठक, जो चुनावों के लिए रिटर्निंग ऑफिसर थे, ने कहा कि चुनाव उचित प्रक्रिया का पालन करने के बाद आयोजित किए गए थे। चुनाव अधिसूचना जारी की गई और अन्य नियमों और विनियमों का पालन किया गया। पांच सदस्य चुने गए।

एक नजर

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने भारत-नेपाल सीमा का किया दौरा

सिलीगुड़ी : केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने सिक्किम जाने के क्रम में गुरुवार को भारत-नेपाल सीमा का दौरा किया। मंत्री ने भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र खोड़ीबारी के पानीटंकी पहुंचे और एसएसबी जवानों से बात की। इस दौरान एसएसबी जवान और स्थानीय कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। नित्यानंद राय ने पत्रकारों से कहा कि एसएसबी दो मित्र देशों नेपाल और भूटान की सीमा पर निगरानी करती है। एसएसबी जवान सामाजिक कार्यों के साथ-साथ सीमा पर निगरानी भी रख रहे हैं और आम जनता के साथ संपर्क बनाए हुए हैं। जबकि भारत का तो नेपाल के साथ रोटी-बेटी का रिश्ता है। बाद में वे सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले नेपाली, राजबंशी और आदिवासी समुदाय के कलाकारों को पुरस्कृत कर सिक्किम के लिए रवाना हुए।

एडमिट कार्ड के नाम पर अवैध वसूली ग्रामीणों में आक्रोश

भागलपुर : जिले के सन्हौला प्रखंड क्षेत्र स्थित श्री चंडिका मिश्री लाल कृष्ण प्रसाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अरार धुआवै में छात्रों से एडमिट कार्ड के नाम पर अवैध वसूली का मामला प्रकाश में आया है। हुकमा गांव के एक छात्र, जिसने नाम न छापने की शर्त पर अपनी बात रखी, उन्होंने बताया कि प्रायोगिक परीक्षा के लिए इंटर के एडमिट कार्ड लेने के लिए जब विद्यालय पहुंचा, तो उससे 100 रुपया की मांग की गई। चौंकाने वाली बात यह है कि पैसे लेने के बाद भी कोई रसीद नहीं दी गई। जब छात्र ने पैसे की मांग का कारण पूछा, तो उसे बताया गया कि यह सरस्वती पूजा के चंदे के लिए है। छात्र-छात्राओं का कहना है कि विद्यालय प्रबंधन इस तरह के अनावश्यक और जबरन चंदा वसूलने के लिए बाध्य कर रहा है, जो कि अनुचित है। पंचायत के मुखिया कृष्णा नंद सागर ने बताया कि इस तरह की अवैध वसूली नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यहां गरीब के बच्चे पढ़ते हैं। जिला शिक्षा पदाधिकारी से जब इस संबंध में जानकारी प्राप्त करने की कोशिश की गई तो उन्होंने फोन रीसीव नहीं किया। वहीं विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य विकेश कुमार सिंह ने बताया कि जिस दिन विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की जायेगी तो इस बात की चर्चा किया जायेगा।

राहुल गांधी 13 जनवरी को सीलमपुर रैली से करेंगे चुनावी शंखनाद

नई दिल्ली: लोकसभा में नेता विपक्ष एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी दिल्ली विधानसभा के चुनावी अभियान का आगाज सीलमपुर से करेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार वह यमुनापार के सीलमपुर में 13 जनवरी को जनसभा करेंगे। सीलमपुर अल्पसंख्यक बहुल विधानसभा सीट है। 1998 से डेढ़ दशक तक दिल्ली की सत्ता पर काबिज रही कांग्रेस पार्टी दिल्ली विधानसभा के पिछले दो चुनावों में खाता खोलने में विफल रही है। कांग्रेस इस बार आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार को हटाकर सत्ता में वापसी करने के लिए प्रयासरत है। इसी इरादे के साथ लोकसभा चुनाव में इंडी गठबंधन (आईएनडीआईए) की सहयोगी रही आम आदमी पार्टी का साथ छोड़कर कांग्रेस अब विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवार उतार रही है। सीलमपुर विधानसभा सीट पर पार्टी ने इस बार अब्दुल रहमान पर दांव लगाया है, जो 2020 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के टिकट पर चुने गए थे। वो अब दल बदल कर कांग्रेस में आ गए हैं। 2020 में उन्हें 72 हजार 694 मत मिले थे, जो 56 प्रतिशत से अधिक था।

उदयपुर में चिंतन शिविर का केन्द्रीय महिला विकास मंत्री करेंगी शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली : केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय 10 से 12 जनवरी तक राजस्थान के उदयपुर शहर में एक चिंतन शिविर का आयोजित कर रहा है। इस तीन दिवसीय शिविर में देशभर में महिलाओं और बच्चों के समग्र विकास एवं कल्याण से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने वाले विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होगी और इन चुनौतियों से निपटने के लिए सर्वोत्तम संभव समाधान निकाले जाएंगे। गुरुवार को मंत्रालय ने बताया कि इस कार्यक्रम का केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी उद्घाटन करेंगी और चर्चा में शामिल होंगी। इस अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर मंत्रालय की पहलों पर अद्यतन जानकारी साझा करेंगी। इस कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के महिला एवं बाल विकास विभागों के मंत्री भी शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में मंत्रालय की प्रमुख पहलों पर ध्यान केंद्रित करने वाले कई महत्वपूर्ण सत्रों में मिशन वात्सल्य, मिशन शक्ति और मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 शामिल हैं। इन सत्रों का उद्देश्य महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान निकालना और भारत में महिलाओं के कल्याण और बच्चों के विकास को मजबूत बनाने के लिए भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना है। इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ओर से सर्वोत्तम अभ्यास प्रस्तुतियां दी जाएंगी। ये प्रस्तुतियां महिलाओं और बच्चों के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से की गई सफल पहलों पर ध्यान केंद्रित करेंगी। शिविर में मुख्य विषयों में मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 शामिल होंगे। इसके तहत आंगनवाड़ी केंद्रों को मजबूत करना ताकि उन्हें पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता और सेवाओं के केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके। मिशन वात्सल्य के तहत बेहतर चाइल्डकेयर संस्थानों, पालन-पोषण देखभाल, गोद लेने और बाद की देखभाल के माध्यम से बाल कल्याण को तेज करना शामिल है।

दूसरे दलों के सहारे दिल्ली में चुनाव लड़ने की कोशिश कर रहे हैं केजरीवाल : विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तंज कसते हुए कहा है कि दिल्ली के चुनावी मैदान में कांग्रेस के आने से आआपा सरकार घबराई हुई है। आआपा को पूरी उम्मीद थी कि कांग्रेस उनकी पार्टी के साथ गठबंधन करेगी और दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की मजबूरी हो गई और उन्हें ऐसी पार्टियों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिन पार्टियों का अपना ही वजूद दिल्ली में कहीं नहीं है। ऐसी पार्टियों द्वारा केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को समर्थन देना बड़ा हास्यास्पद है। विजेंद्र गुप्ता ने एक बयान में कहा कि दूसरों की बैसाखियों के सहारे दिल्ली की राजनीति की वैतरणी पार करने की केजरीवाल की मंशा अपने आप को ठगने जैसी हो गई है। सच्चाई यह है कि केजरीवाल अब खुद ही इस बात को अच्छे से समझ चुके हैं कि नई दिल्ली विधानसभा सीट से उनका चुनाव जीतना संभव नहीं है। क्योंकि एक तरफ पूर्व मुख्यमंत्री साहब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश वर्मा भाजपा प्रत्याशी के रूप में उन्हें टक्कर दे रहे हैं और दूसरी तरफ दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में उनके खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।उन्होंने कहा कि केजरीवाल अपने आप को बहुत हतोत्साहित महसूस कर रहे हैं, इसीलिए किसी दूसरी जगह से भी विधानसभा का चुनाव लड़ने का प्लान बना रहे हैं, ताकि एक जगह से हार भी जाएं तो दूसरी जगह पर जीत कर अपनी प्रतिष्ठा बचा सकें। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल की विवशता इसी से जाहिर हो रही है उन्होंने अखिलेश यादव और ममता बनर्जी की पार्टियों का समर्थन लेने से एक बार भी मना नहीं किया और अपने अंदर के डर को छुपाने के लिए उन्होंने दोनों पार्टियों का समर्थन चुपचाप स्वीकार कर लिया। गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल को कांग्रेस से यह उम्मीद नहीं थी कि कांग्रेस इस तरीके से अपनी उंगली छिटका लेगी, क्योंकि केजरीवाल को लगता था कि कांग्रेस और आआपा इंडी गठबंधन का हिस्सा होने के कारण उन्हें कांग्रेस का साथ मिलेगा और दोनों मिलकर चुनाव लड़ेंगे, लेकिन कांग्रेस के पार्टी के फैसले ने केजरीवाल की रही सही उम्मीद पर पानी फेर दिया।

सुकमा-बीजापुर जिले की सीमा पर सुरक्षाबलों व नक्सलियों के बीच मुठभेड़

सुकमा : छत्तीसगढ़ में एक बार फिर संयुक्त सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो रही है। यह मुठभेड़ छत्तीसगढ़ के सुकमा एवं बीजापुर जिले की सीमा पर गुरुवार सुबह से जारी है। प्रारंभिक जानकारी में इस मुठभेड़ में तीन नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। सुकमा जिले के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आज सुबह से सुरक्षाबलों एवं नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ स्थल व आसपास के क्षेत्रों की सुरक्षा बलों द्वारा सघन सर्चिंग की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी में इस मुठभेड़ में तीन नक्सलियों के मारे जाने की खबर है।

जी सिनेमा पर देखिए 'अरणमनै 4' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर डर

एजेंसी

मुंबई : हॉरर, थ्रिल और एंटरटेनमेंट का तड़का लगाने के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि जी सिनेमा लेकर आ रहा है अरणमनै 4 का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर। अपने टीवी स्क्रीन पर शुक्रवार, 10 जनवरी, 2025 को रात 8 बजे से इस दिलचस्प और रोमांचक फिल्म का लुफ्त उठाने के लिए तैयार हो जाइए, जिसका निर्देशन हॉरर के मास्टर सुंदर सी ने किया है। अरणमनै सीरीज का चौथा हिस्सा पूरी तरह से सस्पेंस, कॉमेडी और सुपरनैचुरल एलिमेंट्स से भरा हुआ है। इसमें तमन्ना भाटिया, राशि खन्ना और सुंदर सी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म में एक ताकतवर आत्मा के रहस्य को उजागर किया गया है, जहां डर और हंसी का मजा एक साथ मिलता है। कहानी में रूप बदलने वाला एक खतरनाक दैत्य बाक है, जो एक गांव का सुकून-शांति बर्बाद करने के साथ-साथ एक परिवार का भविष्य भी अंधेरे में डाल देता है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, दर्शकों को एक रहस्यमयी हवेली, विचित्र रस्में और जबर्दस्त सस्पेंस देखने को मिलता है। सुंदर सी के लाजवाब निर्देशन में यह फिल्म पूरी तरह से दर्शकों को रोमांच और मनोरंजन का अनुभव कराती है।

गड़करी आज आएंगे इंदौर, देश की पहली हाइड्रोजन-सीएनजी बाजा बगी का करेंगें अनावरण

एजेंसी

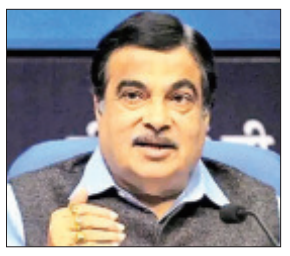

इंदौर : केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी आज मध्य प्रदेश के एक दिवसीय प्रवास पर इंदौर आ रहे हैं। वे यहां धार जिले के पीथमपुर स्थित नैट्रेक्स पर आयोजित होने वाले बाहा इंडिया कार्यक्रम में शामिल होंगे और यहां देश की पहली हाइड्रोजन-सीएनजी बाजा बगी का अनावरण करेंगे। केन्द्रीय मंत्री गडकरी यहां इंदौर- अकोला फोर-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना का निरीक्षण भी करेंगे। जानकारी के मुताबिक, केन्द्रीय मंत्री गडकरी नई दिल्ली से विमान द्वारा सुबह करीब साढ़े 10 बजे इंदौर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इंदौर पहुंचने के बाद वे हेलिकॉप्टर से पहले इंदौर-अकोला फोर-लेन हाईवे परियोजना के तहत निमार्णाधीन तेजाजी नगर-बलवाड़ा सेक्शन का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वह पीथमपुर के लिए रवाना होंगे, जहां वे नेट्रैक्स द्वारा आयोजित बाहा इंडिया कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम में भारत की पहली हाइड्रोजन-सीएनजी बाहा बगी का अनावरण होगा। यह वाहन वोल्वो आयशर द्वारा व्यवस्थित पांच फीसदी हाइड्रोजन और सीएनजी के मिश्रण से संचालित है। इसका इंजन ग्रीव्स कॉटन का बाइ-फ्यूल इंजेक्शन है, जो स्थिर गतिशीलता की दिशा में एक बड़ा कदम है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी इस 18वें संस्करण का उद्घाटन करेंगे और देश की पहली हाइड्रोन-सीएनजी बाहा बगी को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। वोल्वो ग्रुप इंडिया की उपाध्यक्ष मारिया एबेसन ने बताया कि 2025 में सीएनजी में पांच फीसदी हाइड्रोजन मिश्रण का उपयोग किया जाएगा और 2026 में इसे बढ़ाकर 18 फीसदी किया जाएगा। पीथमपुर से लौटकर गडकरी दोपहर में ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में चल रही नेशनल हाईवे परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे। इस बैठक में इंदौर और आसपास के प्रोजेक्ट इम्प्लिमेंटेशन यूनिट के परियोजना निदेशक भी शामिल होंगे। गडकरी इंदौर में नाथ मंदिर के दर्शन के लिए भी जाएंगे। इसके बाद वे शाम को इंदौर से नागपुर के लिए रवाना होंगे।

विकसित भारत के लिए हमें चाहिए 9 प्रतिशत का ग्रोथ रेट : कुलपति प्रो. योगेश

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत में जापान के राजदूत ओनो कीची ने कहा कि दिल्ली मेट्रो भारत-जापान संबंधों का एक अच्छा उदाहरण है। अब समय आ गया है कि इस संबंध को और आगे बढ़ाया जाए क्योंकि जापान की टेक्नोलोजी भारत के लिए जरूरी है। कॉन्फ्रेंस के पहले दिन विभिन्न विद्वानों ने भारत की विदेश नीति पर गहन मंथन किया। जापान के राजदूतओनो कीची गुरुवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इंडियन फोरन पॉलिसी अंडर मोदी 3.0 : चैलेंजेज एंड अपॉर्चुनिटी विषय पर आयोजित इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन दिल्ली स्कूल ऑफ ट्रांसनेशनल अफेयर्स के सहयोग से किया गया। इस मौके पर जापान के राजदूत ओनो कीची ने अपने भाषण की शुरूआत हिंदी में धन्यवाद कहते हुए किया। उन्होंने कहा कि वह भारत की विविधता और अतिथि देवो भवः के दर्शन से काफी प्रभावित हुए हैं। कीची ने कहा कि कॉन्फ्रेंस का शीर्षक न सिर्फ भारत बल्कि पूरे विश्व के लिए काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने अमेरिका के साथ संबंधों को मजबूत करने पर बल देते हुए कहा कि जिन देशों के साथ हमारे हित साझा होते हैं, उन देशों के साथ संबंध और सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। भारत और जापान का सम्बन्ध प्राचीन समय से चला आ रहा है। भारत और जापान एक दूसरे पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि जापान की भारत के साथ 60 प्रतिशत व्यापारिक हिस्सेदारी मेक इन इंडिया पॉलिसी के तहत निर्माण क्षेत्र में है। कीची ने कहा कि वर्ष 2025 में हमारे पास इस संबंध को आगे बढ़ाने का मौका है क्योंकि भारत और जापान के प्रधानमंत्री एक दूसरे के देशों का दौरा करेंगे। इस आयोजन के मुख्यवक्ता व इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष राम माधव ने कहा कि नए उभरते राष्ट्रवाद एवं वोकिज्म के तर्क-वितर्क के मध्य भारत को अपनी एक अलग ब्रांड भारत बनाने की आवश्यकता है। राम माधव ने कहा कि मोदी 3.0 केवल 5 वर्षों का कार्यकाल नहीं दशार्ता बल्कि अगले 20-25 वर्षों तक की विदेश नीति के लिए एक दिशा दृष्टि प्रदान करता है। नए उभरते राष्ट्रवाद एवं वोकिज्म के तर्क-वितर्क के मध्य भारत को अपनी एक अलग ब्रांड भारत बनाने की आवश्यकता है, जिसके लिए उन्होंने भारत की विदेश नीति के लक्ष्यों की 10 मुख्य बिंदुओं में व्याख्या की। कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन स्तर की अध्यक्षता करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए भारत को लगातार 9 प्रतिशत ग्रोथ रेट की जरूरत है।

संक्षिप्त खबरें

गृह मंत्रालय ने टीबी उन्मूलन अभियान के लिए राज्यों को लिखा पत्र

नई दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को टीबी उन्मूलन अभियान को लेकर पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि वे भारत से इस बीमारी को खत्म करने की केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता के तहत जेलों और सुधार संस्थानों में तपेदिक उन्मूलन पर 100 दिनों का गहन अभियान आयोजित करें। एमएचए ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रधान सचिव (गृह/जेल), डीजी-आईजी जेल को टीबी उन्मूलन पर 100 दिवसीय सघन अभियान आयोजित करने के लिए लिखे पत्र में कहा है कि जैसा कि आप जानते हैं, टीबी (टीबी) जेलों में एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय है क्योंकि जेलों में बंद सेटिंग और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में टीबी संक्रमण के लिए प्रजनन स्थल बनने की संभावना है, जिससे कैदियों की आबादी में बीमारी का बोझ बढ़ जाता है और कैदियों की रिहाई के बाद और उनके आगंतुकों के साथ उनकी आवधिक बातचीत के दौरान सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा होता है। अपर्याप्त जांच और जागरूकता की कमी को जेलों के अंदर टीबी को नियंत्रित करने में प्रमुख चुनौतियों के रूप में देखा जाता है। पत्र में कहा गया है कि भारत में टीबी को खत्म करने की अपनी प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, भारत सरकार ने हाल ही में टीबी उन्मूलन पर 100 दिवसीय गहन अभियान शुरू किया है, जो 7 दिसंबर, 2024 को शुरू हुआ। यह राष्ट्रव्यापी पहल टीबी को खत्म करके सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार करने की भारत सरकार की प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके परिणामस्वरूप मृत्यु दर में कमी आई है। पत्र में कहा गाय है कि जेलों के अंदर टीबी के प्रसार को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने और रोकने के लिए, 100 दिवसीय गहन अभियान के तहत 3 से 15 फरवरी की अवधि के दौरान राज्य स्वास्थ्य विभाग, राज्य टीबी अधिकारियों और जिला टीबी अधिकारियों के परामर्श से सभी जेलों में स्क्रीनिंग कैंप आयोजित करें।

हिमाचल में कानून-व्यवस्था ध्वस्त, भ्रष्टाचार चरम पर : सुखराम चौधरी

शिमला : भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री सुखराम चौधरी ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि हिमाचल जैसे शांतिप्रिय प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है और कांग्रेस सरकार को इस समस्या के समाधान की कोई चिंता नहीं है। सरकार का पूरा ध्यान केवल अपनी व्यवस्था को बचाने पर केंद्रित है। केसीसीबी में 20 करोड़ रुपये का घपला सुखराम चौधरी ने ऊना जिले के केंद्रीय सहकारी बैंक की ऊना शाखा में हुए 20 करोड़ रुपये के ऋण घोटाले का मामला उठाते हुए कहा कि बैंक प्रबंधन ने नियमों को ताक पर रखकर एक होटल कारोबारी को यह ऋण दिया। इस प्रक्रिया में बैंक ने अपनी ऋण नीति, भारतीय रिजर्व बैंक और नाबार्ड के दिशानिदेर्शों की सरेआम अवहेलना की। सहकारिता सचिव की शिकायत पर राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने होटल कारोबारी युद्ध चंद बैंस और बैंक अधिकारियों के खिलाफ धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज बनाने और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। निजी कॉलेज पर गंभीर आरोप सुखराम चौधरी ने हमीरपुर जिले के एक निजी कॉलेज का मामला भी उजागर किया। उन्होंने कहा कि यह संस्थान प्रशिक्षु शिक्षकों को नैतिकता का पाठ पढ़ाता है, लेकिन खुद फजीर्वाड़े में फंसा हुआ है। संस्थान पर आरोप है कि उसने फर्जी अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र तैयार कर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड से डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन पाठ्यक्रम की मान्यता प्राप्त की। जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि अग्निशमन विभाग ने ऐसा कोई प्रमाणपत्र जारी नहीं किया था। सुखराम ने कहा कि यह मामले प्रदेश में फैले व्यापक भ्रष्टाचार को दशार्ते हैं।

दिल्ली चुनाव में आप और कांग्रेस दोनों का सुपड़ा होगा साफ : जयराम ठाकुर

शिमला : नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि दिल्ली में इस बार भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाएगी और कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी का इस विधानसभा चुनाव में सुपड़ा साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि झूठ के हाथ-पांव नहीं होतेऱ और कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी का विकास और गरीब विरोधी चेहरा पूरी तरह से बेनकाब हो चुका है। जयराम ठाकुर ने आज शिमला में एक बयान में आरोप लगाया कि दोनों दलों ने दिल्ली में झूठ बोलकर बार-बार जनता का विश्वास प्राप्त करने की कोशिश की लेकिन अब दिल्लीवासी इनकी बातों पर यकीन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और आआपा ने एक साथ मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजय रथ को रोकने की कोशिश की, लेकिन दिल्ली के लोग अब झूठे वादों से दूर रहेंगे। नेता प्रतिपक्ष ने हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के वादों पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि गारंटी के नाम पर कांग्रेस ने प्रदेश को जिस तरह से छला है, वह भारतीय राजनीति में शायद ही कभी हुआ हो। कांग्रेस ने सत्ता में आने के लिए झूठ बोलने की सारी हदें पार कर दीं और गारंटियां देने के नाम पर जनता को धोखा दिया। जयराम ठाकुर ने यह भी आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद कांग्रेस अपने चुनावी वादों से पलट गई और तानाशाह बन गई। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार को रुएंटी गारंटी और एंटी मेनिफेस्टो गवर्नमेंट करार दिया।

डालमिया सीमेंट ने अपनी 'आरसीएफ एक्सपर्ट' सीमेंट रेंज का किया अनावरण

पटना : भारत की प्रमुख सीमेंट कंपनी डालमिया सीमेंट लिमिटेड ने गर्व से अपने प्रमुख भारतीय बाजारों में 'रूफ, कॉलम, फाउंडेशन एक्सपर्ट ब्रांड के तहत अपने नए सीमेंट पोर्टफोलियो का अनावरण किया। इसके प्रमुख उत्पाद, डालमिया डीएसपी आरसीएफ एक्सपर्ट++ और डालमिया सीमेंट आरसीएफ एक्सपर्ट, उन्नत फॉर्मूलेशन और अत्याधुनिक नैनो बॉन्डिंग टेक्नोलॉजी से लैस हैं, जो आधुनिक निर्माण की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। आरसीएफ एक्सपर्ट रेंज उच्च शक्ति, बेहतर संक्षारण प्रतिरोध और समय की कसौटी पर खरी उतरने वाली मजबूत संरचनाएं सुनिश्चित करती है। डालमिया सीमेंट, मूल ब्रांड, अपनी 80 से अधिक वर्षों की विश्वसनीय विरासत के साथ अपनी लगातार गुणवत्ता और सिद्ध विश्वसनीयता के लिए जानी जाती है, जो इसे विविध निर्माण आवश्यकताओं के लिए एक पसंदीदा विकल्प बनाती है। डालमिया डीएसपी आरसीएफ, पोर्टफोलियो में प्रीमियम पेशकश को अल्टीमेट कंक्रीट एक्सपर्ट के रूप में स्थान दिया गया है। यह एनबीटी को हाई रिएक्टिव सिलिका और पोर रिडक्शन टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ता है, जो मजबूत छतों, कॉलम और नींव के लिए उत्कृष्ट शक्ति और स्थायित्व प्रदान करता है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी**, **प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह***, **प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**